शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 117 | गुवाहाटी | रविवार, 20 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक आयोजित पेज 3
सत्येंद्र जैन की बीमारी का मजाक बनाकर घटिया राजनीति कर रही... पेज 4
काशी तमिल संगमम में भाग लेने पहुंचे तमिलनाडु के छात्रों का जोरदार... पेज 5
पंजाब : पंजाबी भाषा में लगेंगे सभी साइन बोर्ड पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati-781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पृथ्वी सत्य पे टिकी हुई है। ये सत्य ही की ताकत है, जिससे सूर्य चमकता है और हवा बहती है। वास्तव में सभी चीजें सत्य पे टिकी हुई हैं।

– आचार्य चाणक्य

पीएम मोदी ने इटानगर में डोनी पोलो एयरपोर्ट का किया उद्घाटन, कहा

अब लटकाने और भटकाने का युग हुआ खत्म

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज इटानगर के होलांगी में अरुणाचल प्रदेश के पहले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे *डोनी पोलो* एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम मोदी ने उड़ान ब्रोशर लॉन्च किया है। साथ ही उन्होंने 600 मेगावाट *कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन* को राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। साल 2019 में पीएम मोदी ने होलांगी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण की आधारशिला रखी थी। पीएम मोदी ने कहा कि आप जानते हैं कि हम एक कार्य संस्कृति लेकर आए हैं। जहां जिन परियोजनाओं का हमने शिलान्यास किया है, उनका उद्घाटन करते हैं। साथ ही

कहा कि अब *अटकाने, लटकाने और भटकाने* का युग चला गया है। डोनी पोलो हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हमारा सपना था कि हमारे प्रदेश की राजधानी में एयरपोर्ट बने। आज पीएम मोदी के प्रयास से वह सपना साकार हो गया है। उन्होंने इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार होलोंगी में टर्मिनल का निर्माण लगभग 955 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इसका क्षेत्रफल 4100 वर्ग मीटर है और इसकी अधिकतम क्षमता प्रति घंटे 200 यात्रियों को संभालने की है। यह हवाई अड्डा अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। इसे 640 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 690 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनाया गया है। 2,300 मीटर रनवे के साथ हवाई अड्डा सभी मौसम के संचालन के -शेष पृष्ठ दो पर

जांच के नाम पर नहीं चला सकते बुलडोजर : एचसी

गुवाहाटी। गौहाटी हाईकोर्ट ने बुलडोजर से मकान गिराए जाने की घटनाओं को लेकर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कल अगर आपको कुछ चाहिए होगा तो आप मेरे अदालत कक्ष को ही खोद देंगे। कोर्ट ने यह टिप्पणी असम के नगांव जिले में आगजनी की एक घटना के आरोपित के मकान को गिराए जाने के मामले की सुनवाई के दौरान की। चीफ जस्टिस आरएम छाया ने कहा कि भले ही कोई एजेंसी किसी बेहद गंभीर मामले की ही जांच क्यों न कर रही हो, किसी के मकान पर बुलडोजर चलाने का प्रविधान किसी भी आपराधिक कानून में नहीं है। मालूम हो कि स्थानीय मछली व्यापारी सफीकुल इस्लाम (39) की पुलिस हिरासत में मौत के बाद उग्र भीड़ ने 21 मई को बटाद्रवा थाने में आग लगा दी थी। इस्लाम को एक रात पहले ही पुलिस थाने लेकर आई थी। उग्र भीड़ के उपद्रव पर कार्रवाई करते हुए एक दिन बाद अधिकारियों ने इस्लाम सहित कम से कम छह लोगों के -शेष पृष्ठ दो पर

देश में मजबूत नेता नहीं होगा तो हर शहर में पैदा होगा आफताब : सीएम हिमंत

अहमदाबाद। दिल्ली में 27 साल की श्रद्धा वालकर की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस बर्बर हत्याकांड के बारे में जिसने भी सुना वह दंग रह गया। अब इसकी गूंज गुजरात विधानसभा चुनाव में भी सुनाई दे रही है। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कच्छ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यदि देश में कोई मजबूत नेता नहीं होगा तो हर शहर में आफताब पैदा होगा। ऐसी स्थिति में हम अपने समाज की रक्षा नहीं कर पाएंगे। शर्मा ने कहा कि यह बहुत ही अवश्यक है कि नरेंद्र मोदी को 2024 में तीसरी बार फिर से पीएम बनाया जाए। उन्होंने श्रद्धा हत्या कांड को लव जिहाद बताया। कहा कि आफताब पूनावाला श्रद्धा को मुंबई से दिल्ली लेकर आया और लव जिहाद के नाम पर उसके 35 टुकड़े कर फ्रीज में रख दिया और बाद में इसे ठिकाने लगाने लगा। यही नहीं, इस दौरान वह एक अन्य महिला को घर लेकर आया और उसके साथ डेटिंग शुरू कर दी। इससे उसकी क्रूरता साबित हो जाती है। ऐसा काम कोई हैवान ही कर सकता है। असम के मुख्यमंत्री विश्व ने भी आगे कहा कि भाजपा मुस्लिम महिलाओं का सम्मान करती है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की प्रथा से मुक्ति मिली है। -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल के चेहरे में महात्मा गांधी दिखना चाहिए, सद्दाम हुसैन नहीं

कच्छ। राहुल गांधी पर ताजा तंज कसते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा विश्व ने कहा कि गांधी वंशज की छवि महात्मा गांधी या सरदार पटेल जैसी होनी चाहिए न कि पूर्व इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की तरह। चुनावी राज्य गुजरात में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस नेता को कैसा दिखना चाहिए। *भारत जोड़ो यात्रा* के बारे में बोलते हुए शर्मा ने कहा कि इसके बारे में उनकी कोई राय नहीं है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल जी, आपका चेहरा ऐसा होना चाहिए कि लोग महात्मा गांधी और सरदार पटेल को देख सकें, लेकिन ऐसा नहीं, जिसमें सद्दाम हुसैन दिखें। गुजरात रैली की बैठक में सीएम शर्मा ने यह भी कहा कि गुजरात के लोगों ने मोदी जी को राष्ट्रीय स्तर पर भेजकर भारत के लोगों पर बहुत बड़ा उपकार किया है। 2022 के गुजरात चुनाव में भाजपा की जीत का मतलब है कि मोदीजी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। असम के मुख्यमंत्री द्वारा हाल -शेष पृष्ठ दो पर

कामरूप न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुए सिसोदिया के वकील

कामरूप (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला मुख्यालय अमीनगांव के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के वकील शनिवार को पेश होने के लिए दिल्ली से यहां पहुंचे। दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के वकील हृषिकेश कुमार के नेतृत्व में वकीलों की तीन सदस्यीय टीम आज यहां पहुंची। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री एवं वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी ने पीपीई किट की कमी को दूर करने के लिए 1500 पीपीई किट मुफ्त प्रदान की थीं। इसको लेकर दिल्ली के वर्तमान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 4 जून, 2020 को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि कोरोना महामारी के दौरान असम के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री की पत्नी और बेटे ने अपने व्यापारिक भागीदारों को पीपीई किट की आपूर्ति की सुविधा प्रदान कर लाभ पहुंचाया था। आरोपों से इनकार करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कामरूप के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट -शेष पृष्ठ दो पर

तमिल विरासत को समृद्ध बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : पीएम

वाराणसी/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद राष्ट्रीय एकता की अनदेखी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि *काशी-तमिल संगमम* हमारी राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में मदद करने की प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि संगमम हमें *एक भारत श्रेष्ठ भारत* की दिशा में एक नई ताकत देगा। प्रधानमंत्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक महीने तक चलने वाले कार्यक्रम *काशी तमिल संगमम* का उद्घाटन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

इंदिरा गांधी ने देश पर एक अमिट छाप छोड़ी : सोनिया

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि इंदिरा गांधी ने हमारे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी कई उपलब्धियों के लिए उनकी सराहना और प्रशंसा की जाती है। यहां तक कि उनके आलोचक भी मानते हैं कि उनके व्यक्तित्व में एक अपरिवर्तनीय कोर था, जो परिभाषित करता था कि वह कौन थीं और उन्होंने क्या किया। इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया ने आज नई दिल्ली के -शेष पृष्ठ दो पर

फरमान : शादी में डीजे और आतिशबाजी कराई गई तो होगा बहिष्कार

नोएडा। राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के दादरी में उलेमाओं का अजीब फरमान सामने आया है। उलेमाओं ने आतिशबाजी को लेकर अहम फैसला लिया है। उन्होंने एलान किया है कि शादी में डीजे बजाने और आतिशबाजी करने वालों का बहिष्कार किया जाएगा, जो भी परिवार डीजे बजवाएगा और आतिशबाजी करेगा उसका भी बहिष्कार होगा। इसके अलावा कोई भी उलेमा निकाह में -शेष पृष्ठ दो पर

महरौली के जंगल में मिले शरीर के दो अंग

नई दिल्ली। श्रद्धा हत्याकांड की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने आरोपित आफताब अमीन पूनावाला और श्रद्धा वालकर के कपड़े आफताब के फ्लैट से बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। वहीं, पुलिस श्रद्धा के शव के टुकड़ों की खोज में जंगल और दिल्ली के अन्य हिस्सों में तलाशी अभियान भी चला रही है। इस मामले में पुलिस को शनिवार को कुछ सफलता हाथ लगी है। श्रद्धा के शरीर के टुकड़ों की तलाश में शनिवार को पुलिस ने महरौली के जंगम में फिर से अभियान चलाया। इस दौरान जंगल में जाने वाले -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह ने पाकिस्तान पर साधा निशाना, कहा-

कुछ देशों और उनकी एजेंसियों ने आतंकवाद को अपनी राष्ट्र नीति बनाया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद को सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के लिए आतंक एक गंभीर खतरा है। शाह तीसरे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन *नो मनी फॉर टेरर* के समापन सत्र में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सामना करने के लिए पूरे विश्व को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा। सम्मेलन के दौरान शाह ने कहा कि कोई भी देश अकेले आतंकवाद को नहीं हरा सकता है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

छात्र संघ चुनाव के दौरान पटना कॉलेज में बवाल-फायरिंग

पटना। बिहार की राजधानी पटना में लगातार दूसरे दिन फायरिंग हुई है। एक दिन पहले एक व्यवसायी को दिनदहाड़े गोली मारी गई। वहीं आज फायरिंग की घटना पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के दौरान सामने आई। शनिवार को छात्र संघ चुनाव को लेकर वोटिंग हो रही थी। दिन में दो बजे के करीब पटना कॉलेज में बवाल की खबरें सामने आई। बताया जा रहा कि छात्र संघ चुनाव के दौरान ही पटना कॉलेज में फायरिंग की गई। इस दौरान अफरातफरी का माहौल देखने को मिला। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत फिर से विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर : उपराष्ट्रपति

झुंझुनू (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को राजस्थान में झुंझुनू जिले के खेतड़ी से विवेकानंद संदेश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह संदेश यात्रा 50 दिन में पूरे प्रदेश में भ्रमण करेगी। खेतड़ी के पोलोग्राउंड खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद का भारत में विविध एकता का एक सपना था, जो आज साकार हो रहा है। देश के संस्कृति मंत्रालय की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत खेतड़ी से शुरू की जा रही विवेकानंद संदेश यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत पूरे विश्व में आज पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर दिखाएंगे। भारत आज अपने दम पर हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। किसी भी काम के लिए आज हमारा देश दूसरे देशों का मोहताज नहीं है। जिन लोगों ने इस देश पर राज किया, आज भारत उनको पछाड़कर बड़ी शक्ति बनने जा रहा है। भारत में लगातार हो रहे विकास की जबरदस्त यात्रा तेजी से चली जा रही है लेकिन कुछ लोग भ्रमित होकर बिना कुछ समझे अनर्गल बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान कोविड वैक्सीनेशन में हमारे देश ने बहुत मेहनत कर विदेशों को वैक्सीन दी और आज दुनिया के किसी भी मापदंड में भारत पीछे नहीं रहा है। इससे पूरी दुनिया आज भारत की सराहना कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत पूर्व समय में विश्व गुरु हुआ करता था। आज फिर से हम विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर हो रहे हैं। दुनिया का आज कोई ऐसा प्रतिष्ठान नहीं है, जिसमें कोई भारतीय बड़े पद पर नहीं हो। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद को शिकागो धर्म सम्मेलन में भेजने व विश्व में भारत की पहचान बनाने में राजा अजीत सिंह और खेतड़ी का बहुत योगदान रहा है। विवेकानंद संदेश यात्रा आमजन को नए विचारों के लिए प्रेरणा देगी। इससे पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ भारतीय वायुसेना के विमान से खेतड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया में आने वाली है प्रलय !

चीन में 12 दिनों से गोल-गोल चक्कर लगा रही भेड़ें

बीजिंग। चीन में भेड़ों के एक झुंड ने पूरी दुनिया के लिए खतरे का संकेत जारी किया है। पिछले दो सप्ताह से चीन में भेड़ों का एक झुंड लगातार गोल-गोल घूमे जा रहा है। हैरानी की बैत यह है कि भेड़ें इस दौरान रुक भी नहीं रही हैं। ये किसी जॉम्बी की तरह बस चले जा रही हैं। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि पेन नंबर 13 में रहने वाला झुंड लगभग दो सप्ताह से गोल-लोग चक्कर लगा रहा है। भेड़ों का यह वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है। इस खौफनाक फुटेज को देख कर कई लोग डरे हुए हैं। वह इसे *प्रलय का संकेत* मान रहे हैं। इन भेड़ों की मालकिन मिआओ ने कहा कि जानवरों का अजीबोगरीब व्यवहार कुछ भेड़ों से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे पूरा झुंड -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देश के 39 स्कूल स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को देश के 39 स्कूलों को शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार (एसवीपी) से सम्मानित किया गया। कुल 8.23 लाख प्रविष्टियों में से चुने गए स्कूल 28 सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल हैं जबकि 11 निजी स्कूल हैं। शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्कूलों को स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार (एसवीपी) 2021-22 प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. सरकार ने जिलों और राज्यों के सभी स्कूलों को पुरस्कार विजेता स्कूलों, जिलों और राज्यों के प्रदर्शन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए स्वच्छता के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित स्कूल स्वच्छता और स्वच्छता के मानक और रेटिंग को बनाए रख सकते हैं। पुरस्कार के तीसरे संस्करण यानी एसवीपी 2021-22 में पुरस्कारों के लिए पंजीकृत 9.59 लाख स्कूलों के साथ अभूतपूर्व भागीदारी देखी गई। यह संख्या एसवीपी 2017-18 में उस वर्ष के दौरान भाग लेने वाले स्कूलों (6.15 लाख स्कूलों) की संख्या से लगभग 1.5 गुना अधिक है। 9.59 लाख स्कूलों में से 8.23 लाख से अधिक स्कूलों ने एसवीपी 2021-22 के लिए अपने आवेदन जमा किए। जिला और राज्य स्तर पर 4,27,718 योग्य स्कूलों की मूल्यांकन प्रक्रिया की गई, जिनमें से 606 स्कूल राज्य व केंद्र शासित प्रदेश स्तर के पुरस्कारों के लिए राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए पात्र पाए गए। एसवीपी 2021-22 के लिए स्कूलों के चयन के लिए यूनिसेफ पार्टनर एजेंसी (एनईईआरएमएएन) द्वारा तीसरे पक्ष के मूल्यांकन के बाद राष्ट्रीय चयन समिति ने 10 अक्तूबर को आयोजित अपनी बैठक में एसवीपी 2021-2022 के लिए राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए 39 स्कूलों (समग्र श्रेणी में 34 और उप-श्रेणियों में 5) का चयन किया। चयनित 39 विद्यालयों में से 21 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों से तथा 18 विद्यालय शहरी क्षेत्रों से हैं। इसके अलावा, 28 स्कूल सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त हैं जबकि 11 निजी स्कूल हैं। सम्मानित स्कूलों में दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और एक नवोदय विद्यालय और तीन केंद्रीय विद्यालय भी शामिल हैं। 39 विद्यालयों में से 17 प्राथमिक हैं और 22 माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं। 34 विद्यालयों (समग्र श्रेणी में) को 60,000 रुपये और पुरस्कृत विद्यालयों को 20,000 रुपये (उप-श्रेणियों में) का नकद पुरस्कार दिया गया।

इग्नू ने मनाया 37वां स्थापना दिवस

नई दिल्ली (हि.स.)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शनिवार को अपना 37वां स्थापना दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत मैदान गढ़ी स्थित इग्नू मुख्यालय के मुख्य द्वार पर दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्कृति और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इग्नू को उसके 37वें स्थापना दिवस की बधाई दी। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंत्री ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया गया। मेघवाल ने भारतीय ज्ञान परंपराओं को बनाए रखने में इग्नू द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने उपाख्यानों के माध्यम से समझाया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए अभ्यास और अनुभव से सीखने पर निर्भर करती है।

राज्य में शांति और विकास के लिए चुनाव जरूरी : डॉ. फारूक अब्दुल्ला

अखनूर (हि.स.)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि राज्य में शांति और विकास के लिए जल्द से जल्द चुनाव करवाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय कहीं पर भी किसी की भी बात नहीं सुनी जाती है और आफिसरशाही पूरी तरह हावी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं दिया बल्कि अगले माह नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष के चुनाव हैं और हमारा कोई भी कार्यकता इसमें हिस्सा ले सकता है। वह अखनूर में मार्डन नोट बुक फैक्टरी का उद्घाटन करने के अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस राज्य के निर्माण में महाराजा गुलाब सिंह और जनरल जोरबर सिंह का अहम योगदान रहा है। उनके योगदान से ही हमारी सहरदें गिलगित और तिब्बत तक फैली थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में देश के विभाजन के बाद दो देश बनने के बाद जिया खान ने शेख साहब को पाक के साथ जाने के लिए कहा था, लेकिन तब हमने भारत के साथ ही राज्य जम्मू-कश्मीर को रखने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि जहां पर सभी लोगों ने कुबानियां दीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम सिर्फ एक जाति के नहीं बल्कि सारे विश्व के राम हैं। उन्होंने कहा कि इस समय बेरोजगारी, मंहगाई, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की जरूरत है और यह सिर्फ लोगों की चुनी हुई सरकार ही कर सकती है। इसलिए राज्य में जल्द जल्द चुनाव करवाना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग बार-बार नेहरू का नाम लेकर बदनाम करते हैं जबकि किसी के मरने के बाद उसकी अच्छाई को ही याद किया जाना चाहिए।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के दक्षिण इलाके के फकीरगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब समेत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर फकीरगंज के सेनापाड़ा बाजार में चलाए गए अभियान के दौरान मंटू दास नामक व्यक्ति के किराने की दुकान से 200 से अधिक अंग्रेजी शराब की बोतलें जब्त किया गया है। इस मामले में मंटू दास को गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान फकीरगंज थाना प्रभारी लोकमान अली के नेतृत्व में चलाया गया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है।

होजाई में सहारा इंडिया के कार्यकर्ताओं ने होजाई जिला अधिकारी को सौप ज्ञापन

होजाई (निसं)। होजाई जिला सहारा इंडिया के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त आल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले होजाई जिले के सभी कार्यकर्ता का एक दल प्रतिनिधि होजाई जिला अधिकारी सुमंत कुमार दास से मुलाकात कर सहारा इंडिया में जमाकर्ता तथा कार्यकर्ता एंजेंटो कि विभिन्न समस्याओं को लेकर जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के ओर से एक ज्ञापन पत्र सौंपा। ज्ञात हो कि ज्ञापन पत्र में असम के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से विषय कि गंभीरता को ध्यान में रख कर सहारा इंडिया में जमाकर्ता के ओर से जमा कि गई धनराशि को लेकर जल्द से जल्द समाधान करने का अनुरोध किया गया है वही होजाई जिला अधिकारी ने आल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के सभी लोगों को अस्वासन देते हुए कहा कि इस समस्या के समाधान के लिये तथा

जन-मानस कि हितों को ध्यान में रख कर होजाई जिला अधिकारी कार्यालय के ओर से असम सरकार के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को अवगत किया जायेगा। साथ ही सहारा इंडिया के कार्यकर्ताओं की जान-मलस कि सुरक्षा भी किया जायेगा। उक्त आल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के ओर से संगठन के सभापति प्रांतोस दास सचिव राधेश्याम गुप्ता, उपसभापति राज गुप्ता सहित सभी लोग उपस्थित रहे।

अरुण गोयल चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त नियुक्त

नई दिल्ली (हि.स.)। आईएएस अरुण गोयल को चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने अरुण गोयल, आईएएस (सेवानिवृत्त) (पीबी- 1985) को निर्वाचन आयोग में निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके द्वारा पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी। गोयल 31 दिसंबर 2022 को 60 साल की उम्र पूरी कर सेवानिवृत्त होने वाले थे लेकिन पहले ही उन्होंने अपने पद से 18 नवंबर यानी कल इस्तीफा दे दिया था। सुशील चंद्र इस साल मई में मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए थे जिसके बाद राजीव कुमार ने कार्यभार संभाला था।

हथकरघा उद्योग का चल चरखा नामक प्रदर्शनी रिहाबाड़ी मे आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। आचार्य श्री विद्द्यासागर महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद से हथकरघा द्वारा निर्मित सूती वस्त्रों की एक दिवसीय भव्य प्रदर्शनी गुवाहाटी के रिहाबाड़ी में बुंदेलखंड से करिश्मा दीदी व सहयोगी दीदी द्वारा आयोजन किया गया। रिहाबाड़ी क्षेत्र की महिलाओं व पुरूषों द्वारा हथकरघा द्वारा निर्मित वस्तुओं को बहुत पसंद किया गया व निज उपयोग के लिए शुद्ध वस्त्रों की खरीद की गई। इस प्रदर्शनी की सफलता उच्च क्वालिटी वस्त्र तथा अहिंसा महिला समिति की सदस्यो की कड़ी मेहनत व सहयोग का ही नतीजा है। श्री चन्द्रप्रभ दिगंबर जैन चैत्यालय ट्रस्ट, रिहाबाड़ी, गुवाहाटी इस प्रतिभास्थली की अनुपम पहल की सराहना की तथा इस तरह की प्रदर्शनी अन्य स्थानों पर लगा कर सभी को स्वदेशी अपनाओ की प्रेरणा देकर स्वदेशी वस्त्रों की खूबियों के बारे में जानकारी देने का सुझाव दिया।

पृष्ठ एक का शेष

अब लटकाने और ...

लिए उपयुक्त है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि हवाई अड्डा टर्मिनल एक आधुनिक इमारत है। यह ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधनों के रिसाइकल को बढ़ावा देती है। डोनी पोलो एयरपोर्ट अरुणाचल प्रदेश के लिए तीसरा परिचालन हवाई अड्डा होगा। इसके साथ ही देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुल हवाई अड्डों की संख्या को 16 हो जाएगी। 1947 से 2014 तक उत्तर-पूर्व में केवल नौ हवाई अड्डे बनाए गए थे। तब से आठ सालों की छोटी अवधि में मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में सात हवाई अड्डे बनाए हैं। पांच पूर्वोत्तर राज्यों अर्थात् मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के हवाई अड्डों ने 75 सालों में पहली बार उड़ानें शुरू की हैं। बयान में कहा गया है कि उत्तर-पूर्व में विमानों की आवाजाही में भी 2014 के बाद से 113 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। यह 2014 में 852 प्रति सप्ताह से बढ़कर 2022 में 1817 प्रति सप्ताह हो गई है। हवाई अड्डे का नाम अरुणाचल प्रदेश की परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सूर्य (डोनी) और चंद्रमा (पोलो) के प्रति इसकी सदियों पुरानी स्वदेशी श्रद्धा को दर्शाता है।

जांच के नाम पर ...

मकानों को उनके नीचे छिपाए गए हथियारों और नशीले पदार्थों की खोज के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था। न्यायमूर्ति छाया ने कहा कि किसी मकान पर बुलडोजर चलाने का प्रविधान किसी आपराधिक कानून में नहीं है। किसी के घर की तलाशी के लिए भी पहले अनुमति की आवश्यकता होती है। जस्टिस छाया ने कहा कि अगर जांच के नाम पर किसी के घर को गिराने की अनुमति दी जाती है तो कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। कोर्ट ने कहा कि मकानों पर इस तरह से बुलडोजर चलाने की घटनाएं फिल्मों में होती हैं, लेकिन उनमें भी पहले तलाशी वारंट दिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हैं। इस मामले पर अब अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।

देश में मजबूत नेता...

नरेंद्र मोदी ने जो काम किया, उसे शांति से पूरा किया। कश्मीर से धारा 370 हटाई, तीन तलाक की प्रथा को खत्म किया। सब कुछ सुचारु रूप से चला और कहीं कोई हंगामा नहीं हुआ। अब सब्र रखो, कॉमन सिविल कोड भी आ जाएगा और चार-चार शादियों से छुटकारा मिल जाएगा। मालूम हो कि राज्य में पहले चरण की वोटिंग 1 दिसंबर को होगी, जबकि दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को होगी। वहीं, दोनों चरणों की मतगणना 8 दिसंबर को होगी। पहले चरण की वोटिंग प्रक्रिया के लिए गजट नोटिफिकेशन 5 नवंबर को और दूसरे चरण की वोटिंग प्रक्रिया के लिए 10 नवंबर को जारी हुआ था। स्क्रूटनी पहले चरण के लिए 15 नवंबर को होगी, जबकि दूसरे चरण के लिए 18 नवंबर की तारीख तय है। नाम वापसी की अंतिम तारीख पहले चरण के लिए 17 नवंबर और दूसरे चरण के लिए 21 नवंबर निर्धारित की गई है। पिछले 24 साल से गुजरात की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है। यहां हर चुनाव भाजपा की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ही रही है। लेकिन, इस बार आम आदमी पार्टी की भी एंट्री हो गई है। इससे समीकरण बदलने के आसार भी हैं। पंजाब चुनाव जीतने के बाद आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पूरी ताकत लगा दी है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

राहुल के चेहरे में ...

ही में हुए हिमाचल प्रदेश चुनावों में उनकी अनुपस्थिति को लेकर राहुल गांधी का मजाक उड़ाने के एक दिन बाद यह बयान आया है। उन्होंने कहा कि गांधी इच्छुक नहीं थे। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कच्छ के अंजार जिले में कहा चुनाव गुजरात में है लेकिन वह (राहुल गांधी) दक्षिण में घूम रहे हैं। जब हिमाचल प्रदेश में चुनाव थे, तो वह केरल में थे... वह ड्रेसिंग रूम से बाहर नहीं आना चाहते क्योंकि वह खेलना नहीं चाहते हैं। कच्छ में उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी को भारत के इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने वीर सावरकर के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया, उससे उनकी विचारधारा का पता चलता है। वह राष्ट्र-विरोधी, हिंदू-विरोधी हैं। लोग इसका बदला लेंगे। गुजरात में अपनी पार्टी की शानदार जीत की उम्मीद जताते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था कि गुजरात विरोध करने वालों को नहीं, बल्कि विकास करने वालों को चुनता है। गुजरात भाजपा को ही चुनेगा।

कामरूप न्यायिक मजिस्ट्रेट ...

की अदालत में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री के खिलाफ केस दायर किया। इसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अपना प्रारंभिक बयान दर्ज कराने के लिए 5 अगस्त को कामरूप जिला के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुए थे। शिकायत के आधार पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को आज कामरूप के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री की ओर से आज उनके वकीलों की टीम कामरूप के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुई। वकीलों के मुताबिक इस तरह के एक छोटे से मामले में उप मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता द्वारा मुकदमा चलाने के लिए एक आवेदन दायर किया गया था और न्यायालय ने आज इस मामले की सुनवाई की। उधर, आगामी 3 दिसंबर को इस मामले में न्यायालय में सुनवाई होगी। सिसोदिया के अधिवक्ताओं ने बताया कि इस मामले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को असम की अदालत में हाजिर न होना पड़े, इसके लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक आवेदन दायर कर मामले की सुनवाई दिल्ली में चलाने के लिए मांग की गयी है।

तमिल विरासत को ...

किया। कार्यक्रम का उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का उत्सव मनाना, पुनः पुष्टि करना और फिर से खोज करना है। तमिलनाडु और काशी देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षा केंद्र हैं। तमिलनाडु से 2500 से अधिक प्रतिनिधि काशी आएंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने 13 भाषाओं में इसके अनुवाद के साथ एक पुस्तक तिरुक्कुरल का भी विमोचन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद वे आरती में भी शामिल हुए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एंफीथिएटर मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों ही *शिवमय* और *शक्तिमय* हैं। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु हमारी संस्कृति और सभ्यता के कालजयी केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत और तमिल दोनों सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक हैं जो अस्तित्व में हैं। काशी में, हमारे पास बाबा विश्वनाथ हैं, जबकि तमिलनाडु में हमारे पास भगवान रामेश्वरम का आशीर्वाद है। काशी और तमिलनाडु दोनों शिव में डूबे हुए हैं। प्रधानमंत्री ने काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि काशी जहां एक ओर भारत की सांस्कृतिक राजधानी है, वहीं तमिलनाडु और तमिल संस्कृति भारत की प्राचीनता और गौरव का केंद्र है। गंगा और यमुना नदियों के संगम की तुलना करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी-तमिल संगमम समान रूप से पवित्र है जो अपने आप में अनंत अवसरों और शक्ति को समाहित करता है।

महरौली के जंगल...

रास्तों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे और किसी को अंदर नहीं जाने दिया। इस दौरान पुलिस को दो हड्डियां मिली हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस को अभी तक श्रद्धा का सिर नहीं मिला है, जिसकी तलाश में रोजाना कई टीमें जंगल में अभियान चला रही हैं। जांच में पुलिस को पता चला है कि आफताब ने श्रद्धा के शव को काटने से पहले मानव शरीर रचना के बारे में इंटरनेट पर पढ़ा और कई वीडियो देखे। इसके बाद उसने सभी गूगल से सर्च हिस्ट्री भी डिलीट कर दी ताकि पुलिस को कोई सुबूत न मिल सकें। उसने फर्श पर लगे खून के धब्बों को केमिकल से साफ कर दिया। पुलिस ने श्रद्धा और आफताब के फ्लैट से बरामद किए सभी कपड़ों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। इनमें से ज्यादातर कपड़े आफताब के हैं। वहीं, पुलिस आफताब और श्रद्धा के उन कपड़ों को अभी तक बरामद नहीं कर पाई है, जो दोनों ने वारदात के समय पहने थे। पुलिस को आशंका है कि आरोपित ने श्रद्धा की हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए वे कपड़े जला दिए होंगे। दिल्ली पुलिस की क्राइम टीम और एफएसएल रोहिणी के विशेषज्ञों ने आफताब के फ्लैट की कई बार जांच की है और यहां से तमाम सुबूत जुटाए हैं। गौरतलब है कि आफताब पूनावाला ने 18 मई को अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए थे और एक-एक कर उन्हें ठिकाने लगा दिया। श्रद्धा के पिता की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया। दिल्ली पुलिस से संपर्क करने पर पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ। पुलिस की एक टीम शनिवार को गुरुग्राम स्थित आफताब के उस आफिस में भी पहुंची जहां वह काम करता था। अभी तक पुलिस को वह आरी नहीं मिली है, जिससे उसने श्रद्धा के शरीर के टुकड़े किए थे। पुलिस ने आरी खोजने के लिए मेटल डिटेक्टर का भी इस्तेमाल किया इसके बावजूद आरी का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, टीम आफिस में आफताब व श्रद्धा के कपड़ों की भी तलाश में पहुंची थी।

कुछ देशों और ...

समुदाय को आतंकवाद के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ना जारी रखना चाहिए। इस दौरान पाकिस्तान का नाम लिए बिना पड़ोसी देश पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कुछ देशों और उनकी एजेंसियों ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति बना लिया है। कुछ देश बार-बार आतंकवादियों और आतंकवाद को पनाह देने वालों का समर्थन करते रहे हैं। आतंकवाद की कोई अंतर्राष्ट्रीय सीमा नहीं होती, इसलिए सभी देशों को राजनीति से परे सोचना चाहिए और एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए। अमित शाह ने आतंकवाद को हराने के लिए विश्व समुदाय के बीच खुफिया जानकारी साझा करने में पारदर्शिता रखने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्रतिबद्धता पारदर्शिता के साथ सहयोग की होना चाहिए। सभी देशों, सभी संगठनों को बेहतर और प्रभावी तरीके से खुफिया जानकारी साझा करने में पूरी पारदर्शिता का संकल्प लेना चाहिए। युवाओं के बीच कट्टरता को बढ़ावा देने वाले एक संगठन के खिलाफ भारत द्वारा की गई कार्रवाई का हवाला देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हर देश को ऐसे संगठनों की पहचान करनी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें आतंकवाद और आतंकवादी समूहों के खिलाफ यह युद्ध हर क्षेत्र में लड़ना है। शाह ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने का दृष्टिकोण पांच स्तंभों पर आधारित होना चाहिए। जिसमें व्यापक निगरानी ढांचा, सभी खुफिया और जांच एजेंसियों के बीच सहयोग, समन्वय और सहयोग शामिल है। साथ ही ट्रेस, टार्गेट और टर्मिनेट की रणनीति भी अपनाई जानी चाहिए।

छात्र संघ चुनाव ...

पटना में फायरिंग की बात पुलिस ने भी स्वीकार की है। पटना टाउन डीएसपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि गोली चली है। जानकारी के मुताबिक, छात्र संघ चुनाव के अंतिम समय में चुनाव प्रभावित करने की कोशिश हुई। कहा जा रहा कि दो गुटों में झड़प हुई है। पटना कॉलेज में छात्र संघ चुनाव के दौरान ये हिंसा हुई है। पुलिस सूत्रों ने 5 राउंड गोली चलने की बात कही। मतदान स्थल के ठीक बाहर दो गुटों में झड़प हुई। इस दौरान अफरातफरी का माहौल हो गया। पुलिस अधिकारी तुरंत ही मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की। वहीं, पटना में फायरिंग की बात पुलिस ने भी स्वीकार की है। पटना टाउन डीएसपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि गोली चली है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अशोक राजपथ पर ये फायरिंग की गई है। असामाजिक तत्वों की ओर से गोलियां चलाई गई है। हालांकि, छात्र संघ चुनाव के दौरान ये फायरिंग नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर ये घटना हुई है। पटना टाउन डीएसपी से जब पूछा गया कि छात्र संघ चुनाव को लेकर भारी सुरक्षा के बीच फायरिंग कैसे हुई तो उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों का कोई भरोसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों ने अशोक राजपथ पर हवा में ये फायरिंग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले सुबह 8 बजे से पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव को लेकर वोटिंग हुई। दोपहर दो बजे वोटिंग प्रक्रिया संपन्न हो गई... शाम तक में रिजल्ट भी घोषित कर दिया जाएगा।

भारत फिर से विश्व ...

के नेहरू मैदान में पहुंचे। इस दौरान पुलिस के जवानों की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। क्षेत्रीय विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, पालिका चेयरमैन गीता सैनी, प्रधान मनीषा गुर्जर ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। सड़क मार्ग से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ खेतड़ी के अजीत विवेक संग्रहालय में पहुंचे। जहां पर उनका रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी आत्मानिष्ठानंद महाराज ने बुके भेंट कर स्वागत किया। उसके बाद उपराष्ट्रपति अपनी धर्मपत्नी के साथ अजीत विवेक म्यूजियम में बने भव्य स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी भी मौजूद रहे। स्वामी आत्मानिष्ठानंद महाराज ने उपराष्ट्रपति को पूरे म्यूजियम का भ्रमण कराया। जहां पर मैना बाई, स्वामी विवेकानंद को अपने भजन प्रभु जी मेरे अवगुण चित ना धरो के माध्यम से ज्ञान दिया, वह स्थल भी उपराष्ट्रपति ने देखा। खेतड़ी में होने वाले संदेश यात्रा के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़, ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी प्रमुख ए बालकृष्ण, रामकृष्ण मिशन सचिव आत्मनिष्ठानंद महाराज मंच पर उपस्थित रहे। यात्रा के संयोजक डॉ. स्वतंत्र शर्मा व अशोक सिंह शेखावत ने बताया कि खेतड़ी से शुरू होने वाली विवेकानंद संदेश यात्रा पूरे राजस्थान प्रदेश में भ्रमण करेगी। संदेश यात्रा 50 दिन में प्रदेश के 7 संभागों के 33 जिलों में 75 स्थानों पर भ्रमण करते हुए 7 जनवरी को जोधपुर पहुंचेगी। जहां भव्य यात्रा के समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

चीन में 12 दिनों ...

घूमने लगा। मिआओ के फार्म पर भेड़ों के 34 बाड़े हैं। लेकिन 13वें नंबर के बाड़े की भेड़ों का ही ये अजीबोगरीब व्यवहार देखने को मिला है। कुछ का मानना है कि यह भेड़ों का सामान्य व्यवहार है, लेकिन दूसरों को लगता है कि इन अजीबोगरीब हरकतों के पीछे कुछ और भी खतरनाक हो सकता है। सोशल मीडिया पर भेड़ों के घूमने का वीडियो जब आया तो कुछ लोग इसे कयामत के संकेत की तरह देखने लगे। एक यूजर ने इसे सर्वनाश की मंगोलियाई भेड़ के रूप में बताया। वहीं, दूसरे ने कहा कि अभी नहीं, सर्वनाश का रहस्य बचा है। यूजर ने कहा कि यहीं से नरक का गेट खुलेगा। कुछ ट्विटर यूजर ने लिखा कि भेड़ें लिस्टेरियोसिस नाम की जीवाणु रोग से पीड़ति हो सकती हैं, जो एक ऐसी बीमारी है जो इंसानों और जानवरों दोनों को ही प्रभावित करती हैं। ब्रिटेन के मोल केयर फार्म के डॉक्टरों का कहना है कि इस रोग से मस्तिष्क में सूजन आ जाती हैं। इसके कारण जानवर अजीबोगरीब हरकत करते हैं। कई बार जिस तरफ सूजन होती हैं, शरीर का वह हिस्सा लकावग्रस्त हो जाता है। चीन के स्टेट मीडिया पीपल्स डेली ने बताया कि भेड़ें पूरी तरह स्वस्थ हैं। हालांकि भेड़ों के व्यवहार के पीछे का कारण अभी भी रहस्य बना है। भेड़ों के गोल-गोल चक्कर लगाने का मामला पहले भी देखने को मिला है। ब्रिटेन के ससेक्स में पिछले साल एक तस्वीर आई थी, जिसमें दिख रहा था कि भेड़ें लगातार घूमे जा रही हैं। जब भी इस तरह भेड़ें घूमती हैं तो कुछ गोले के अंदर खड़ी रहती हैं। ससेक्स के क्रिस्टोफर हॉग ने कहा कि मैं अपने काम के लिए जा रहा था, तभी मैंने देखा कि पहाड़ी पर भेड़ चक्कर लगा रही हैं। हमेशा ये चिल्लाती रहती थीं, लेकिन इस दिन वह शांत थीं। दोनों ही मामलों में भेड़ों के व्यवहार का कारण अज्ञात है।

इंदिरा गांधी ने देश ...

जवाहर भवन में इंदिरा गांधी पुरस्कार समारोह को संबोधित किया। इस वर्ष का पुरस्कार शिक्षा से जुड़ी संस्था प्रथम को दिया गया है। सोनिया ने कहा कि प्रथम एक उल्लेखनीय संस्था है जिसने तीस साल से भी कम समय में शिक्षा क्षेत्र में अपना नाम बनाया है। हमें खुशी है कि डॉ रुक्मिणी बनर्जी द्वारा प्रथम की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया जा रहा है। उनके पास न केवल एक विशिष्ट शैक्षणिक करियर है, बल्कि 2015 से सीईओ के रूप में, इन परिणामों और नवाचारों को प्राप्त करने में एक अनुकरणीय नेतृत्व की भूमिका निभाई है।

फरमान : शादी में डीजे ...

शामिल नहीं होगा। डीजे बजाने वालों की पहचान कर जनाजे में भी शामिल नहीं होंगे। दरअसल, इससे पहले दादरी की नई आबादी से एक बारात जा रही थी, जिसमें डीजे बजनाया जा रहा था और आतिशबाजी हो रही थी। उसी दौरान डीजे और आतिशबाजी का विरोध दादरी के उलेमाओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उलेमाओं का कहना था कि इस्लाम में इस तरह की चीजें हराम मानी जाती है। जिसके बाद नोएडा स्थित दादरी के उलेमाओं ने इस संबंध जानकारी देते हुए अपने फैसला बताया।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

ज्ञान तो जीवन चक्षु है, ज्ञान पंथ परकाश।
ज्ञान तो योग अधार है, ज्ञान विना सब नाश॥ 23॥

शब्दार्थ : (जीवन चक्षु) जीवन की दृष्टि, जिसके द्वारा सभी कर्तव्य-पथ का दर्शन होता है।

भाष्य : ज्ञान द्वारा जीवन के सभी कर्त्तव्य-पथ दृष्टिगोचर होते हैं और प्राणी आगे जीवन का विकास करता है। ज्ञान ही मार्ग का प्रकाश है तथा ज्ञान ही योग का आधार है। ज्ञान बिना सभी कर्तव्य-पथ अंधकार में रहते हैं, जिससे मानव-जीवन नष्ट हो जाता है। ज्ञान ही जीवन की उन्नति का साधन है।

ज्ञन से तपसी तप करे, ज्ञान जपी का जाप।
ज्ञान से करमी ज्ञ कर, ज्ञान प्रायश्चित् पाप॥ 24॥

शब्दार्थ : (तपसी) कष्ट-कठिनाई को सहन करता हुआ लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ने वाला (प्रायश्चित्) पाप-क्षय, बुरे कर्म, अपराध को न करने का संकल्प, पश्चाताप (यज्ञ) हवन।

भाष्य : ज्ञान से तपस्वी कठिन परिश्रम करके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयत्न करता है। ज्ञान द्वारा ही जपी अपने मंत्र का जप करता है एवं ज्ञान से कर्मकांडी यज्ञ करता है तथा पापकर्म किया हुआ व्यक्ति प्रायश्चित करके आगे के जीन को पवित्र बनाने का संकल्प करना है।

प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

अगर केंद्र हग्रामा के साथ गठबंधन का फैसला करता है, तो कहने के लिए कुछ नहीं : भवेश कलिता

नलबाड़ी (हि.स.)। राजनीति के नाम पर धर्मांतरण अच्छी बात नहीं है। अगर केंद्रीय नेतृत्व बीपीएफ अध्यक्ष हग्रामा महिलारी के साथ गठबंधन करने का फैसला करता है तो मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है। शनिवार को नलबाड़ी में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने यह टिप्पणी की। नलबाड़ी में प्रदेश भाजपा की विशेष कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई थी। नलबाड़ी के बर आजारा स्थित बासंती खलार सांस्कृतिक प्रकल्प में दो बैठकें हुई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कलिता की अध्यक्षता में दोनों बैठकें हुई। प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों और कार्यालय पदाधिकारियों के बीच पहली बैठक के बाद प्रदेश नेतृत्व और जिला अध्यक्षों की मौजूदगी में एक और विशेष बैठक हुई। बैठक में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष कलिता ने हग्रामा के पत्र पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि राजनीति के नाम पर धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। इसी तरह, अगर केंद्रीय नेतृत्व हग्रामा के साथ गठबंधन पर फैसला करता है, तो प्रदेश भाजपा के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। बैठक में प्रदेश सांगठनिक महासचिव फणींद्र शर्मा, सांसद एवं सचिव पल्लब लोचन दास, सांसद एवं उपाध्यक्ष तपन गोगोई, मंत्री जयंत मल्लबरुवा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष शांतियास कुजूर, युवा मोर्चा के सचिव सिद्धांतकू अंकुश बरूवा,00 सांसद पवित्र मार्घेरिटा, पूर्व मंत्री नबा दलै, रेखा रानी दास बोड़ो, प्रवक्ता सुभाष दत्त, महिला मोर्चा की अध्यक्ष अंगुरलता डेका सहित अन्य प्रदेश स्तरीय नेता शामिल हुए। आज की बैठक में सभी जिलों के अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव और प्रस्तावित चुनावों पर चर्चा की गई।

पति के अत्यचार से पत्नी ने की आत्महत्या, पति को जेल

गुवाहाटी (हि.स.)। मालीगांव के गोटानगर इलाके के निवासी वी भास्कर राव की पत्नी रूपराज साहा (32) ने शनिवार को फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की सूचना सुनकर रूपराज के परिजन तेजपुर से मौके पर पहुंचे। पिता राजेंद्र साहा ने बताया कि शादी के बाद से पति वी भास्कर राव और रूपराज साहा मालीगांव के गोटानगर इलाके में प्रलोय मजूमदार के घर में रहने लगे। शादी के बाद से ही लड़की ने अपने पिता से शिकायत की है कि पति वी भास्कर राव शराब पीकर रोजाना उसका शारीरिक और मानसिक शोषण करता है। घटनास्थल पर एक सुसाइड नोट मिला। जहां रूपराज ने अपनी आपबीती लिखा है। गौशाला पुलिस चौकी की टीम ने पति वी भास्कर राव को गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हत्या थी या आत्महत्या।

सप्ताह में दो दिन चलेगी देश की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन विवेक एक्सप्रेस

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन 15906/15905 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी- डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस के फेरे साप्ताहिक से बढ़ाकर द्वि-साप्ताहिक करने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 15906 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) विवेक एक्सप्रेस, जो पहले केवल शनिवार को चलती थी, अब 22 नवंबर, 2022 से प्रत्येक मंगलवार को अतिरिक्त रूप से चलेगी। ट्रेन संख्या 15905 (कन्याकुमारी- डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस, जो पहले केवल गुरुवार को चलती थी, अब 27 नवंबर, 2022 से प्रत्येक रविवार को अतिरिक्त रूप से चलेगी। ट्रेन संख्या 15906 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) विवेक एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को डिब्रूगढ़ से 19:25 बजे रवाना होगी तथा मंगलवार और शुक्रवार को कन्याकुमारी 22:00 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 15905 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस कन्याकुमारी से प्रत्येक गुरुवार और रविवार को 17:20 बजे रवाना होगी तथा रविवार और बुधवार को डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन में 22 कोचों का संयोजन है। इसमें 01 एसी टू टीयर, 04 एसी थ्री टीयर, 11 स्लीपर क्लास, 03 जनरल सीटिंग, 01 पैंट्री कार और 02 पावर कम लगेज रेक होंगे। डिब्रूगढ़ ङ्क कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस भारतीय रेल की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम के डिब्रूगढ़ से भारत के दक्षिण राज्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक चलती है। ट्रेन 4189 किलोमीटर की दूरी तय करती है और भारत के नौ राज्यों से होकर गुजरती है। यह ट्रेन वर्तमान में दूरी और समय दोनों के हिसाब से भारत की सबसे लंबी ट्रेन रूट है। इस ट्रेन के मार्ग पर 59 स्टेशनों पर ठहराव है। विवेक एक्सप्रेस की पहली सेवा 19 नवंबर, 2011 को शुरू की गई थी। पिछले 11 वर्षों से यह ट्रेन लगातार लोगों को सेवा दे रही है। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय सारिणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और एनटीईएस पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचारपत्रों और पू. सी. रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की गई है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

ट्रक से टकराई कार, दो की मौत, एक घायल

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के डिगबोई इलाके में शनिवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया है कि सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक (एएस-06-एसी-9481) के पीछे तेज रफ्तार कार (एएस-06एम-5275) टकराने के बाद ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गई। हादसे में जादूमनी सेनसुआ और देवराज सोनवाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि देवाशीष पासनी को गंभीर अवस्था में डिगबोई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसे उन्नत चिकित्सा के लिए असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस सड़क दुर्घटना मारे गए दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हादसे में घायल और मृतक तीनों ऑयल इंडिया लि. के कर्मचारी बताये गये है। चाबुआ के रहमरिया ड्रिलिंग रीग से बीती रात की ड्यूटी पूरी कर अपने आवास की ओर तीनों कार से लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। बताया गया है कि ट्रक में खराबी आने के चलते बीती रात से ही वह सड़क के किनारे खड़ा था।

आग में तीन घर जलकर राख, लाखों का नुकसान

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के चापर थाना क्षेत्र में लगी आग के दौरान देखते ही देखते तीन घर जलकर राख हो गये। पुलिस ने शनिवार को बताया कि चापर इलाके के एक घर में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाए जाने तक तीन घर पूरी तरह जल गये। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। आग के दौरान कई पशुओं की भी जलकर मौत हो गई। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अभातेमम का उम्मीद एक बेहतर कल आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन निर्माण कार्यशाला के अंतर्गत उम्मीद एक बेहतर कल की का प्रथम चरण तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी ने आदर्श विद्यालय पान बाजार में किया। अध्यक्ष मंजू भंसाली ने नवकार महामंत्र का सेंगान बच्चों के साथ किया। विद्यालय की प्रिंसिपल वंदना बरवा वह मीनाक्षी दास का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। कोषाअध्यक्ष राजश्री दूगड़ वह कार्यकारिणी सदस्य गुलाब दूगड़ ने बच्चों को ईमानदारी के विषय पर बहुत रोचक कहानी सुनाई। सभी को ईमानदारी के पथ पर चलने की प्रेरणा दी बच्चों को जनरल नॉलेज संबंधित प्रश्न पूछे गए वह गिफ्ट भी दिए गए। दूसरे चरण में उपाध्यक्ष वह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुचित्रा छाजेड़ ने महाप्राण ध्वनि का 7 बार प्रयोग करवाया एवं उससे होने वाले लाभ बताएं इस कार्यशाला का बच्चों ने बहुत ही आनंद लिया। स्कूल में 300 बच्चे थे सभी को उपहार दिए गए। प्रिंसिपल ने इस कार्यशाला की बहुत ही प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम करने से बच्चों में संस्कार का निर्माण होता है। मंत्री सुशीला मालू ने महात्मा गांधी के बारे में बताया महात्मा गांधी शांति और अहिंसा के पुजारी थे उन्होंने जिस प्रकार सत्याग्रह शांति और अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए हमारे देश को आजाद करवाया और अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और जयघोष के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

लायंस, गुवाहाटी ग्रेटर का नि:शुल्क जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर की अध्यक्ष लायन बेला नाउका के नेतृत्व में आज दृष्टि कार्यक्रम के अंतर्गत चाबीपुल स्थित आर्यावर्त स्कूल के प्रान्गण में छात्रों के लिए एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया ढ्ढ गुवाहाटी लायन्स आई हॉस्पिटल के सहयोग से आज निशुल्क नेत्रजांच शिविर में 93 बच्चों की आंखों का परीक्षण किया गया, जिसमें से 6 बच्चों की आंखों की रोशनी कम पाई गई, उन्हें गुवाहाटी लायंस आई हॉस्पिटल में निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करायी जाएगी ढ्ढ आज के शिविर में तकनीशियन भावेश शर्मा एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के निर्मल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा ढ्ढ क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने बताया कि आज के शिविर में आर्यावर्त स्कूल के संस्थापक श्री विरेंद्र कुमार एवं स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री हरी हर राय के साथ ही क्लब के सदस्य लायन प्रेम अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों का भी भरपूर सहयोग रहा।

नगांव : लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

नगांव (निसं)। शहर के एतिहासिक नेहरु वाली में महावीर लाचित बरफुकन के 400वीं जयंती के वर्ष पूर्ति के मद्देनजर नगांव जिला प्रशासन द्वारा आज बालूका प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जो सप्ताह भर चलेगी। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ उद्घाटन नगांव जिला उपायुक्त नरेंद्र साह ने किया। उनके साथ जिला पुलिस अधीक्षक लीना दलै के साथ ही जिला प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। नगांव के चित्रकार पवन दास ने बालू में लाचित बरफुकन का चित्र तथा उनके वीरता का प्रतीक छवि अंकित कर चित्रकारी का एक अनोखा चित्र प्रस्तुत किया। इस चित्रकारी को उपस्थित लोगों ने सराहना की। भारी संख्या में लोगों ने बालूका प्रदर्शनी का आंनद लिया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त नरेंद्र साह ने कहा कि देश के इतिहास में लाचित बरफुकन की देश प्रेम की भावना स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है,जो वीरता के क्षेत्र में असम की एक अलग पहचान लाचित बरफुकन और अनेक देशप्रेमियों के कारण आज भी बनी हुई है। हमारी भावी युवा पीढ़ी लाचित बरफुकन की बीरगाथा को सदियों तक याद कर देश प्रेम की भावना को प्रगाढ़ करें। इसी उद्देश्य से बालुका प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी स्थल पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विजयी प्रतियोगी को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नगांव के जुरिया से पांच जुआरी गिरफ्तार

नागांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया के सतियान में जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। पुलिस कार्रवाई में पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जुआरियों के पास से 20,910 रुपये नकद जब्त किए। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि आज जुरिया पुलिस ने छापा मारकर जुए के बड़े अड्डे का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार जुआरियों की पहचान अब्दुल जलील, मैजुन इस्लाम, निजाम उद्दीन, नईमुद्दीन और अब्दुल इस्लाम के रूप में की गई है।

दस मवेशी समेत एक तस्कर गिरफ्तार, दो वाहन जब्त

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने 10 मवेशियों समेत एक वाहन को जब्त किया है। वहीं पुलिस ने मवेशी तस्कर की एक कार को भी जब्त किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जोराबाट पुलिस चौकी क्षेत्र के चौदह माइल इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान नगांव से मेघालय पशु बाजार तक मवेशियों को लेकर जा रहे जा रहे वाहन (एएस-01जीसी-6729) को जब्त किया गया है। जिसमें अवैध तरीके से 10 मवेशियों को तस्करी की जा रही थी। इस मामले में वाहन के चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं अभियान के दौरान पशु तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। जबकि, पुलिस ने पशु तस्कर की मारुति नेक्सा कार (एएस-01ईजेड-0355) को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चालक से पूछताछ कर रही है।

बरपेटा रोड में श्री राणी सती दादी का मंगल पाठ आयोजित

बरपेटा रोड (निसं)। श्री नारायणी प्राकट्य दिवस मिंगसर बदी नवमी को हर वर्ष की भांति भक्ति भावना से औत-प्रोत बरपेटा रोड स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में शानदार स्वरूप लिये तुलस्यान परिवार की कुलदेवी श्री रानी सती दादी का दरबार की आभा अवर्णित है। ममतामयी माँ जैसे अपने आंचल मै सभी भक्तो को समाहित किए साक्षात विराजित बैठी हो। धार्मिक अनुष्ठान का आरंभ हुआ ओमप्रकाश तुलस्यान द्वारा सपत्नीक दादी की विधी विधान के साथ पुजा अर्चना से। बरपेटा रोड वासी तुलस्यान परिवार द्वारा आहुत मंगलपाठ का शुभारंभ किया गुवाहाटी से पधारी सुप्रसिद्ध मंगलपाठ वाचक कलाकार ज्योती जाजोदिया अग्रवाल ने कथा अमृत बरसा कर तथा भजनों से सब में भावना जागृत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय श्री राणी सती समिति के सदस्यों, माता एवं बहनों के अलावा गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, धूबडी, मानकचर, डीब्रूगड़, दुधनैई के आमंत्रित अतिथियों ने मंगलपाठ में बढ चढ कर अंश ग्रहण किया। दादी जी को बड़े ही धुमधाम से चुनडी एवं गजरा अर्पण किया गया 7 मंगल पाठ के बाद आरती व प्रसाद का आयोजन भी किया गया। भक्ति भावना से भरी इस यादगार शाम के पुनरावर्ती का सभी बरपेटा रोड वासीयों को इन्तजार रहेगा।

जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच का दो दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत

गुवाहाटी (नसं)। जनजाति धर्म संस्कृति सुरक्षा मंच का दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन जनजाति धर्म सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष नव डेका बरुआ की अध्यक्षता में नारायण नगर स्थित हरियाणा भवन मे शुभारंभ हुआ। जिसमें असम के 28 जिलों से विभिन्न जनजातीय समुदायों से 354 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जिनमें 100 से भी अधिक महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। समारोह का शुभारंभ झंडोत्तोलन से हुआ। इस अवसर पर कल्याण आश्रम असम के सह संगठन मंत्री मंटू राम कोरम ने झंडोत्तोलन किया एवं जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय अध्यक्ष जलेश्वर ब्रह्म ने दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर कल्याण आश्रम असम के अध्यक्ष बोलो राम पेंग्सू, जनजाति सुरक्षा मंच के संगठन मंत्री सूर्य नारायण सूरी, जनजातीय सुरक्षा मंच के प्रवक्ता विनोद बसुमतारी, जनजाति सुरक्षा महिला मंच की प्रमुख चंपा बोरे उपस्थित थी। सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने मुख्य मांग के रूप में उन जनजाति और अनुसूचित जाति के सदस्य का नाम तालिका से हटने की मांग की जिन्होंने धर्मांतरण करके दूसरे धर्म को ग्रहण कर लिया है। क्योंकि 2ए अनुच्छेद की 342 की दो नंबर दफा में यह उल्लेख है कि अगर कोई व्यक्ति स्वयं की जनजाति ,धर्म के विश्वास को परित्याग कर क्रिश्चियन व इस्लाम धर्म को अपनाता है तो वह व्यक्ति अनुसूचित जनजाति सदस्य के हिसाब से नाम की सूची से निकल जाता है। इसके अलावा भी अनुसूचित जनजाति के लिए अन्य कई मांगे भी इस सम्मेलन में चर्चा की गई। रविवार को सम्मेलन के दूसरे दिन अनुसूचित जनजाति के उत्थान के लिए अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान माला आयोजित होगी। जिसमें समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर-पूर्व क्षेत्र से प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ उपस्थित होकर अपना संबोधन देंगे। उक्त जानकारी कल्याण आश्रम असम के संयुक्त मंत्री निरंजन दौले ने संवाददाताओं को दी।

मारवाड़ी समाज जिस प्रांत में रहता है उसकी संस्कृति में अपने आप को घोल लेता है : गोवर्धन गाडोदिया

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी सम्मेलन पूरे राष्ट्र में समाज की एक प्रतिनिधि संस्था है। यह कोई जातिगत संस्था नहीं है बल्कि सांस्कृतिक संस्था है। हमारा उद्देश्य है राजस्थान, हरियाणा के जितने भी बाशिंदे हैं, जो देश के किसी भी प्रांत में बसे हो उनके साथ एकता बनाए रखना। मारवाड़ी समाज के लोग जिस प्रांत में भी रहते हैं उस प्रांत की संस्कृति में अपने आप को समाहित कर अपने समाज के साथ-साथ उस प्रांत के कल्याण के लिए भी कार्य करता है। यह बातें अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने एक पत्रकार सम्मेलन में पत्रकारों से कही। गाड़ोदिया ने आगे कहा कि मारवाड़ी लड़कियां पहले पढ़ती नहीं थी, विधवा विवाह भी नहीं होता था तथा पर्दा प्रथा का प्रचलन था। इन समस्याओं को सम्मेलन के माध्यम से दूर किया गया। फिर भी अब कई नई समस्याएं पैदा हो रही है। जैसे घरों में बुजुर्गों का सम्मान घट रहा है, परिवार में विघटन हो रहा है, तलाक के मामले अधिक बढ़ रहे हैं तथा एक अत्याधिक खतरनाक प्रथा लिव इन रिलेशनशिप का प्रचलन भी समाज में शुरू हो चुका है। इन सभी समस्याओं पर सम्मेलन का ध्यान गया है। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने कहा कि 1935 में स्थापित सम्मेलन 86 साल से निरंतर समाज सेवा में अग्रसर हो रहा है। इससे यह प्रमाणित हो रहा है कि इसकी जड़ काफी मजबूत है। हमारी जड़ हमारी प्रांतीय इकाइयां है एवं प्रांतीय इकाइयों की जड़ शाखायें है। हमारा मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित करना है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ श्यामसुंदर हरलालका ने कहा कि सम्मेलन में समाज सुधार एक बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। इसलिए गत 85 वर्षों में काफी समाज सुधार हुआ है। फिर भी नई नई समस्याएं पैदा होती रहती है।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन गोयनका ने कहा कि सम्मेलन समय-समय पर प्रतिभाओं को सम्मानित करता रहता है। जिससे दूसरे लोगों को प्रोत्साहन मिलता है। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने भी पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन की वजह से ही हमारा समाज संगठित, शिक्षित और संस्कारित हो रहा है और एकजुटता समाज में आ रही है। सम्मेलन के कारण ही हमारा समाज राष्ट्र की उन्नति और प्रगति में सहभागिता कर रहा है। पत्रकार सम्मेलन में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री अशोक अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान पूर्वोत्तर प्रदेशीय प्रांतीय सलाहकार कैलाश काबरा, सम्मेलन कामरूप शाखा के मंत्री दिनेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

सत्येंद्र जैन की बीमारी का मजाक बनाकर घटिया राजनीति कर रही है भाजपा: सिसोदिया

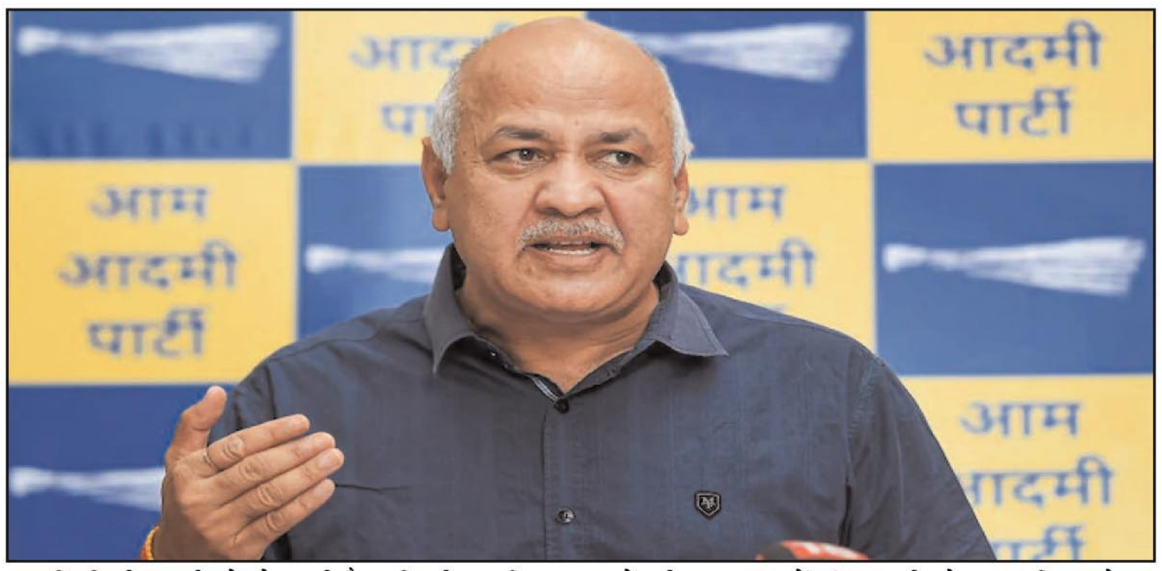

नई दिल्ली, (हि.स.)। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की मसाज का वीडियो वायरल होने के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को कहा कि भाजपा घटिया राजनीति पर उतर आई है। किसी की बीमारी का मजाक बना रही है। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के इस तरह से मनोहर कहानियां बनाने से सत्येंद्र जैन को मंत्री पद से नहीं हटाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि देश में कोई भी बीमार हो सकता है। देश के प्रधानमंत्री भी बीमार हो सकते हैं। इस तरह की घटिया हरकत करना, इलाज के वीडियो जारी करने की घटिया हरकत भाजपा ही कर सकती है। प्रधानमंत्री से लेकर जेल में बंद कोई भी व्यक्ति बीमार हो सकता है। सत्येंद्र जैन छह महीने से जेल में बंद हैं। सत्येंद्र जैन जेल में बंद हैं, उन्हें गिरने से चोट लगी है। उनकी रीढ़ की हड्डी एल-5 एस-1 डिस्क में चोट है। यह रिकॉर्ड में है कि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट है। उनकी नर्व पिंच हो गई है। अस्पताल में दो सर्जरी भी हुई है। नर्व ब्लॉक डाले गए हैं। साथ में डॉक्टर ने फिजियोथेरेपी के लिए कहा है। रेग्यूलर फिजियोथेरेपी की जरूरत है। सिसोदिया ने कहा कि किसी आदमी को चोट लगी है, डॉक्टर इलाज करते हैं, तो रेग्यूलर फिजियोथेरेपी करते हैं, तो उसका मजाक बनाने में भाजपा को शर्म नहीं आती है। एक तो जेल में डाल रखा है। इलाज के वीडियो जारी कर मजाक बना रहे हो। मनीष सिसोदिया ने कहा, "इससे बुरी सोच नहीं हो सकती। भाजपा गुजरात में और दिल्ली नगर निगम चुनाव में बुरी तरह हार रही है। इसलिए इस तरह की घटियापन पर उतर आई है।

यह कोई और नहीं कर सकता। सारी ताकत और सारे पदों का दुरुपयोग कर जेल में डालते हैं। ये कोई लग्जरी है क्या? किसी भी बीमार आदमी को जरूरत पड़ सकती है। कानून में जेल में बंद आदमी को इलाज दिए जाने का प्रावधान है। किसी भी जेल का सीसीटीवी फुटेज निकलवा लीजिए, वहां भी मरीज को इसी तरह की थैरेपी दी जा रही होगी। कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिया था कि ये वीडियो रिलीज नहीं किया जाए। फिर भी कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया गया. इस पर अलग से कार्रवाई करेंगे।"

धमकी भरा पत्र मिलने के बाद इंदौर में राहुल गांधी का कार्यक्रम स्थल बदला

इंदौर, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद उनकी भारत जोड़ो यात्रा के इंदौर में होने वाले कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब यात्रा के दौरान राहुल गांधी वैष्णव कॉलेज परिसर में रात्रि विश्राम करेंगे। पहले रात्रि विश्राम खालसा कॉलेज परिसर में करने वाले थे। वहीं, प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है और सरकार इसको लेकर प्रतिबद्ध है। कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर से महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में प्रवेश करेगी और अगले दिन 24 नवंबर को यह यात्रा इंदौर पहुंचेगी। इसके बाद इंदौर से होते हुए यात्रा उज्जैन जाएगी। पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, राहुल गांधी रात्रि विश्राम खालसा कॉलेज में करने वाले थे। कॉलेज के बड़े मैदान में ठहरने की तैयारियां भी प्रारंभ हो गई थीं। मगर अब यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए रात्रि विश्राम खालसा कॉलेज के सामने स्थित वैष्णव कॉलेज परिसर में होगा। कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजेश चौकसे ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खालसा कॉलेज परिसर में अब सांस्कृतिक गतिविधियां और अन्य कार्यक्रम होंगे। खालसा कॉलेज में रात्रि विश्राम की तैयारियां और अन्य कार्यक्रम एक साथ करने में स्थान की समस्या सामने आ रही थी, इसलिए जगह बदली गई है। वहीं, राहुल गांधी को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सुरक्षा चूक जैसी बात आ कहां से रही है। इंदौर के जिस खालसा कॉलेज में राहुल गांधी का कार्यक्रम तय किया गया।

दस दिन पहले स्थिति बिगाड़ने के लिए वहां कौन गया था। क्यों उनके जख्मों को हरा किया गया। सिख संगत में जाकर इस तरह के वातावरण का निर्माण क्यों किया। कमलनाथ ने ऐसा क्यों किया, यह भी राहुल गांधी को सोचना चाहिए। छिंदवाड़ा जाकर मंदिर और मूर्ति बनवाई, फिर टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हर जगह जाकर वे इस तरह आवेश की स्थिति क्यों पैदा कर रहे हैं। मुझे तो लगता है कि कमलनाथ नहीं चाहते हैं कि मध्य प्रदेश में राहुल गांधी की यात्रा हो, इसलिए बार-बार सुरक्षा की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है और सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। भारत जोड़ो यात्रा के मध्य प्रदेश में शुरू होने से पहले शुक्रवार को इंदौर में एक पत्र मिला था। इसमें राहुल की यात्रा के दौरान इंदौर में बम विस्फोट करने और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को गोली मारने की धमकी दी गई थी। इस मामले में मध्य प्रदेश की पुलिस ने पंजाब के करनाल से एक युवक को हिरासत में लिया है। जिस कागज पर हाथ से धमकी भरे शब्द लिखे हैं, उसमें एक युवक की तस्वीर लगी है। उस पर अमनदीप सिंह (25) पुत्र ज्ञान सिंह निवासी मकान नंबर 52 ब्लाक नंबर एक नर्सिंग करनाल छपा है। यह युवक करनाल के नर्सिंग का है और टैक्सी चलाता है। करनाल के एसपी गंगाराम पूनिया का कहना है कि किसी व्यक्ति का पहचान पत्र प्राप्त हुआ है। जांच कर रहे हैं।

नेपाल में आम चुनाव से पहले 8,000 फर्जी मतपत्र, 2.72 लाख रुपये बरामद, दो हिरासत में

मोतिहारी (बिहार), (हि.स.)। नेपाल पुलिस ने 20 नवंबर को नेपाल में होने वाले आम चुनाव से पहले एक कार से 8,000 फर्जी मतपत्र और दो लाख 72 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। इस संबंध में कार चालक समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसकी पुष्टि नेपाल के पर्सा जिला (वीरगंज) के एसपी रमेश बस्नेत ने की है। वीरगंज के एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि नेपाल प्रहरी एवं नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स ने वीरगंज के बस पार्क एरिया में संदेह के आधार पर कार को रोककर तलाशी ली। इस दौरान यह बरामदगी की गई। साथ ही स्वास्तिक चिह्न (मतपत्र पर लगाने वाली मोहर) भी बरामद हुई है। हिरासत में लिया गया कार चालक अमीरी राऊत कलैया उप महा नगर पालिका के वार्ड-18 का रहने वाला है। कार सवार राजन सिंह निवासी वार्ड-16 इनर्वा, बीरगंज महा नगर पालिका को भी हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों जानकी टोला बॉर्डर पर एक कार से 15 हजार फर्जी मतपत्र बरामद किए गए थे। इन मतपत्रों के साथ दबोचे गए व्यक्ति की पहचान बिहार के पश्चिमी चंपारण के नरकटिया ग्राम पंचायत वार्ड 14 निवासी इजाजत अहमद (40) के रूप में हुई थी।

सोनिया और खड़गे ने इंदिरा गांधी को किया याद

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर शनिवार को याद किया। दोनों ने शक्ति स्थल पर पहुंचकर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। खड़गे ने कहा कि आजीवन संघर्ष, साहस व कुशल नेतृत्व की मिसाल, भारत की "लौह महिला", इंदिरा गांधी की जयंती पर वह उन्हें नमन करते हैं। भारत की एकता व अखंडता को संजोए रखने के लिए इंदिरा गांधी ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। राष्ट्र को समर्पित उनकी राजनीतिक दृढ़ता को भारतवासी हर पल याद करते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शक्ति स्थल पहुंचकर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चार पूर्व मंत्रियों को मिली एक्स श्रेणी की सुरक्षा

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब सरकार ने सीआईडी इनपुट के बाद शनिवार को राज्य के चार पूर्व मंत्रियों को एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। चारों नेता कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे हैं। वर्तमान में यह चारों नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पंजाब पुलिस पिछले कई दिनों से वीआईपी तथा वीवीआईपी श्रेणी के लोगों की सुरक्षा का रिव्यू कर रही है। पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे बलबीर सिंह सिद्धू, गुरप्रीत सिंह कांगड़, जगदीप सिंह नकई तथा पूर्व विधायक अमरजीत सिंह टिक्का की सिक्योरिटी का रिव्यू किया गया है। आईबी ने पंजाब के इन नेताओं पर हमला होने की आशंका जताई है। इसे देखते हुए गृह मंत्रालय ने पंजाब पुलिस को उक्त नेताओं की सिक्योरिटी का रिव्यू करने के निर्देश जारी किए। जिसके बाद शनिवार सुबह सभी नेताओं को सिक्योरिटी कवर प्रदान किया गया।

सूरत में भाजपा की पूर्व पार्षद व कमेटी चेयरमैन सुधा नाहटा ने छोड़ी पार्टी

अहमदाबाद, (हि.स.)। सूरत महानगर पालिका की पूर्व पार्षद और ड्रेनेज कमेटी की चेयरमैन सुधा नाहटा ने भाजपा से इस्तीफा देते हुए आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। आम आदमी पार्टी ने उन्हें मजूरा विधानसभा सीट पर चुनाव संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। आम आदमी पार्टी ने यहां से भाजपा के ही पूर्व शहर उपाध्यक्ष व पार्षद पीवीएस शरमा को टिकट दिया है। चुनावी माहौल में भाजपा को सूरत शहर में झटका लगा है। पार्टी की महिला विंग की सक्रिय कार्यकर्ता सुधा नाहटा ने भाजपा का केसरिया खेस उतार कर आम आदमी पार्टी का पट्टा धारण किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया की मौजूदगी में उन्होंने आम आदमी पार्टी में नई जिम्मेदारी ग्रहण की। नाहटा वर्ष 2015 से 2020 तक सूरत महानगर पालिका में पार्षद और ड्रेनेज कमेटी की चेयरमैन रही। मूल राजस्थानी समाज की नाहटा प्रवासी हिंदीभाषियों के बीच अच्छी पकड़ रखती हैं। बताया जाता है कि करीब 2 साल से वे पार्टी की गतिविधियों से अलग-थलग हो गई थीं। हालांकि कई बार विधानसभा के टिकट के लिए भी उनके नाम की चर्चा होती रही लेकिन बार-बार उपेक्षा को देखते हुए उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय किया। सुधा ने बताया कि भाजपा के अंदर कुछ समय से व्यक्तिवाद और गुटबाजी देखकर उन्होंने अपनी सक्रियता कम कर दी थी। समाज के बीच काम की ललक होने से वे अलग प्लेटफार्म की तलाश में थीं, आम आदमी पार्टी के रूप में उन्हें नया प्लेटफार्म मिला है।

श्रद्धा मर्डर केस पर पहली बार बोले सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। श्रद्धा मर्डर केस में पुलिस की छानबीन जारी है और वह जल्द ही आरोपी आफताब का नार्को टेस्ट भी करेगी। इस मामले को लेकर राजनेताओं की भी अलग-अलग तरह के बयान सामने आ रहे हैं, इसी बीच दिल्ली दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल का भी बयान सामने आया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने श्रद्धा मर्डर केस पर बयान देते हुए कहा कि यह बहुत ही दर्दनाक है और इसे समाज में बर्दाशत नहीं किया जा सकता है।अरविंद केजरीवाल से पूछा गया कि दिल्ली में इस दिन एक मर्डर कैस की काफी चर्चा है। श्रद्धा मर्डर केस के इस सवाल पर बयान देते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में श्रद्धा के साथ जो हुआ, बहुत ही ज्यादा दर्दनाक है। उस गुनहगार को तो ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि भविष्य में ऐसा करने से पहले किसी की भी रूह कांप उठे। हमारे समाज में ये बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बता दें कि श्रद्धा मर्डर केस में आरोपी आफताब लगातार पुलिस टीम को गुमराह कर रहा और बार-बार अपने बयान बदल रहा है। अब इस हत्याकांड का सच सामने लाने के लिए आरोपी आफताब का अगले हफ्ते नार्को टेस्ट किया जा सकता है। श्रद्धा हत्याकांड को लेकर साकेत कोर्ट ने रोहिणी एफएसएल को 5 दिन के अंदर आफताब का नार्को टेस्ट करने का आदेश दिया है। पुलिस ने श्रद्धा के बॉडी पार्ट्स भी बरामद कर लिए हैं, हालांकि शव की टूटी हुई हड्डियों से ये पक्का नहीं कि वो शव श्रद्धा का ही हैं। इसलिए पुलिस इनकी डीएनए जीनोम टेस्टिंग कराएगी।

टिकट कांड में फंसे आप विधायक राजेश गुप्ता से एसीबी ने की सात घंटे पूछताछ

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली नगर निगम चुनाव में टिकट दिलाने की एवज में लाखों रुपये लेने के आरोप में घिरे आम आदमी पार्टी (आप) के वजीरपुर से विधायक राजेश गुप्ता से भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने सात घंटे लंबी पूछताछ की। विधायक से लिखित तौर पर 60 से 70 सवाल किए गए। विधायक ने शिकायतकर्ता के घर जाने की बात स्वीकार की है, लेकिन पैसे लेने की कोई बात से इन्कार किया। विधायक के कई सवालों के जवाब से एसीबी अधिकारी संतुष्ट नहीं हैं। अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर आगे भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। बृहस्पतिवार को शाखा ने मॉडल टाउन के विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी से 10 घंटे पूछताछ की थी। एसीबी सूत्रों का कहना है कि विधायक ने दो लोगों के साथ शिकायतकर्ता गोपाल खारी के घर जाने की बात स्वीकार की है। लेकिन उसने बताया कि पैसे लेने की कोई बात नहीं है। उसने शिकायतकर्ता के आरोप को निराधार बताया।उन्होंने कहा कि गोपाल खारी जानबूझकर उसपर आरोप लगा रहा है। जिससे वह काफी आहत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गोपाल खारी विवादित प्रॉपर्टी का काम करता है। एसीबी अधिकारी कई सवालों के जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे।

बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है एनसीआर की हवा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत में लगातार पराली जलने का दौर जारी है। इस वजह से बीते 24 घंटे में दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों की हवा खराब श्रेणी के उच्चतम स्तर में दर्ज की गई है। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 289 और गुरुग्राम का एक्यूआई 264 रहा। वायु मानक एजेंसियों का पूवार्नुमान है कि पराली के धुएं की हिस्सेदारी बढ़ने के साथ अगले 24 घंटे में हवा की सेहत बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। अगले दो दिनों तक हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बने रहने का पूवार्नुमान है। केंद्र की वायु मानक संस्था बीते 24 घंटे में उत्तर भारत में पराली जलने से दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण में 11 फीसदी हिस्सेदारी रही। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुताबिक, पंजाब में 701 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। हरियाणा में 108, उत्तर प्रदेश में 66, मध्य प्रदेश में 524 व राजस्थान में 55 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। वहीं, दिल्ली में एक भी स्थान पर पराली की घटना दर्ज नहीं की गई। वहीं, पीएम 2.5 से छोटे कणों की पीएम 10 में 56 फीसदी हिस्सेदारी रही। पीएम 10 का स्तर 219 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर व पीएम 2.5 का स्तर 123 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर रिकॉर्ड किया गया। सफर का पूवार्नुमान है कि अगले तीन दिनों तक हवा की रफ्तार आठ से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा तक बनी रह सकती है।

उ. भारत में साफ हुआ मौसम, दक्षिण के राज्यों के लिए वर्षा का अलर्ट, पहाड़ों पर जारी रहेगी बर्फबारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में मौसम एक बार फिर साफ हो गया है। दक्षिण भारत के कई राज्यों के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, हिमाचल और उत्तराखंड समेत ऊंचे पहाड़ी वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर जारी रहने का पूवार्नुमान जताया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी की वजह से उत्तर भारतीय राज्यों में सर्दी बढ़ गई है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार की सुबह 'बेहद खराब' श्रेणी के निचले स्तर पर दर्ज की गई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएएफएआर) के अनुसार औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज की गई है। शुक्रवार शाम एक्यूआई 295 पर रिकॉर्ड किया गया था। दिल्ली में शनिवार को तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है। दिल्ली में कई जगहों पर सुबह हल्की कोहरा देखा गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम बदलने से पहाड़ के ऊंचाई वाले इलाकों में शीतलहर चल रही है। उत्तराखंड के केदारनाथ समेत ऊंची चोटियों पर बर्फबारी होने से तापमान में गिरावट आई है। मौसम में आए बदलाव से लोग पहाड़ से लेकर मैदान तक शीतलहर की चपेट में है। दक्षिण भारत के मौसम की बात करें तो तमिलनाडु समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट है। कुछ दिनों के ब्रेक के बाद चेन्नई और इसके आसपास के क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। रविवार से फिर से शुरू होने वाली हल्की बारिश के तेज होने की संभावना है। यह लगभग पूरे सप्ताह तक बनी रह सकती है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान में कहा गया है कि 21 और 22 नवंबर को चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम और तिरुवल्लुर में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने हो सकती है। अन्य उत्तरी जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश होने की संभावना इसलिए है क्योंकि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर एक कम दबाव पश्चिम-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 48 घंटों में बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में एक अवसाद में बदल जाएगा। इसे उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और बंगाल को पार करने की उम्मीद है। अगले तीन दिन उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र के बीच तट पर यह एक्टिव रहेगा। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु के कई जगहों पर शाम से ही दिन में बादल छाए हुए हैं। अगले कुछ दिनों में कई जगहों पर बारिश होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर से चेन्नई शहर में सामान्य 534.7 मिमी की तुलना में 652.0 मिमी बारिश हुई है। यह इस सीजन के लिए 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को शहर में 8.6 मिमी बारिश हुई है।

पूर्वी भारत से पश्चिम तक सिंगापुर के विमानों ने कई फॉर्मेशन में उड़ान भरी

- भारत और सिंगापुर की वायु सेनाओं के बीच कलाईकुंडा में खत्म हुआ हवाई सैन्य प्रशिक्षण

- अभ्यास में द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग आगे बढ़ाने के कई महत्वपूर्ण सबक सीखे

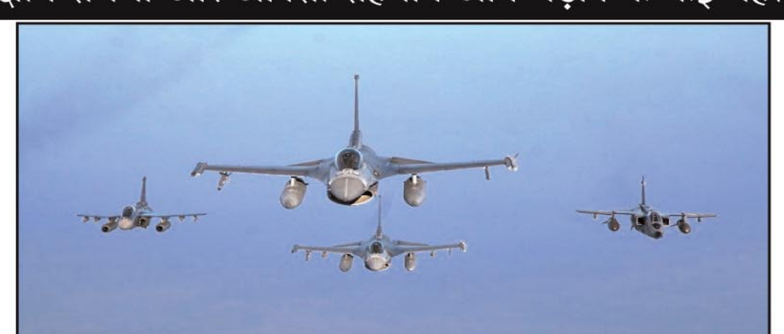

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और सिंगापुर की वायु सेनाओं ने सिम्युलेटेड जटिल परिदृश्यों में संचालन करते हुए द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने के कई महत्वपूर्ण सबक सीखे। दोनों वायु सेनाओं के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण (जेएमटी) का 11वां संस्करण वायु सेना स्टेशन, कलाईकुंडा में खत्म हो गया। इस दौरान पूर्वी भारत से पश्चिम तक सिंगापुर के विमानों ने कई फॉर्मेशन में भारत के लड़ाकू विमानों के साथ उड़ान भरी। संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण (जेएमटी) का पिछला संस्करण पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा वायु सैनिक अड्डे पर 31 अक्टूबर से 12 दिसंबर 2019 तक हुआ था। कोरोना महामारी के कारण भारतीय वायु सेना और रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स (आरएसएएफ) के बीच दो वर्षों से संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण नहीं हो सका था। दोनों वायु सेनाओं ने दो साल के बाद इस प्रशिक्षण को फिर से शुरू किया है। जेएमटी अभ्यास का द्विपक्षीय चरण 09 से 18 नवंबर तक चला, जिसमें दोनों वायु सेनाएं उन्नत वायु युद्ध सिमुलेशन में संलग्न हुईं। इस अभ्यास ने दो वायु सेनाओं के बीच पेशेवर बंधन को मजबूत करते हुए भाग लेने वाले दल को मूल्यवान परिचालन ज्ञान, अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने का अवसर प्रदान किया। दो साल बाद शुरू हुए प्रशिक्षण में सिंगापुर की रॉयल वायु सेना एफ-16 विमान के साथ भाग लेने भारत आई। रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयरफोर्स ने प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान विभिन्न हवाई मिशनों में हिस्सा लेकर भारत के साथ हवाई युद्ध लड़ने के तौर-तरीके सीखे। भारतीय वायु सेना ने सुखोई-30 एमकेआई, जगुआर, मिग-29 और एलसीए तेजस विमानों के साथ इस अभ्यास में हिस्सा लिया। जेएमटी ने दोनों वायु सेनाओं के सदस्यों को अपने संचालन कौशल और प्रशिक्षण को बढ़ाने का मौका दिया। इसमें वायु युद्ध और मिशन केंद्रित प्रशिक्षण भी शामिल थे। यह अभ्यास रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को रेखांकित करता है।

काशी तमिल संगमम' में भाग लेने पहुंचे तमिलनाडु के छात्रों का जोरदार स्वागत

—कैंट स्टेशन पर खुद केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अगवानी की, प्रधानमंत्री से संवाद के लिए युवा उत्साहित

वाराणसी, (हि.स.)। 'काशी तमिल संगमम' में भाग लेने के लिए शुक्रवार देर रात शहर में आये तमिलनाडु के मेधावी छात्रों और प्रतिनिधियों का कैंट स्टेशन पर जोरदार वणक्कम (स्वागत) किया गया। खुद केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने युवाओं और अतिथियों की स्टेशन पर अगवानी की। केन्द्रीय मंत्री के शालीन और सहज व्यवहार को देख युवा उनके साथ सेल्फी भी लेते रहे। संगमम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे पहले जत्थे के ट्रेन से उतरते ही अतिथियों का वणक्कम (स्वागत) काशी की परंपरा के अनुसार ढोल नगाड़े, मंत्रोच्चार और फूल–माला के साथ हुआ। स्वागत से अभिभूत सभी प्रतिनिधियों के चेहरे आधी रात में खुशी से खिले हुए नजर आ रहे थे। रामेश्वरम से चलकर बनारस पहुंची इस ट्रेन को 17 नवंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डा. एल मुरुगन द्वारा चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर बनारस के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। बनारस आये युवा प्रधानमंत्री से संवाद के लिए बेहद उत्साहित दिखे।

बताते चलें उत्तर और दक्षिण की संस्कृति को एकाकार करने के लिए आयोजित काशी-तमिल संगमम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपरान्ह में बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान पर करेंगे। इस दौरान वह डेढ़ घंटे तक पंडालों का अवलोकन करेंगे और तमिलनाडु से आए अधीनम, विद्यार्थियों और कलाकारों से भी रूबरू होंगे। संगमम में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी अपरान्ह में बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर से बीएचयू हेलीपैड तक जाएंगे। समारोह में प्रधानमंत्री काशी से तमिलनाडु के अटूट रिश्तों पर आयोजित प्रदर्शनी व मेले का भी शुभारंभ करेंगे।

बीएचयू परिसर में मिनी तमिलनाडु का नजारा – काशी तमिल संगमम को लेकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर स्थित एंफीथिएटर मैदान में मिनी तमिलनाडु का नजारा है। तमिलनाडु के मेहमानों को काशी और तमिल संस्कृति के अनुसार स्वागत करने की तैयारियां हैं।

पंडाल में पहले चक्र में वीआईपी, दूसरे में प्रदेशों से आए मेहमान और तीसरे चक्र में काशीवासी व अन्य लोग बैठेंगे। पंडाल के किनारे छोटे-छोटे स्टॉल भी लगाए गए हैं। इन स्टालों पर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के प्रमुख उत्पाद और खाद्य सामग्रियों की दुकानें लगाई जाएंगी। साथ ही उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृति, संगीत, साहित्य व अन्य विधाओं की भी झलक देखने को मिलेगी।

तमिलनाडु के व्यंजनों के भी स्टॉल – आयोजन स्थल पर तमिलनाडु के व्यंजनों के स्टॉल के साथ ही पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसके अलावा हथकरघा व हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए गए हैं। तमिलनाडु से आए शिल्पियों ने थीम बेस पर अपने उत्पाद सजाए हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के 38 जिलों के ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी भी सजाई गई है।

एसपी ने एक उप निरीक्षक व एक हेड कांस्टेबल को किया लाइन हाजिर

हाथरस, (हि. स.)। पुलिस अधीक्षक देवेश कुमार पांडेय ने शुक्रवार की देर रात चेकिंग व्यवस्था में लगे एक उप निरीक्षक व एक हेड कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। एसपी ने पुलिस कर्मियों को चेकिंग व्यवस्था सुचारू करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक हाथरस देवेश कुमार पांडेय ने शुक्रवार की देर रात शहर क्षेत्र में चैकिंग व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत प्राइवेट वाहन से शहर क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना हाथरस गेट क्षेत्र के मंडी समिति के सामने बने होटलों को चेक किया। एसपी ने प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट गौरव सक्सेना और सुरक्षा व चैकिंग व्यवस्था में लगे पुलिस बल को सख्त दिशा निर्देश देते हुए चेकिंग व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए निर्देश दिए। एसपी ने चैकिंग व सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी में लगे उप निरीक्षक पूरन सिंह व हेड कांस्टेबल मोहम्मद अलीम थाना हाथरस गेट को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया।

उप्र में उपचुनाव के मद्देनजर पुलिसकर्मियों की छुट्टी रद्द

लखनऊ, (हि.स.)। आगामी लोकसभा एवं विधानसभा के उपचुनाव के साथ होने वाले निकाय चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। हालांकि विषम परिस्थितियों में विभागाध्यक्ष की अनुमति से छुट्टी मिल जाएगी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार की ओर से देर रात को जारी आदेश में कहा गया है कि यूपी पुलिस कर्मियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। इसका कारण प्रदेश में आगामी लोकसभा और विधानसभा के उपचुनाव के साथ ही निकाय चुनाव है, जिसमें पुलिस विभाग की अहम भूमिका होती है। इस लिहाज से डीजीपी के आदेश के बाद यह निर्णय किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि विशेष परिस्थितियों में प्रक्रियाओं का पालन करते हुए छुट्टी स्वीकार की जाएगी, इसके अतिरिक्त कोई भी छुट्टी नहीं मिलेगी।

डेंगू बुखार का कहर जारी, संक्रमण के बदलते स्वरूप पर शोध की तैयारी

– भीड़भाड़ स्थानों पर जाने से बचें, संक्रमण से बचने के लिए मास्क जरूरी

कानपुर, (हि.स.)। डेंगू बुखार का कहर बढ़ता ही जा रहा है। शहर में अब तक छह सौ अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। बीते 48 घंटे के दौरान 65 से अधिक डेंगू से पीड़ित मरीज बढ़े हैं। इसकी पुष्टि जीएसवीएम के माइक्रोबॉयोलाजी विभाग एवं उर्सला अस्पताल की पैथोलॉजी से नये डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट कर रही हैं। हालात ऐसे हो चुके हैं कि आसपास जिलों के मरीजों की संख्या के आंकड़े एक हजार से पार हो चुकी है। नगर निगम और जिला प्रशासन की टीमें सक्रिय हैं। शुक्रवार को डेंगू जैसे संक्रमित रोगियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। महानगर क्षेत्र में संक्रमित बुखार ने अपना स्वरूप बदल लिया है। शरीर में नए तरीके से संक्रमण का तेजी से प्रहार शुरू कर दिया है। बीते कुछ दिनों से तेज बुखार के साथ ही जोड़ों व सिर एवं पूरे शरीर में दर्द हो रहा है। रोगियों की मांस-पेशियों के टूटने जैसी समस्या पैदा हो रही हैं। ऐसे संक्रमित मरीज खड़े होने की स्थिति नहीं हो रही है। परिवार के सदस्य तत्काल अस्पताल में भर्ती करने के अतिरिक्त कोई दूसरा रास्ता नहीं रह गया है। मेडिसिन विभाग के प्रो. जे.एस. कुशवाहा ने बताया कि हैलट की ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई हैं। जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग एवं कई महिलाएं भी इसकी चपेट में आ चुकी हैं। विगत दो ओपीडी में वायरल मायोसाइटिस के मरीज आ रहे हैं। उनकी मांस-पेशियों में तेज दर्द, सूजन से परेशान हैं। ऐसे मरीजों की क्रेटिनिन फॉसफोकाइनेस की जांच कराई जाती है। ऐसे रोगियों के खून का नमूना लिया जाता है। अधिक मात्रा पाए जाने पर संक्रमण की पुष्टि होती है। वायरल माइयोसाइटिस के मरीजों को स्टेरॉइड्स देनी पड़ती है। इसमें एंटीबायोटिक का रोल बिल्कुल नहीं है। ऐसे रोगों को स्वस्थ्य होने में एक सप्ताह से अधिक का समय लग जाता है। चिकित्सकों का कहना है कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर न जाय। मुंह एवं नाक को सुरक्षित रखने के लिए मास्क का प्रयोग अवश्य करें। सैनिटाइजर का प्रयोग करें। चिकित्सकों की सलाह के बगैर दवाओं का प्रयोग न करें। इसमें एंटीबायोटिक का इस्तेमाल घातक हो सकता है। कई बार प्लेटलेट्स कम होने की समस्या मिलती है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला का कहना कि संक्रमण के बदलते स्वरूप को देखते हुए मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ इस पर शोध करेंगे। अस्पताल में भर्ती संक्रमितों पर शोध करने की तैयारी है। इससे बीमारी को रोकने के साथ ही लोगों के स्वस्थ रहने का रास्ता साफ हो सकेगा।

सेना के अग्निवीरों की भर्ती रैली में हुए दौड़ में 367 युवा सफल

– रणबांकुरे मैदान में चल रही रैली में गोरखपुर के तहसील कैम्पियरगंज देवरिया के सदर व रुद्रपुर तहसील के 6241 ने हिस्सा लिया

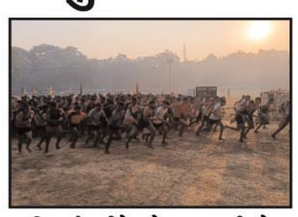

वाराणसी, (हि.स.)। भारतीय थल सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए छावनी स्थित रणबांकुरे मैदान में चल रही रैली के चौथे दिन शनिवार को गोरखपुर के तहसील कैम्पियरगंज देवरिया के सदर व रुद्रपुर तहसील के अभ्यर्थियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। भर्ती रैली में पंजीकृत 7819 अभ्यर्थियों में 6241 ने दौड़ में पहुंचे। जिसमें 367 युवा सफल हुए। शेष को मैदान से लौटा दिया गया। सैन्य अफसरों ने बताया कि पांचवें दिन रविवार को सोनभद्र के घोरावल तहसील के अलावा देवरिया जनपद के भाटपार रानी बरहज व सलेमपुर तहसीलों के 7271 अभ्यर्थी भर्ती रैली में हिस्सा लेंगे। अफसरों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से चल रही सेना भर्ती में आने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रशासन ने अपनी कमर तो कस रखी है। उधर, छावनी प्रशासन ने पूरे इलाके के सार्वजनिक शौचालयों को जहां अग्निवीरों के लिए निःशुल्क रखा है। वहीं, शौचालयों के केयर टेकर मनमानी करते हुए युवाओं से पैसे वसूलने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसके पहले गोरखपुर जिले की सदर और खजनी तहसील के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। दौड़ में 315 अभ्यर्थी सफल हुए। सफल अभ्यर्थियों कर शारीरिक परीक्षा भी कराई गई। रैली में भाग लेने के लिए युवा शुक्रवार रात को ही छावनी क्षेत्र में पहुंच गये थे।

जन्मस्थली भदैनी में धूमधाम से मनाई गई महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती

वाराणसी, (हि.स.)। महारानी लक्ष्मीबाई की 194वीं जयंती उनकी जन्मस्थली भदैनी में शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। सामाजिक संस्था जागृति फाउंडेशन और महारानी लक्ष्मीबाई जन्मस्थली स्मारक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्रीसंकट मोचन मंदिर के महंत प्रो.विश्वम्भर नाथ मिश्र, विशिष्ट अतिथि ग्वालियर महारानी लक्ष्मीबाई के समाधि स्थल से आये मोहन अग्रवाल, उनकी पत्नी पूनम अग्रवाल, बीएचयू राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व डीन प्रो. कौशल किशोर मिश्र एवं फाउंडेशन के महासचिव रामयश मिश्र ने महारानी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रो.विश्वम्भर नाथ मिश्र ने कहा कि झांसी की रानी काशी की बेटी थीं। हमें बहुत ही गर्व है कि वह हम लोग के मोहल्ले की थीं। आज उनकी जन्मस्थली आकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में जो अपना अमूल्य योगदान दिया उसको हम शब्दों में वर्णन नहीं कर सकते। रानी लक्ष्मीबाई के बताए हुए रास्ते पर चलकर ही आज देश स्वतंत्र हुआ और हमें इस महिला वीरांगना पर गर्व है। प्रो.कौशल किशोर मिश्र ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के समक्ष समर्पण करने से इनकार करते हुए अपनी झांसी किसी को नहीं देने का संकल्प लिया था। उसी का परिणाम रहा कि हमारा देश आज स्वतंत्र हुआ और हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। प्रो.मिश्र ने केंद्र और राज्य सरकार से 19 नवंबर को बेटी दिवस मनाने की अपील भी की। कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालन कर रहे रामयश मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वह वाराणसी से बुंदेलखंड को जाने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस का नाम बदलकर उसे वीरांगना एक्सप्रेस के नाम से चलाएं।

उन्होंने कहा कि महारानी की जन्मस्थली से लेकर उनकी शहीद स्थली तक यह ट्रेन जाती है इसलिए इसका नाम वीरांगना एक्सप्रेस होना चाहिए।

पूर्व विधायक डॉ सबा अहमद के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

रांची, (हि.स.)। टुंडी के पूर्व विधायक और बिहार सरकार में मंत्री रहे डॉ सबा अहमद के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को दुख की विकट घड़ी में सहन करने की शक्ति दे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राजकीय सम्मान के साथ डॉ सबा अहमद को अंतिम विदाई दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि डॉ सबा अहमद का शनिवार सुबह निधन हो गया। नई दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। लंबे समय से बीमार चल रहे सबा अहमद को बीते दिनों इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था।

परिजनों के अनुसार रविवार को उनका शव गिरिडीह के पचंबा स्थित उनके निवास स्थान पर लाया जाएगा। यहीं शव को सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

ट्रेड फेयर में झारखण्ड पवेलियन वोकल फार लोकल, लोकल टू ग्लोबल की ओर अग्रसर

रांची / नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 झारखण्ड पवेलियन में वोकल फार लोकल, लोकल टू ग्लोबल थीम के साथ आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के 41वें संस्करण में झारखण्ड के कलाकारों और कला को ना सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है, बल्कि इनकी कला को विदेशों में भी एक नया मंच देने की पहल मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश में की गई है। झारखण्ड पवेलियन स्टॉल में अंतर राष्ट्रीय व्यापार मेले में उनकी कला को बहुत आदर सम्मान मिल रहा है। राज्य के इस कलाकार का विश्वास है कि उनकी कला अब विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाने में सक्षम होगा। मालूम हो कि भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 में इस वर्ष झारखण्ड पार्टनर राज्य के रूप में अपनी भागीदारी निभा रहा है। 14 दिवसीय व्यापार मेले में लगभग 2,500 घरेलू और 12 अन्य देशों से आये विदेशी प्रतिनिधि अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं। झारखण्ड पवेलियन स्थित जोहर ग्राम स्टाल में ट्राइबल परिधानों को एक नए रंग रूप में विश्व के समक्ष पेश किया गया है। इससे झारखण्ड के स्थानीय बुनकरों, ट्राइबल शिल्पकारों को, ट्राइबल वीविंग को अंतर राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। झारखण्ड के पारम्परिक आदिवासी जैकेट, शर्ट्स, टॉवल, गमछा, टोपी आदि को प्रदर्शित किया गया है जो कि ट्रेड फेयर आने वालों के आकर्षण का केंद्र बन रहा हैं। झारखण्ड पवेलियन में सखी मंडल की दीदियों द्वारा तैयार किये गए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की प्रदर्शनी भी आपने आप में अनूठी है। मुख्यमंत्री के सोच के अनुरूप पलाश ब्रांड को प्रोफेशनल ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त खादी, झारक्राफ्ट, जेरेडा, कृषि एवं वन विभाग का स्टाल भी ट्रेड फेयर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहें हैं। हालही में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में सौर ऊर्जा नीति 2022 लागू किया है, जिसके तहत सौर ऊर्जा से 4000 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य अगले पांच वर्षो में रखा गया है। जरेडा के स्टाल में सौर ऊर्जा से चलने वाला झारखण्ड के गांव का 3डी मॉडल के माध्यम से विकास का एक अनोखा चित्र दिखाया गया है। ताकि राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित किया जा सके।

सामाजिक एकता और सद्भावना का संदेश देता है खेल : रक्तवीर सुमित

बेगूसराय, (हि.स.)। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए माया कौशल्या फाउंडेशन के द्वारा साहेबपुर कमाल प्रखंड कार्यालय के मैदान में रोज वैली पब्लिक स्कूल के बच्चों के बीच दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। आठ ग्रुपों में बंटे इस प्रतियोगिता में करीब 220 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें प्रथम स्थान सोनू, सोनी, रीतेश, अहाना, रासीद एवं निधि प्रिया ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान प्रियांशु, मीठी, सचिन, सृष्टि, राजीव एवं अन्य तथा तृतीय स्थान आजाद, सोनाक्षी, साक्षी राजा, चाँकी एवं अन्य बच्चों ने प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले प्रतिभागी को अतिथियों के द्वारा मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता रक्तवीर सुमित कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल सामाजिक एकता और सद्भावना का संदेश देता है। बच्चों को खेल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। स्कूल के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए माया कौशल्या फाउंडेशन का प्रयास सराहनीय है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संस्था के सचिव रौशन कुमार ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के खेल में बच्चों का शामिल होना बच्चों के उत्साह को दर्शाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक दीपक, पप्पू, सत्यम, वसीम, प्रभात, रूपम, मुस्कान एवं पुनिता का योगदान सराहनीय रहा।

सुभाष चौक पर बंद पड़ी पुलिस चौकी को शुरू करने को लेकर एसडीपीओ को ज्ञापन

अररिया (हि.स.)। जिले में फारबिसगंज की सामाजिक संस्था एक पहल ने फारबिसगंज एसडीपीओ के रूप में पहली बार आईपीएस शुभांक मिश्रा के प्रतिनियुक्ति पर पुलिस व्यवस्था में बदलाव की संभावना को लेकर एक मांग पत्र सौंपा।एक पहल के संस्थापक इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने फारबिसगंज सुभाष चौक पर कई वर्षो से बंद पड़े पुलिस चौकी को फिर से शुरू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। मौके पर आयुष अग्रवाल ने कहा कि फारबिसगंज में नए एसडीपीओ आईपीएस शुभांक मिश्रा के पदस्थापित होने से लोगों के अंदर पुलिस व्यवस्था में कुछ सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जगी है। एक पहल के संस्थापक ई. आयुष अग्रवाल ने एसडीपीओ श्री मिश्रा से मिल उन्हें एक ज्ञापन सौंपते हुए स्थानीय सुभाष चौक पर सालों पूर्व संचालित हो रहे पुलिस चौकी को पुनः संचालित करने की मांग की। श्री अग्रवाल ने एसडीपीओ को बताया कि ऐसा देखा जा रहा है कि पुलिस पेट्रोलिंग तो शहर में काफी हो रही है, परंतु कोई भी स्थापित पुलिस चौकी फारबिसगंज में संचालित नहीं हो पा रही। अक्सर छोटी छोटी घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी सुभाष चौक के रास्ते ही बथनाहा, जोगबनी, नेपाल की ओर निकल जाते हैं और कई ऐसी घटनाएँ भी सुभाष चौक पर और आस पास पूर्व में होती रही है। सुभाष चौक पर स्थापित पुलिस चौकी को चालू करवाने से ना सिर्फ. व्यापारी वर्ग के लोगों को सुरक्षा महसूस होगी वरन आसपास में बैंक, मार्केटिंग यार्ड में आ रहे स्थानीय लोग व तमाम अन्य क्षेत्र के लोगों को भी सुरक्षा की दृष्टिकोण से मजबूती मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि जिस तरीके से अनुमंडल पुलिसपदाधिकारी श्री मिश्रा ने युवाओं के भविष्य को सँवारने की दृष्टिकोण से नशे की खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है तो कई असामाजिक तत्वों पर भी पैनी नजर उक्त पुलिस चौकी के संचालित होने से हो पाएगी। ज्ञापन के कई बिंदुओं पर विस्तृत बात करते हुए एसडीपीओ श्री मिश्रा ने पुलिस चौकी का निरीक्षण कर समाजहित में जल्द से जल्द कार्य आगे बढ़ाने की दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस चौकी सही मायने में क्षेत्र के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने सामाजिक संगठन एक पहल के पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरी है समाज के बदलाव के लिए सभी को साथ होकर कार्य करने का।

बच्चों को बताया गया "आपदा नहीं होगी भारी,यदि पूरी हो तैयारी"

बेगूसराय, (हि.स.)। बैग्लेस सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत आज विभिन्न विद्यालयों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कहीं मद्य निषेध जागरुकता अभियान चलाया गया तो कहीं आपदा से बचाव की जानकारी दी गई। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय चकचनरपत के सहायक सह फोकल शिक्षक मो. फैयाज अहमद ने सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में बच्चों को भूकंप से बचाव के लिए जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि भूकंप से लोग मरते नहीं हैं, लापरवाही से मरते हैं। आमतौर पर पुराने मकानों, जर्जर भवनों के ढहने से जानमाल की बड़ी क्षति होती है। यदि पूर्व की तैयारी बेहतर हो तो कम से कम नुकसान हो सकता है, मकान हमेशा भूकंपरोधी बनवाएं। बिजली के खंभों, पेड़, ऊंचे भवनों और जर्जर मकानों से भूकंप के समय दूरी बनाकर रखें। भूकंप के समय सजग, सतर्क एवं सावधान रहते हुए खुले मैदान में शरण लें। भूकंप के झटके रुकने के बाद अपने भाई बंधुओं और सगे संबंधियों की खोज खबर लें। स्कूली बच्चों के बीच भूकंप से बचने का मॉकड्रिल कराते हुए अभ्यस्त करने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही भूकंप से बचने के तीन मूल मंत्र झुको, ढंको और पकड़ो पर बल दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार, सहायक शिक्षिका ममता कुमारी, कृष्ण कुमार पंडित तथा बाल प्रेरक आयुष कुमार, दीपक कुमार, सौरभ कुमार, राजन कुमार ने बहुमूल्य योगदान दिया।

नालंदा में कब्रिस्तान घेराबंदी योजना की डीएम ने की समीक्षा

बिहारशरीफ, (हि.स.)। नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने शनिवार को कब्रिस्तान घेराबंदी की योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि जिला में वर्तमान में प्राथमिकता सूची में शामिल 24 योजनाओं के क्रियान्वयन के अद्यतन स्थिति की एक एक कर जानकारी ली गई।बताया गया कि इनमें से इस्लामपुर नगर परिषद के कब्रिस्तान घेराबंदी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। रहुई के बबुरबन्ना कब्रिस्तान घेराबन्दी का कार्य आगामी एक महीना में पूरा कर लिया जाएगा। हिलसा में दो तथा करायपरशुराय में एक कब्रिस्तान घेराबंदी की योजनाओं का प्राक्कलन स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन-2 द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

इन तीनों योजनाओं के प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई दो दिनों में पूरा करने का निर्देश दिया गया। बिहारशरीफ प्रखण्ड के तीन कब्रिस्तान घेराबंदी की योजना का प्राक्कलन एलएईओ-1 द्वारा तैयार किया गया है। प्राक्कलन को अविलंब जमा करने एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सात अन्य मामलों में स्थल का नजरी नक्शा प्राप्त नहीं होने के कारण अग्रेतर कार्रवाई लंबित है। विकास शाखा प्रभारी को अविलंब संबंधित अंचलाधिकारी के माध्यम से नजरी नक्शा प्राप्त करने का निदेश दिया गया।

संपादकीय

संकट का धुआं

कई दिनों से धुएं की चादर आसमान में कायम है। जिस तरह हवा जहरीली होती जा रही है, उससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। वायु प्रदूषण के कारण भले कई हों, लेकिन अभी बड़ी वजह पराली का धुआं है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में किसान पराली जला रहे हैं और सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं। विडंबना यह है कि जहां सभी राज्यों को पराली की समस्या से निपटने के सामूहिक प्रयास करने चाहिए, वहीं सब एक दूसरे पर ठीकरे फोड़ने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब में एक ही दिन में पराली जाने के मामलों में सोलह फीसद की वृद्धि हो गई। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राजस्थान में इस साल अक्तूबर में पराली जलाने की घटनाओं में एक सौ साठ फीसद का इजाफा हुआ। ऐसा नहीं कि पराली जलाने में किसी एक राज्य का ही योगदान सबसे ज्यादा हो, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि पराली को लेकर राज्यों के बीच राजनीति ही ज्यादा हो रही है। सवाल इस बात का है कि आखिर राज्य इस समस्या का समाधान क्यों नहीं निकाल पा रहे? जबकि सुप्रीम कोर्ट की लगातार सख्ती और निगरानी के साथ केंद्र सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि निकाय राज्यों को हिदायत देते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस मुद्दे पर राज्यों के आला अफसरों की बैठकें भी होती रही हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पराली जलाने की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही। इससे तो लगता है कि सरकारें हाथ खड़े कर चुकी हैं। लगता है जैसे कि यह काम राज्यों के बस का रह ही नहीं गया है। वरना क्या कारण है कि राज्य सरकारें किसानों को पराली जलाने से रोक नहीं पा रहीं। पराली जलाने की मजबूरी को लेकर किसान अब तक जो तर्क देते रहे हैं, उससे साफ हो जाता है कि सरकारों का रवैया ही उन्हें इसके लिए मजबूर करता रहा है। आज भी पंजाब और दूसरे राज्यों में किसानों के सामने बड़ा संकट पराली नष्ट करने वाली मशीनों का है। जिस बड़े पैमाने पर ये मशीनें किसानों को उपलब्ध करवाई जानी चाहिए थीं, लगता है उसमें सरकारें सफल नहीं हुईं। फिर, ऐसे किसानों की संख्या काफी बड़ी है जो मशीन खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में किसानों के सामने पराली जलाने के अलावा और चारा रह भी क्या जाता है? पराली से वायु प्रदूषण भले कुछ ही समय रहता हो, लेकिन इससे हालात इतने ज्यादा बिगड़ जाते हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। पराली के धुएं से जिस तरह लोग बीमार पड़ रहे हैं, वह अपने में कम गंभीर नहीं है। पराली के धुएं से होने वाला वायु प्रदूषण रक्तचाप और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। न सिर्फ राजधानी दिल्ली में, बल्कि ज्यादातर बड़े शहरों में वायु प्रदूषण की वजह से लोग फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने का बड़ा कारण वायु प्रदूषण बताया जा रहा है। लेकिन संकट यह है कि पराली को लेकर राज्य राजनीति करने में मगन हैं। अगर इस समस्या से पार पाने के लिए राज्य आपस में मिल कर रणनीति बनाएं और उस पर ईमानदारी से काम करें तो क्या यह कोई मुश्किल काम है?

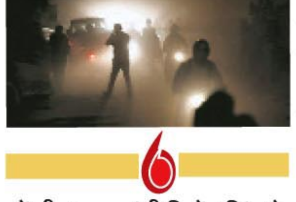

केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राजस्थान में इस साल अक्तूबर में पराली जलाने की घटनाओं में एक सौ साठ फीसद का इजाफा हुआ। ऐसा नहीं कि पराली जलाने में किसी एक राज्य का ही योगदान सबसे ज्यादा हो, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि पराली को लेकर राज्यों के बीच राजनीति ही ज्यादा हो रही है। सवाल इस बात का है कि आखिर राज्य इस समस्या का समाधान क्यों नहीं निकाल पा रहे? जबकि सुप्रीम कोर्ट की लगातार सख्ती और निगरानी के साथ केंद्र सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि निकाय राज्यों को हिदायत देते रहे हैं।

कुछ अलग

पर्यावरण एवं उद्योग

देशों और शहरों की तरह दुनियाभर में बड़ी औद्योगिक एवं कारोबारी कंपनियों ने अपने स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने का संकल्प लिया है। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन संकल्पों को लेकर उनकी समुचित प्रतिबद्धता नहीं हैं। मिस्र के शर्म अल-शेख में चल रहे जलवायु सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कंपनियों के व्यवहार की विसंगतियों को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा है कि एक तरफ तो कंपनियां उत्सर्जन घटाने और निर्धारित समय के भीतर उसे शून्य के स्तर पर लाने की बातें करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे जीवाश्म ईंधनों में निवेश करती हैं, अपनी गतिविधियों से वनों का क्षरण करती हैं तथा उत्सर्जन घटाने के बजाय बढ़ाती हैं। जैसा कि गुटेरेस ने कहा है कि उत्सर्जन कम करने के झूठे वादे निंदनीय हैं। इस तरह की प्रवृत्तियों पर रोक लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित बिंदुओं के अनुसार शहरों और क्षेत्रों को अपने संकल्पों की समीक्षा कर एक साल के भीतर रिपोर्ट देनी चाहिए। यह स्वागतयोग्य है कि अनेक देशों और क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन एवं उपभोग को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है तथा उसके परिणाम भी संतोषजनक हैं। उदाहरण के तौर पर भारत में सौर ऊर्जा पैनलों को लगाने का काम बहुत तेजी से बढ़ रहा है तथा इलेक्ट्रॉनिक वाहनों में भी लोगों की दिलचस्पी में बढ़ोतरी हो रही है। लेकिन एक देश या कुछ क्षेत्र की ऐसे उपलब्धियों से ही जलवायु परिवर्तन और धरती का तापमान बढ़ने की गंभीर चुनौतियों का समाधान संभव नहीं है। उत्सर्जन कम करने के प्रयास हर स्तर पर होना चाहिए। इसमें शहरों और उद्योगों की अग्रणी भूमिका होनी चाहिए क्योंकि तापमान बढ़ने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार यही हैं। स्थिति यह है कि एक ओर उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी नहीं आ रही है, पर दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से ने इसे घटाने का कोई-न-कोई संकल्प लिया हुआ है। आगामी दशकों में अगर उत्सर्जन के स्तर को शून्य तक लाना है, तो उत्सर्जन में लगातार बड़ी कमी करनी होगी तथा स्वच्छ ऊर्जा में निवेश बढ़ाना होगा। एक बड़ी समस्या यह है कि कंपनियां इस दिशा में क्या कर रही हैं, उसका आकलन कर पाना बहुत कठिन है। इसके लिए पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता है। कंपनियों के कहे पर भरोसा करना दुनिया के लिए आत्मघाती होगा। पेरिस समझौते में यह निर्णय लिया गया था कि पूर्व औद्योगिक स्तर से तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है। इसके लिए 2030 तक उत्सर्जन को आधा करना होगा। आशा है कि उद्योग जगत अपने उत्तरदायित्व को ठीक से निभायेगा।

मिस्र के शर्म अल-शेख में चल रहे जलवायु सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कंपनियों के व्यवहार की विसंगतियों को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा है कि एक तरफ तो कंपनियां उत्सर्जन घटाने और निर्धारित समय के भीतर उसे शून्य के स्तर पर लाने की बातें करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे जीवाश्म ईंधनों में निवेश करती हैं, अपनी गतिविधियों से वनों का क्षरण करती हैं तथा उत्सर्जन घटाने के बजाय बढ़ाती हैं। जैसा कि गुटेरेस ने कहा है कि उत्सर्जन कम करने के झूठे वादे निंदनीय हैं। इस तरह की प्रवृत्तियों पर रोक लगाना आवश्यक है।

उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है

जस्टिस चंद्रचूड़ का प्रधान न्यायाधीश बनना उम्मीद की बड़ी किरण के समान है

'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान इन चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ लेने के बाद से ही जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ लगातार सक्रिय एवं संकल्पित हैं। वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी हैं।

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। संवैधानिक न्यायालय का गठन बड़ा अलोकतांत्रिक व दोषपूर्ण है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती हैं वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान इन चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ लेने के बाद से ही जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ लगातार सक्रिय एवं संकल्पित हैं। वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में वह पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। वर्षों-वर्ष चलने वाले मुकदमों का खर्च भी बहुत ज्यादा है। न्याय प्रक्रिया की कोई सीमा-अवधि नहीं है। इसलिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। सरकारी विद्यालयों एवं अन्य सरकारी भवनों में दूसरी पाली में न्यायालय चलाए जाने चाहिए, ताकि न्यूनतम अतिरिक्त खर्च में काम प्रारंभ किया जा सके। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजा वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि जिला अदालतों को हाई कोर्ट का अधीनस्थ न्यायालय नहीं माना जाए और जिला जजों के साथ भी समानता का व्यवहार किया जाए। उन्होंने न्यायालयों को पुरुष मानसिकता से बाहर निकालने और महिलाओं को न्याय प्रक्रिया में उचित भागीदारी देने की भी वकालत की है। अभी अदालतों में महिला जजों की संख्या नाममात्र ही है। न्याय प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का भी उन्होंने संकल्प जताया और न्याय प्रक्रिया में अंग्रेजी के वर्चस्व को भी एक तरह से चुनौती दी। उनकी यह चिंता वाजिब है कि जब तक भारतीय भाषाओं को न्याय प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक आम लोगों को न्याय प्रक्रिया में शामिल करना मुश्किल होगा। अभी वादी की याचिका पर बहस और फैसले अंग्रेजी में होते हैं, जो अंग्रेजी नहीं जानने वालों की समझ में नहीं आते। ऐसे में न्याय पर उनका पूरा भरोसा हासिल करना भी कठिन है। न्यायिक सुधार की दिशा में ये और ऐसे तमाम मुद्दे हैं जिन पर लंबे समय से चर्चा की जरूरत तो महसूस होती रही है पर किसी प्रधान न्यायाधीश ने खुलकर पहल नहीं की थी। उम्मीद है जस्टिस चंद्रचूड़ अब इन मुद्दों पर बहस का खुला वातावरण बनाकर उसे निर्णायक मोड़ तक ले जाएंगे। इसके लिए उनके पास करीब दो साल तक का समय होगा। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसा कि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। सरकार के अंगों की जो बड़ी सरल परिभाषा बताई जाती है वो ये है कि विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उसे लागू करती है और न्यायपालिका उसका उल्लंघन करने वालों को दंड देती है। विधि के उल्लंघन पर ऐसे उल्लंघनकर्ता को दंडित करना न्यायालय का द्वितीयक कार्य है, बल्कि न्यायपालिका का मूल कार्य तो कार्यपालिका और व्यवस्थापिका की निरंकुशता व उसके अन्याय-अत्याचार एवं तानाशाही से समाज को बचाना और इन सबसे जनमानस में व्यवस्था के प्रति उपजे विषाद व असंतोष को संभालना होता है। लेकिन हम भारत की न्यायपालिका की भूमिका को देखें तो बड़ी निराशा होती है। जस्टिस चंद्रचूड के सामने अनेक चुनौतियां हैं, उनका मार्ग कंटकाकीर्ण है। उनके द्वारा शुरू किये सुधार-अभियान की किसी पहल का विरोध होना स्वाभाविक है। सबसे पहले तो उनको सीजेआई बनने से रोकने के लिए याचिका लगाई गई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। कानून मंत्री एक से ज्यादा मौकों पर कॉलेजियम सिस्टम की खामियों को उजागर कर चुके हैं। इस मामले में भी जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया कि आलोचनाओं को सामने आने देना चाहिए। जाहिर है यदि कॉलेजियम सिस्टम में कोई खामी है तो समीक्षा करके उसे दूर किया जा सकता है। निश्चित ही जस्टिस चंद्रचूड ने साहसिक पहल की है।

रुपए की बदलती दुनिया

डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मानी जा सकती है। डिजिटल क्रांति रुपए-पैसे की दुनिया का चेहरा कैसे बदल रही है, इसकी एक सिमाल भारत में देखने को मिलती है। वर्ष 2016 में जब नोटबंदी की गई थी, तब अनुमान लगाया गया था कि जल्द ही लोग डिजिटल भुगतान वाले विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। कोई शक नहीं कि बीते पांच-छह वर्षों में देश में डेबिट और क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और क्यूआर कोड जैसे तौर-तरीकों ने सब्जी मंडी, रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों से लेकर पांच सतिारा होटलों तक में भुगतान का परिदृश्य बदल दिया है ।लेकिन अब एक नई क्रांति डिजिटल मुद्रा की शक्ल में होने जा रही है। भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है।

यह दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसमें भी नकली नोटों के शामिल होने का भारी जोखिम बना हुआ है। डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मानी जा सकती है। डिजिटल क्रांति रुपए-पैसे की दुनिया का चेहरा कैसे बदल रही है, इसकी एक मिसाल भारत में देखने को मिलती है। वर्ष 2016 में जब नोटबंदी की गई थी, तब अनुमान लगाया गया था कि जल्द ही लोग डिजिटल भुगतान वाले विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। कोई शक नहीं कि बीते पांच-छह वर्षों में देश में डेबिट और क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और क्यूआर कोड जैसे तौर-तरीकों ने सब्जी मंडी, रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों से लेकर पांच सितारा होटलों तक में भुगतान का परिदृश्य बदल दिया है ।लेकिन अब एक नई क्रांति डिजिटल मुद्रा की शक्ल में होने जा रही है। भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के महीने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा। बात जब मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो निश्चित रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लेख प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी तौर पर सृजित और संचालित की गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्याति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं। लेकिन इनकी सबसे अहम समस्या यह है कि इनका संचालन कोई सरकारी केंद्रीय बैंक नहीं कर रहा। इसी तरह इन मुद्राओं के बदले किसी संपत्ति का समर्थन नहीं मिलता, जैसे कि आम रुपए के बदले भारतीय रिजर्व बैंक धारक को रुपए की कीमत अदा करने का वचन देता है। चूंकि आभासी मुद्राओं से किसी संस्था या केंद्रीय बैंक की देयता नहीं जुड़ी है, इसलिए एकाध देशों को छोड़ कर उन्हें दुनिया में कहीं भी कानूनी मान्यता हासिल नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में अफ्रीकी देश अल सल्वाडोर ने बिटकाइन को कानूनी मुद्रा का दर्जा जरूर दिया था, लेकिन ऐसे उदाहरण गिनती के ही हैं। इन्हीं कारणों से प्रायः सभी आभासी मुद्राएं भरोसेमंद नहीं हैं। डिजिटल रुपए को लेकर भारत सरकार की ओर से आधिकारिक बयान इस वर्ष केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया था। उन्होंने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक भी जल्दी ही डिजिटल रुपया पेश करेगा। यह भारत की अपनी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी- सीबीडीसी) होगी। प्रस्तावित योजना के मुताबिक सीबीडीसी एक प्रकार का डिजिटल भुगतान तरीका है, जिसे भारतीय रुपए (राष्ट्रीय मुद्रा) के रूप में अंकित किया गया है। इस डिजिटल रुपए के धारक को भारत के केंद्रीय बैंक की तरफ से प्रत्यक्ष देयता का आश्वासन मिलेगा। इसमें भी सबसे उल्लेखनीय यह है कि मुद्रा के इस डिजिटल स्वरूप की कीमत भारतीय रिजर्व बैंक में रखे भौतिक नकद रुपए या उसके भंडार के बराबर ही होगी, जो डिजिटल रुपए के धारकों के लिए सबसे अहम आश्वासन है। इसका अर्थ यह है कि डिजिटल रुपए को भौतिक रुपए के समान संप्रभु गारंटी हासिल होगी। ऐसे में इसके मूल्य में समय-समय पर वही परिवर्तन या अंतर आएगा, जो भौतिक नकद रुपए की कीमत में आता है। वैसे तो ई-रुपए रिजर्व बैंक द्वारा जारी मुद्रा नोटों का डिजिटल रूप ही है। यानी यह बैंक नोटों से अलग नहीं है। फर्क यदि कोई है तो यह है कि डिजिटल मुद्रा होने के कारण इसके जरिए कोई भी लेन-देन बहुत त्वरित, सस्ता और आसान होगा। साथ ही भौतिक न टों के मुकाबले इसके मुद्रण (छपाई-ढलाई), वितरण और भंडारण की लागत बहुत कम होगी। पर ई-रुपए के ज्यादा लाभ सुविधा, पारदर्शिता और सुरक्षा के संबंध में है। जैसे एक सहूलियत यह होगी कि डिजिटल मुद्रा में लेनदेन होने से कारपोरेट दुनिया में मुद्रा संबंधी लेनदेन के नपिटान, उनकी जानकारी और उन पर नयिंत्रण आसान हो जाएगा। भारत सरकार को यह पता लगाने में सहूलियत हो जाएगी कि देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में धन का प्रवाह कहां से कहां तक हुआ। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। आज बाजार में लगभग तीस लाख करोड़ रुपए की बड़ी राशि मौजूद है। लेनिक रिजर्व बैंक से लेकर सरकार और नीति-नर्धारकों तक को इसकी जानकारी नहीं है कि यह राशि लोगों के पास कब से मौजूद है और क्यों रखी हुई है। दावा है कि इससे आयकर विभाग को छिपाए जाने वाले लेनदेन का पता चल सकेगा और कर संग्रह में बढ़ोतरी होगी। बड़ी कंपनियों और कारपोरेट जगत की नगिाह में ई-रुपए लेनदेन और आर्थिक नपिटारे की तत्काल व्यवस्था बनाने में मदद साबित हो सकता है। कोरोना महामारी के दौर में लोगों ने एहतियात के तौर पर नकदी रनखा ज्यादा बेहतर समझा, जिससे चलन में बैंक नोटों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। लेनिक आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि कोरोना काल में डेबिट/ क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूनफिाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में भी उल्लेनखीय वृद्धि हुई। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 में देश में क्रेडिट-डेबिट कार्ड, चेक-ड्राफ्ट और मोबाइल वालेट आदि सभी तरीके मिला कर सिर्फ बाईस फीसद भुगतान बिना नगदी वाले हो रहे थे। लेनिक बाद के पांच वर्षों में यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। डिजिटल भुगतान प्रणालियों पर नजर रनखे वाले संगनठ- एसीआइ वर्ल्डवाइड की मार्च 2021 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में सालाना 2550 करोड़ लेनदेन डिजिटल तरीकों से किए गए थे। इस मामले में भारत दुनिया के शीर्ष पर है और हमारे बाद चीन (1570 करोड़) और दक्षिण कोरिया (600 करोड़) का नंबर आता है। अमेरिका तो भारत से इस मामले में काफी पीछे यानी नौवें स्थान पर है, जहां वित्त वर्ष 2021 में ऐसे सिर्फ 120 करोड़ लेनदेन हुए थे। डिजिटल मुद्रा की कई उपयोगिताएं हैं, पर खुद भारतीय रिजर्व बैंक ने ई-रुपी को अपनाने के पीछे जो तर्क गिनाए हैं, वे इसे कई मामलों में लाभप्रद ठहराते हैं। रिजर्व बैंक ने ई-रुपी को अपनाने की अहम जरूरत भौतिक मुद्रा यानी कागज के नोट व सिक्कों की छपाई, ढलाई पर प्रबंधन पर आने वाले भारी-भरकम खर्च कम कनरे के संदर्भ में बताई है। असल में नोटों की छपाई और उन्हें देश के कोने-कोने में पहुंचाने यानी वितरित कनरे की लागत काफी ज्यादा बैठती है और यह निदोंनिद बढ़ती जा रही है। इसमें भी नकली नोटों के शामिल होने का भारी जोखिम बना हुआ है। डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मानी जा सकती है।

देश दुनीया से

क्यों छोड़े जा रहे अत्याचारों के अपराधी

महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, समानता और न्याय जैसे सारे भारी-भरकम शब्द उस वक्त हवा में उड़ गए जब दिल्ली के छावला इलाके में 19 साल की उत्तराखंड की लडक़ी से गैंगरेप और हत्या करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीनों दोषियों को बरी कर दिया। पुलिस की लापरवाही के चलते 19 साल की लडक़ी के साथ हैवानियत के मामले में दोषी बरी हो गए। यह देश के लोगों के लिए बैचेन करने वाला फैसला है। दोषियों को दिल्ली हाईकोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी जिसको पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोषियों की रिहाई का आदेश दे दिया। कोर्ट ने इंसाफ के दुश्मन बने इन लापरवाह पुलिस वालों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई का फरमान जारी करने के बजाय अपने फैसले में ये कहा कि अदालतें सबूतों पर चलकर फैसले लेती हैं, न कि भावनाओं में बहकर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपियों को अपनी बात कहने का पूरा मौका नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला देश में पुलिस की व्यवस्थागत खामियां उजागर करने के साथ ही न्यायिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। इस प्रकरण में कुल 49 गवाहों में दस का क्रास एग्जामिनेशन नहीं कराया गया। आरोपियों की पहचान के लिए भी कोई परेड नहीं कराई गई। निचली अदालत ने भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जबकि निचली अदालत, अपने विवेक से भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 165 के तहत सच्चाई की तह तक पहुंचने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर सकती थी। होना तो यह चाहिए था कि इस प्रकरण में लापरवाह पुलिसकर्मी और न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, ताकि भविष्य में ऐसे जघन्य अपराधों के मामलों में पीड़िताओं को न्याय मिल सके और न्यायतंत्र में आस्था मजबूत हो सके। मानवता को शर्मसार करने वाली यह जघन्य वारदात दिल्ली में ही निर्भया मामले से कुछ माह पहले हुई थी। निर्भया कांड ने देश को झकझोर कर रख दिया था। निर्भया कांड के बाद देश में ऐसा जनाक्रोश उपजा कि इसने सरकार को कानून में बड़े बदलाव करने पर मजबूर कर दिया। वर्ष 2013-14 में हुए कानूनी संशोधनों के बावजूद देश में महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराधों में कमी नहीं आई। 20 मार्च 2020 को निर्भया कांड में दोषी करार दिए गए विनय कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार को फांसी पर लटका दिया गया। निर्भया के दोषियों को सजा मिलने के बाद रेप के जघन्य अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगातार आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने को मिल रही हैं। निर्भया कांड सुर्खियों में इस तरह आया कि रेप से जुड़े कानून सख्त हुए, रेप मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बने और कड़ी सजा के प्रावधान हुए। दिसंबर 2012 में निर्भया कांड हुआ। इस घटना के बाद आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2013 पारित किया गया। निर्भया कांड के बाद तीन फरवरी 2013 को क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट ऑर्डिनेंस आया जिसके तहत आईपीसी की धारा 181 और 182 में बदलाव किए गए। इसमें बलात्कार से जुड़े नियमों को कड़ा किया गया। रेप करने वाले को फांसी की सजा भी मिल सके, ऐसा प्रावधान किया गया। इसी कांड के बाद पॉक्सो एक्ट अस्तित्व में आया। इसी एक्ट के तहत धर्मगुरू के नाम पर कुकर्म करने वाले आसाराम और गुरमीत राम रहीम को सजा सुनाई गई। देशभर के विभिन्न राज्यों में दुष्कर्म के दोषी बाहुबलियों से लेकर नेताओं तक की गिरफ्तारियां हुई। निर्भया कांड में शामिल नाबालिग को सजा देने के लिए भी देशभर में आवाज उठी। इसी के चलते 22 दिसंबर 2015 में राज्यसभा में जुवेनाइल जस्टिस बिल भी पास हुआ। इस एक्ट में प्रावधान किया गया कि 16 साल या उससे अधिक उम्र के किशोर को जघन्य अपराध करने पर कोई छूट न दी जाए, बल्कि उसे वयस्क मानकर मुकदमा चलाया जाए। अब तक ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें दुष्कर्म के किशोर आरोपी कम उम्र का हवाला देकर सजा से बचने की कोशिश करते रहे हैं। इस बिल के तहत ऐसा माना गया है कि कोई 16 साल का किशोर भले ही वयस्क नहीं हो, लेकिन अगर उसने दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध किया है तो उसे वयस्क माना जाएगा और सजा सुनाई जाएगी।

अब तक ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें दुष्कर्म के किशोर आरोपी कम उम्र का हवाला देकर स जा से बचने की कोशिश करते रहे हैं। इस बिल के तहत ऐसा माना गया है कि कोई 16 साल का किशोर भले ही वयस्क नहीं हो, लेकिन अगर उसने दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध किया है तो उसे वयस्क माना जाएगा और सजा सुनाई जाएगी। निर्भया कांड और उसके बाद हुए बलात्कार की कई घटनाओं ने ही कई राज्यों को कड़े कानून बनाने की जरूरत मसहूस कराई है। इन कानूनों के जरिए रेप की परिभाषा बदल गई। इनके जरिए भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और आपराधिक प्रक्रिया संहिता के कई प्रावधानों में संशोधन किया गया। इस संशोधन के माध्यम से, कई नए अपराधों को शामिल किया गया।

नागरिक बोध

भारत के लिए जी-20: ग्लोबल साउथ का नेतृत्व संभालने का अवसर

सदस्य वर्तमान में विश्व सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 80%, वैश्विक व्यापार का 75% और वैश्विक जनसंख्या का 60% हिस्सा हैं। प्रेसीडेंसी, इससे पहले और बाद में (ट्रोइका) प्रेसीडेंसी रखने वाले देशों द्वारा सहायता प्राप्त, प्रत्येक वर्ष के शिखर सम्मेलन के एजेंडे को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है। अगले साल जी-20 का ट्रोइका भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील के साथ पहली बार उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से मिलकर बनेगा। बाली जी-20 शिखर सम्मेलन का आदर्श वाक्य है एक साथ उबरो, मजबूत बनो। जबकि ध्यान महामारी के बाद की वसूली और यूक्रेन में रूसी युद्ध से प्रभावित ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा से निपटने पर होगा, बहुत रुचि इस बात पर होगी कि नेता किस किनारे पर द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन आयोजित करना चुनते हैं। नेता तीन सत्रों में चर्चा में शामिल होंगेः खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए स्वास्थ्य भागीदारी और डिजिटल परिवर्तन पर। भारत ग्लोबल साउथ और भू-राजनीतिक तनाव, भोजन और ईंधन की कमी के कारण होने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। दुनिया को स्पष्ट रूप से विभाजित करने वाले मुद्दों पर वैश्विक सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। दुनिया भर में चल रहे तनाव की पृष्ठभूमि के खिलाफ द्विपक्षीय वार्ता की एक श्रृंखला होगी, जिसमें यूक्रेन के आक्रमण और आगामी आर्थिक और पर्यावरणीय परिणाम, जलवायु संकट, उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और चीन की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं के कारण होने वाले तनाव शामिल हैं। विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन से संबंधित मुद्दों सहित कई समकालीन ज्वलंत विषयों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। जी-20ः अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, यूएसए और यू.एस. यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रतिबद्धताओं की निगरानी करने और एजेंडे में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्य, दृष्टि और मिशन वक्तव्य, एक स्थायी सचिवालय और कर्मचारियों को शामिल करना है। जी-20, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बजाय घरेलू प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकता है और उन्हें लागू करना शुरू कर सकता है। संयुक्त बयान में रूस के लिए भारत का संदेश शामिल हैः आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए यह एक संदेश है, जो भारत के रचनात्मक, सहकारी और आम सहमति बनाने वाले दृष्टिकोण का परिणाम है, जिसने रूस और पश्चिमी देशों के बीच की खाई को पाटने में मदद की। भारत पहली बार इस पैमाने का अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर, 2023 से) आयोजित कर रहा है। भारत की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख होगी, जैसा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य द्वारा दर्शाया गया है।

तानाशाह किम जोंग ने फिर दी परमाणु हमले की धमकी, अमेरिका और उसके मित्र देशों को दी यह चेतावनी

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के सैन्य शासक किम जोंग उन ने अमेरिका व उसके सहयोगी देशों को परमाणु हमले की धमकी दी है। शनिवार को किम ने अपने देश के मिसाइल परीक्षण का खुद निरीक्षण करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि खतरों का परमाणु हथियारों से जवाब दिया जाएगा। किम के हवाले से यह चेतावनी दी है। किम जोंग उन ने कहा कि प्योंगयांग परमाणु हथियारों का परमाणु हथियारों से और पूर्ण सैन्य टकराव का उसी तरह से जवाब देगा। यह धमकी उत्तर कोरिया द्वारा एक और अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल के परीक्षण के एक दिन बाद आई है। दुनियाभर से अलग-थलग किए जा चुके उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को पूर्वी सागर की ओर यह मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह कदम दक्षिण कोरिया और जापान की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए अमेरिका द्वारा किए गए उपायों के विरोध में उठाया गया।

अमेरिका पर शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप

केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार अपनी बेटी और पत्नी के साथ मिसाइल परीक्षण स्थल पर पहुंचे उत्तर कोरिया के प्रमुख किम जोंग ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की शत्रुतापूर्ण नीति को देखते हुए वे अपने देश की सुरक्षा के लिए परमाणु प्रतिरोध मजबूत करने को मजबूर हुए हैं।

इस मौके पर किम ने एलान किया कि यदि दुश्मन धमकी देना जारी रखते हैं, तो हमारी पार्टी और सरकार परमाणु हथियारों का जवाब उसी अंदाज में देगी। उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण में ह्वासोंग-17 आईसीबीएम शामिल थी। यह अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल 3 नवंबर को किए गए परीक्षण में विफल हो गई थी।

ह्वासोंग-17 ने 1000 किलोमीटर की उड़ान भरी, अमेरिका भी जद में

केसीएनए ने कहा कि ह्वासोंग-17 आईसीबीएम के प्रक्षेपण की पुष्टि उत्तर ने की थी। यह सर्वोच्च प्राथमिकता वाली रक्षा तैयारी की रणनीति का हिस्सा था। उत्तर कोरिया का कहना है कि इसका मकसद सबसे शक्तिशाली और पूर्ण परमाणु प्रतिरोध तैयार करना है।

यह मिसाइल दुनिया में सबसे मजबूत सामरिक हथियार है। मिसाइल ने करीब 69 मिनट में करीब 1,000 किलोमीटर की उड़ान भरी और 6,041 किलोमीटर की अधिकतम ऊंचाई तक पहुंची। इसे इसके आकार के कारण राक्षस मिसाइल कहा जाता है। जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार यह मिसाइल कई हथियार ले जाने में सक्षम है। यह करीब 15,000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। इसकी जद में अमेरिका भी आता है।

न्यूज ब्रीफ

रनवे पर प्लेन और ट्रक की टक्कर : ट्रक को रौंदता चला गया; विंग में आग लगी, लेकिन बाल-बाल बच गए 108 लोग

लीमा। पेरू की राजधानी लीमा के एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। रनवे पर फायर बिग्रेड का एक ट्रक प्लेन से जा टकराया। इस हादसे में ट्रक में सवार दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई। टक्कर के बाद विमान में आग लग गई, लेकिन यह अच्छा रहा कि इसमें सवार यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। लीमा के जॉर्ज चावेज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयरलाइंस की फ्लाइट टेकऑफ कर रही थी। तभी रनवे पर सामने से एक ट्रक आ रहा था। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों के बीच दूरी काफी थी। जैसे ही विमान पास आया ट्रक ड्राइवर ने बचने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। प्लेन ट्रक को रौंदता चला गया। विमान का एक विंग जमीन से घिसटा और उसमें आग लग गई। विमान में 102 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर सवार थे। सभी बाल-बाल बच गए। एयरपोर्ट के एक अफसर ने बताया कि हादसे के बाद एयरपोर्ट के सभी ऑपरेशन कुछ वक्त के लिए सस्पेंड कर दिए गए। हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है। हमने तुरंत कार्रवाई कर सभी पैसेंजर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

फ्रांस ने उठाया सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सीट का मामला, कहा- शक्तिशाली दुनिया में संतुलन जरूरी

वाशिंगटन । ब्रिटेन के बाद फ्रांस ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता का मामला उठाया है। संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस की उप स्थायी प्रतिनिधि नथाली ब्रॉडहर्स्ट ने कहा है कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत, जर्मनी, ब्राजील और जापान का समर्थन करती हैं। उन्होंने कहा, नई शक्तियों के उद्भव को ध्यान में रखने की आवश्यकता है। इसलिए, उन देशों को ध्यान में रखना चाहिए जो शक्तिशाली दुनिया में स्थायी सदस्यता की जिम्मेदारी लेने में सक्षम हैं। फ्रांस ने कहा, सुरक्षा परिषद में हमारी स्थिति स्थिर और सर्वविदित है। हालांकि, हम चाहते हैं कि सुरक्षा परिषद में दुनिया के और अधिक प्रतिनिधि हों, जिससे उसके अधिकार और प्रभावशीलता को मजबूत किया जा सके। इससे पहले ब्रिटेन ने भी भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया था। यूएन में ब्रिटेन की स्थायी प्रतिनिधि बारबरा वुडवर्ड ने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नई स्थाई सीटों की मांग की है। बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि ब्रिटेन लंबे समय से सुरक्षा परिषद के विस्तार की मांग कर रहा है। हम भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नई स्थायी सीटों की व्यवस्था के साथ-साथ स्थायी अफ्रीका के स्थाई प्रतिनिधित्व का भी समर्थन करते हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस और जिनपिंग की बैंकॉक में मुलाकात

बैंकॉक। अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शनिवार को बैंकॉक में संक्षिप्त लेकिन अहम मुलाकात हुई। बैंकाक में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच के शिखर सम्मेलन के लिए दोनों नेता यहां आए हैं। दोनों के बीच गोपनीय बैठक हुई। हैरिस-जिनपिंग मुलाकात में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के बीच संवाद का रास्ता और संचार लाइनें खुली रखने पर बात हुई। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार हैरिस ने जिनपिंग से कहा कि संचार की लाइनें खुली रखनी चाहिए। हैरिस ने राष्ट्रपति जो बाइडन की बाली में की गई टिप्पणी को दोहराया। बाली में बाइडन व जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इसमें कहा गया था कि चीन और अमेरिका को प्रतिस्पर्धा को प्रबंधित करने के लिए संचार लाइनें खुली रखना चाहिए। अमेरिका व चीन के बीच व्यापार और प्रौद्योगिकी, ताइवान पर चीन के दावे, महामारी और हांगकांग तथा मानवाधिकारों के हनन को लेकर मतभेद हैं। इससे पहले शुक्रवार को, हैरिस ने अमेरिका को एक विश्वसनीय आर्थिक भागीदार के रूप में पेश किया। उन्होंने एक व्यापार सम्मेलन में कहा कि अमेरिका एक प्रशांत शक्ति है। उसकी रुचि एक ऐसे क्षेत्र को बढ़ावा देने की है, जो खुला, परस्पर, समृद्ध, सुरक्षित और लचीला हो।

एपेक शिखर सम्मेलन पर भी पड़ा है यूक्रेन युद्ध का साया

बैंकाक ।
एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) के यहां हो रहे शिखर सम्मेलन में आम सहमति बनना मुश्किल मालूम पड़ रहा है। यूक्रेन युद्ध से बने हालात का साया यहां भी पड़ा हुआ है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सम्मेलन में न आने के फैसले यहां आयोजकों को निराशा हुई है। पर्यवेक्षकों की राय है कि बाइडेन के न आने से यहां सारा ध्यान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर केंद्रित रहा है। एपेक के महानिदेशक चर्दचाइ चैइवैविद ने गुरुवार को कहा- 'हालात जैसे हैं, उसी में रहना है- इस नजरिए के साथ एपेक आगे नहीं बढ़ सकता। हमें चुनौतियों का जवाब देना होगा, तभी एपेक प्रासंगिक बना रह सकेगा।' चैइवैविद मेजबान थाईलैंड के अधिकारी हैं। थाईलैंड इस कोशिश में लगा रहा है कि एपेक के सदस्य देशों में मौजूद तमाम तरह के मतभेदों के बावजूद उनके बीच एक न्यूनतम सहमति यहां बनाई जा सके।

थाईलैंड ने कोशिश की है कि खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की ऊंची महंगाई से पैदा हुई मुश्किलों का कोई समाधान निकल सके। विश्लेषकों के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में हुए तीनों शिखर सम्मेलनों के मेजबानों को आम सहमति तैयार करने की कठिन चुनौती से गुजरना पड़ा है। पहले दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ आसियान का शिखर सम्मेलन कंबोडिया की राजधानी नॉम पेन्ह में हुआ। फिर इंडोनेशिया के बाली में जी-20 देशों की शिखर बैठक हुई। अब एपेक शिखर सम्मेलन का मेजबान थाईलैंड है।

अधिकारियों के मुताबिक एपेक के वार्ताकार क्षेत्रीय मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की दिशा में कुछ आगे बढ़े हैं। इस समझौते के तहत फ्री-ट्रेड एरिया ऑफ एशिया पैसिफिक (एफटीएएपी) अस्तित्व में आएगा। बैंकाक शिखर बैठक में वार्ताकारों ने अब तक जो सफलता पाई है, उसके आधार पर चर्चा हो रही है। लेकिन अधिकारियों ने यह भी कहा है कि इस क्षेत्र में दो मुक्त व्यापार समझौते पहले से हैं। इसे देखते हुए एक नया समझौता करने में कई देशों की दिलचस्पी नहीं है। पहले से मौजूद दो समझौते रिजनल कॉम्प्रिहेन्सिव पार्टनरशिप (आरसीईपी) और कॉम्प्रिहेन्सिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट फॉर ट्रांस पैसिफिक (सीपीटीपीपी) हैं। वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम में छपे एक विश्लेषण के मुताबिक एपेक के लक्ष्यों के सामने मुख्य चुनौती भू-राजनीतिक कारणों से पेश आ रही है। चूंकि इस ग्रुप में अमेरिका और उसके साथी देशों के साथ-साथ रूस और चीन भी शामिल हैं, इसलिए इस मौके पर भू-राजनीतिक मसलों पर सहमति बनना कठिन बना हुआ है। इसका असर आर्थिक मुद्दों पर भी पड़ा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस वेबसाइट से कहा- 'एपेक कोई एकमत से कोई बयान जारी कर पाएगा, इसकी उम्मीद कम है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भी ये समस्या सामने आई थी। लेकिन वहां इंडोनेशिया ने उच्च कूटनीतिक कौशल का परिचय दिया। उसने सभी सदस्य देशों को एक बयान पर राजी कर लिया। उस बयान में युद्ध की निंदा की गई, लेकिन यह भी कहा गया कि इस मामले में कई देशों के अलग विचार हैं। यहां अधिकारियों को उम्मीद है कि उसी पैटर्न पर अंतिम बयान तैयार हो सकेगा।

हजारों अफगानों को ईरान की सीमा पर धकेल रहा तुर्की मानवाधिकार रिपोर्ट में दावा

काबुल । तुर्की हजारों अफगान शरणार्थियों को नियमित रूप से ईरान से सटी सीमा से धकेल कर अफगानिस्तान भेज रहा है। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने यह भी पाया कि तुर्की में अफगानों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पंजीकरण कराने से रोका जा रहा है। इन अफगानों को शरणार्थी का दावा करने का भी कोई अवसर नहीं दिया जाता है।

44 हजार से ज्यादा को विमानों से भेजा था

तुर्की ने 2022 के पहले आठ महीनों में 44, 768 अफगानों को हवाई मार्ग से काबुल भेजा था। यह संख्या 2021 के पहले आठ महीनों की तुलना में 150 प्रतिशत अधिक है। अफगानिस्तान पर अगस्त 2021 में तालिबान ने फिर काबिज होकर देश को इस्लामिक अमीरात का रूप दिया है। मानवाधिकार संगठन की 73 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि तुर्की द्वारा अफगानियों को निकाले जाने से संकट गहरा गया है। तुर्की से हाल ही में निर्वासित किए गए कुछ अफगानों ने देश लौटने के दौरान तुर्की पुलिस के दुर्व्यवहार का आरोप लगाया।

जबरन निष्कासन अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ नासिर अहमद तरेकी का कहना है कि तुर्की, ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों का जबरन निष्कासन शरणार्थियों संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन है। इससे इन अफगानों का जीवन खतरे में पड़ सकता है।

तुर्की ने यह वादा किया था

इससे पहले, अफगानिस्तान के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने कहा था कि तुर्की ने अफगान शरणार्थियों को निर्वासित नहीं करने का वादा किया था। शरणार्थियों की समस्या को हल करने के लिए काबुल और अंकारा के बीच एक संयुक्त आयोग की स्थापना की गई है। इस बीच, कुछ विश्लेषकों ने कहा कि पिछले छह महीनों के भीतर लगभग 1,90,000 अफगानों को ईरान से निर्वासित किया गया है। विश्लेषकों के अनुसार, देश में नौकरियों की कमी और मानवाधिकारों के उल्लंघन ने लोगों को अवैध तरीकों से ईरान और तुर्की जैसे पड़ोसी देशों में जाने के लिए मजबूर किया है।

अमेरिका ने की भारत और पीएम मोदी की तारीफ, कहा- जी20 घोषणा-पत्र पर बातचीत में भारत ने अहम भूमिका निभाई

वाशिंगटन । अमेरिका ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि इंडोनेशिया में हाल ही में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के बाली घोषणा पत्र पर बातचीत में भारत ने अहम भूमिका निभाई। अमेरिका ने आज का युग युद्ध का नहीं कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने कहा कि भारत ने शिखर सम्मेलन के घोषणा-पत्र पर बातचीत करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्य प्राथमिकताओं के अलावा हमारे पास एक लचीली वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए वर्तमान खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों को दूर करने के लिए एक रास्ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन गुरुवार को बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होकर इंडोनेशिया से लौटे। भारत दिसंबर में जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

पाकिस्तान के नए सेना प्रमुख की नियुक्त एक-दो दिनों में, इसी माह रिटायर हो रहे बाजवा

कराची । पाकिस्तान में नए सेना प्रमुख की नियुक्ति एक दो दिनों में होने वाली है। देश के आंतरिक सुरक्षा मंत्री सनाउल्लाह ने दावा किया कि पीएम शाहबाज शरीफ जल्दी नियुक्ति करने वाले हैं। मौजूदा सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को रिटायर होने वाले हैं। सनाउल्लाह ने यह भी कहा कि सेना प्रमुख के चयन में देरी ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि पीएम शरीफ ने चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है और नए चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ की नियुक्ति जल्द होने वाली है। बता दें, पाकिस्तान में सेना व इसके प्रमुख का पद राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माना जाता है। इसी पद को लेकर पूर्व पीएम इमरान खान व सेना के बीच तकरार होने व आखिरकार खान को पीएम पद छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने की खबरें आई थीं। मंत्री सनाउल्लाह ने दावा किया कि नए जनरल के नाम को अंतिम रूप दिया जा चुका है, सिर्फ औपचारिक घोषणा की जाना है। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख का चयन प्रधानमंत्री का विवेकाधिकार होता है और वे ही अंतिम फैसला लेंगे। उधर, पाकिस्तान में सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि उनकी पार्टी पदोन्नति से यह पद भरने के पक्ष में है। सेना प्रमुख को पाक सेना की पदोन्नति प्रणाली से ही चुना जाना चाहिए। जरदारी का यह बयान पूर्व पीएम इमरान खान के सुझाव के बाद आया है। इमरान ने कहा था कि सेना प्रमुख के पद पर नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की तरह होना चाहिए। इमरान मैरिट के आधार पर नियुक्ति चाहते हैं। पीपीपी के नेता जरदारी ने कहा कि सभी थ्री स्टार जनरल समान रूप से योग्य व सक्षम हैं। पीएम कानून के मुताबिक नियुक्ति करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले इमरान खान ने दावा किया था कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने तत्काल और पारदर्शी चुनावों पर चर्चा करने के लिए जनरल बाजवा से मुलाकात की है। अल्वी ने कहा कि वे सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की सलाह का पालन करेंगे। वे इसमें बाधा नहीं डाल सकते। इमरान खान ने लाहौर में वरिष्ठ पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक चर्चा में दावा किया था कि अल्वी व बाजवा ने नए सेना प्रमुख की नियुक्ति के संबंध में भी बात की।

सेना का नकाब हर रोज सरकाते ही जा रहे हैं इमरान खान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 'एस्टेब्लिशमेंट' को पूरी तरह बेनकाब कर देने पर उतारू हैं। वे ऐसी बातें सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं, जिन्हें बोलना पहले वर्जित समझा जाता था। पाकिस्तान में सेना और खुफिया तंत्र के नेतृत्व को एस्टेब्लिशमेंट नाम से जाना जाता है। आम धारणा रही है कि देश में असल सत्ता एस्टेब्लिशमेंट के हाथ में ही होती है, लेकिन इसे कहने का साहस इसके पहले किसी राजनेता ने नहीं दिखाया था।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने गुरुवार को बेलाग कहा कि पाकिस्तान में नागरिक सरकार की तुलना में एस्टेब्लिशमेंट 'संपूर्ण सत्ता' का इस्तेमाल करता है। खान लाहौर में पत्रकारों के एक समूह से बात कर रहे थे। उन्होंने यह बात भी दो टूक कही कि प्रधानमंत्री रहते हुए जब उन्होंने रूस की यात्रा की, तो उसके बाद उनके लिए स्थितियां प्रतिकूल हो गईं। इमरान खान ने कहा कि सेनाध्यक्ष जनरल

कमर जावेद बाजवा चाहते थे कि पाकिस्तान यूक्रेन के खिलाफ सैनिक कार्रवाई के मामले में संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ वोट डाले। जबकि उनकी राय थी कि पाकिस्तान को मतदान से गैर-हाजिर रहना चाहिए। इमरान खान ने बताया- 'तब सेनाध्यक्ष ने मुझ से कहा था कि उन पर इस मामले में अमेरिका का दबाव है। जबकि मैंने उनसे कहा कि पाकिस्तान को स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करना चाहिए। इमरान खान ने दोहराया कि पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री की नियुक्ति के सवाल पर भी उनके सेना से मतभेद उभरे थे। सेना ने अलीम खान को मुख्यमंत्री बनाने को कहा था। इमरान खान के मुताबिक तब उन्होंने सेना से कहा था कि अलीम खान पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। तब पीटीआई ने सेना की सलाह की अनदेखी करते हुए उस्मान बजदार को मुख्यमंत्री बना दिया था। पर्यवेक्षकों के मुताबिक ऐसे बयानों से इमरान खान लगातार एस्टेब्लिशमेंट को अधिक नाराज करते जा रहे हैं। लेकिन साथ ही इससे एस्टेब्लिशमेंट किस तरह रोजमर्रा के स्तर पर नीति तय करने और प्रशासन में निर्देश देता है, ये बात भी जनता के सामने आ रही है। इसलिए ऐसे बयानों का इमरान खान के राजनीतिक भविष्य के साथ-साथ प्रशासन में सेना की भूमिका के लिए भी दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

पाकिस्तान के मीडिया में आम तौर पर सेना पर टिप्पणी से बचा जाता है। लेकिन इमरान खान के बयानों का यह असर हुआ है कि सेना की भूमिका यहां भी चर्चित हो गई है। उधर इमरान खान के समर्थक लगातार एस्टेब्लिशमेंट को निशाने पर रखे हुए हैं। उनका आरोप है कि बीते अप्रैल में इमरान खान की सरकार गिराने के पीछे असल हाथ सेना का ही था।

अभी जनरल कमर जावेद बाजवा अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में हैं। उनकी जगह कौन सेनाध्यक्ष बनेगा, यह इस समय पाकिस्तान में सबसे चर्चित मुद्दा है। इस बीच जनरल बाजवा ने गुरुवार को बहालपुर और ओकारा में हुए विदाई समारोहों में हिस्सा लिया। दोनों जगहों पर अपने संबोधन में पाकिस्तानी सेना के 'ऊंचे प्रतिमानों' की तारीफ की और सैनिकों को अपना पेशेवर कौशल बढ़ाने की सलाह दी।

पंजाब : पंजाबी भाषा में लगेंगे सभी साइन बोर्ड

सीएम ने 21 फरवरी तक साइन बोर्ड बदलने के दिए निर्देश

अमृतसर (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाबियों को राज्यभर की सभी निजी और सरकारी इमारतों पर पंजाबी भाषा में साइन बोर्ड लगाने के लिए मुहिम शुरू करने के लिए आगे आने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में पंजाबी भाषा महीना मनाने संबंधी राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र, तमिलनाडु और अन्य राज्यों का उदाहरण देकर कहा कि जहां लोग अपनी मातृभाषा का सम्मान करते हैं, उनकी दुकानों व व्यापारिक संस्थानों पर उनकी मां–बोली में साइन बोर्ड लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है, जब पंजाबियों को भी इस नेक रिवायत को अपनाने के लिए आगे आना चाहिए। भगवंत मान ने पंजाबियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी साइन बोर्डों पर अन्य भाषाओं के साथ पंजाबी को प्रमुखता के साथ लिखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस से पहले पंजाबी में साइन बोर्ड लगाने को यकीनी बनाएं। उन्होंने मातृभाषा के सम्मान के लिए इसको जन लहर बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब निवासी 21 फरवरी से पहले इसको अपना लेंगे और उसके बाद सरकार कार्यवाही करेगी। मुख्यमंत्री ने भारत और विश्व के अलग–अलग हिस्सों में बसने वाले पंजाबी भाईचारे को पंजाबी भाषा और सभ्याचार को बड़े स्तर पर प्रफुल्लित करने का न्योता दिया। भगवंत मान ने कहा कि यह हकीकत है कि कोई भी अपने अमीर सभ्याचार और मां–बोली से दूर नहीं रह सकता। नि:संदेह अंग्रेजी को विश्व भर में एक संपर्क भाषा के तौर पर मान्यता मिली हुई है परंतु इस भाषा को हमारी मां– बोली की कीमत पर आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई अपनी मातृभाषा को भूल जाता है तो यह श्राप है परंतु बदकिस्मती से अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के लालच में पंजाब निवासी अपनी मातृभाषा से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस रुझान पर नकेल डालने की जरूरत है क्योंकि यह एक प्रमाणित तथ्य है कि मानव अपनी मां–बोली में ही बढ़िया ढंग के साथ बातचीत और अभिव्यक्त कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से देशों में पंजाबी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है परंतु यहां हम किसी न किसी तरह इसको बोलने से कतराते हैं। कोई भी भाषा बौद्धिकता का प्रतीक नहीं परंतु बदकिस्मती से हम सिर्फ अंग्रेजी के लिए अपनी मातृभाषा की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। इससे पहले उच्च शिक्षा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने नौजवान पीढ़ी को पंजाब की गौरवमयी विरासत से अवगत करवाने के लिए विभाग की तरफ से किये जा रहे प्रयासों के बारे बताया। मीत हेयर ने कहा कि मातृभाषा किसी भी व्यक्ति के लिए संचार का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा से पकड़ी हेरोइन

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत–पाक सीमा से हेरोइन की खेप बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तान द्वारा यह हेरोइन ड्रोन द्वारा यहां गिराई गई है। जिस बाल्टी में हेरोइन मिली है, वह सीमा पर लावारिस हालत में मिली है। बीएसएफ प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की तरफ से भेजी गई यह खेप तरनतारन के सीमावर्ती गांव वान से बरामद की गई है। यह खेप बीएसएफ जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के करीब फैंसिंग के पार जब्त की। बीएसएफ के जवान शनिवार सुबह जब गश्त पर थे तो उन्होंने एक काले रंग की टूटी हुई बाल्टी देखी। जांच के दौरान बाल्टी में से करीब एक किलो हेरोइन बरामद की गई।

बीजेपी नेताओं ने सुनी जनता की समस्याएं

जम्मू। जम्मू–पुंछ लोकसभा क्षेत्र से सांसद जुगल किशोर शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष व पूर्व विधायक प्रो. घारू राम भागवत, पूर्व एमएलसी गिरधारी लाल रैना व भाजपा सचिव वीनू खन्ना ने सुनीं पीड़िता की समस्याएं आज यहां पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर में जम्मू के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से प्रतिनियुक्ति के साथ–साथ अविवाहित लोग पार्टी कार्यालय पहुंचे, अपनी व्यथा सुनाई और विभिन्न विभागों जैसे पीडीडी, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य आदि से संबंधित अपनी शिकायतों को साझा किया। उनकी समस्याओं को संबंधित के साथ उठाया गया। जुगल किशोर शर्मा व अन्य नेताओं द्वारा विभागों के अधिकारियों व अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर पीड़ितों को संतोष दिया गया. इस अवसर पर बोलते हुए जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग पार्टी कार्यालय में अपने विभिन्न मुद्दों को साझा करने के लिए पहुंचे हैं और पार्टी ने विभिन्न विभागों को बात करके और पत्र लिखकर उनके मुद्दों को हल करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि रोजाना भाजपा नेताओं की बैठकों को मिल रही भारी जन प्रतिक्रिया से ही पता चलता है कि लोगों का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही उनकी समस्याओं को कम कर सकती है।

ओमान शाही परिवार के सदस्य ने की सीएम से मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से शनिवार को उनके आवास पर ओमान सल्तनत के शाही परिवार के सदस्य सैय्यद नवाफ बिन बरघाश अल सईद ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान हरियाणा राज्य और ओमान सल्तनत के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सैय्यद नवाफ बिन बरघाश अल सईद को श्रीमद्भागवद गीता भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्य का निर्यात ग्राफ बढ़ाने के लिए नवाफ बिन बरघाश अल सईद से बासमती चावल के निर्यात और प्रदेश के

कुशल मैनपावर के लिए उद्योगों में रोजगार के अवसरों के साथ अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग पर विचार–विमर्श किया। इसके अलावा, निवेश और व्यापार बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रदान कर उन्हें विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है। इस उद्देश्य के लिए तथा हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करने व व्यापार बढ़ाने के लिए प्रदेश में अलग से विदेश सहयोग विभाग बनाया है। हरियाणा ने दूसरे देशों के साथ समन्वय के लिए विदेश सहयोग विभाग के तहत हरियाणा निर्यात संवर्धन परिषद और हरियाणा विदेशी प्लेसमेंट सेल की स्थापना की है। यह विभाग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और हैफेड के साथ मिलकर एक्सपोर्ट प्रमोशन करेगा।

परिजनों ने युवक के शव को पटियाला चौंक पर रख लगाया जाम

जींद (हिंस)। हकीकत नगर में फाइनेंसरों की प्रताड़ना के चलते हुई हकीकत नगर निवासी कमल सेतिया की मौत के मामले में शनिवार को परिजनों ने पटियाला चौंक पर शव को रखकर जाम लगा दिया। जाम लगाए परिजनों का कहना था कि आरोपी फाइनेंसरों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। 50 लाख की आर्थिक सहायता दी जाए। एक सदस्य को नौकरी तथा परिवार को सुरक्षा दी जाए। परिजनों के लामबंद होने की सूचना मिलने पर एएसपी अर्श कुमार, सीटीएम अमित मौके पर पहुंचे। उन्होंने 24 घंटों के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। लगभग चार घंटे लगे जाम के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पडा। जाम के खुलने तथा अंतिम संस्कार होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। हकीकत नगर निवासी पंकज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका मौसेरा भाई कमल सेतिया (36) बचपन से उनके पास रह रहा था। मूलत: रतिया निवासी कमल सेतिया के माता–पिता की मौत हो चुकी है। कमल उनके पास रह कर कपड़े की फेरी लगाता था। जरूरत पड़ने पर कमल सेतिया ने रुपया चौंक पर फाइनेंस का कार्य करने वाले गांव खटकड़ निवासी अजय से राशि फाइनेंस पर ली थी। ब्याज लगाकर वह राशि 70 हजार रुपए तक जा पहुंची। अजय व उसके साथी कमल पर राशि जमा करवाने के लिए दबाव डाल रहे थे। गत 18 नवंबर दोपहर बाद कमल फेरी लगा कर आया था। उसी दौरान फाइनेंसर अजय व उसके साथी वहां पर पहुंचे और कमल के साथ मारपीट की। जिसमें कमल बेसुध होकर गिर गया। जिस पर आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। सामान्य अस्पताल में लाए जाने पर चिकित्सकों ने कमल को मृत घोषित कर दिया। शहर थाना पुलिस ने पंकज की शिकायत पर गांव खटकड़ निवासी फाइनेंसर अजय को नामजद कर दो अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। चिकित्सक बोर्ड से पोस्टमार्टम करा बिसरे को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। शनिवार को मृतक के परिजन तथा लोगों का धैर्य उस समय जवाब दे गया जब मुकद्दमा दर्ज होने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को पटियाला चौंक पर ले गए और चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया।

राजस्थान में होगा राज्य गाडिया लौहार कल्याण बोर्ड का गठन

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार प्रदेश के सभी वर्गों के विकास एवं उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गाडिया लौहार समाज को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनके पिछड़ेपन को दूर करने के लिए *राजस्थान राज्य गाडिया लौहार कल्याण बोर्ड* के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। राजस्थान राज्य गाडिया लौहार कल्याण बोर्ड द्वारा गाडिया लौहार समाज के विकास एवं कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित करना तथा इस समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्थायी निवास उपलब्ध कराने तथा समुदाय के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित किया जाएगा।

भारत जोड़ो यात्रा के काउंटर में भाजपा 200 विस क्षेत्रों में निकालेगी जन आक्रोश यात्रा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा की ओर से एक दिसम्बर से निकाली जाने वाली जन आक्रोश यात्रा को लेकर पार्टी ने जिला प्रभारी नियुक्त किए हैं। यह यात्रा प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। भाजपा ने जन आक्रोश यात्रा के लिए जिला प्रभारियों की घोषणा कर दी है। इसमें बीकानेर शहर से माधराम चौधरी, बीकानेर देहात से ओपी महिंद्रा, श्रीगंगानगर से अजयपाल सिंह, हनुमानगढ़ से दशरथ सिंह शेखावत, चूरू से सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, जयपुर शहर से मदन दिलावर, जयपुर दक्षिण से गजेंद्र सिंह खींवसर, जयपुर उत्तर से मोहनलाल गुप्ता, सीकर से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झुंझुनूं से सुमेधानंद सरस्वती, अलवर उत्तर से रामलाल शर्मा, अलवर दक्षिण से रामस्वरूप कोली, दौसा से घनश्याम तिवाड़ी, भरतपुर से मुकेश दाधीच, धौलपुर से ज्ञानदेव आहूजा, करौली से किरोडी लाल मीणा, सवाई माधोपुर से प्रभु लाल सैनी और कन्हैया लाल मीणा को जिम्मा दिया गया है। जबकि, अजमेर शहर और अजमेर देहात से प्रसन्न चंद्र मेहता, टोंक से काली चरण सर्राफ, नागौर शहर और नागौर देहात से अरुण चतुर्वेदी, भीलवाड़ा से ताराचंद जैन, जोधपुर शहर से वासुदेव देवनानी, जोधपुर उत्तर और दक्षिण से करण सिंह नेतरा, पाली से राजेंद्र गहलोत, जालोर से प्रताप पुरी महाराज, सिरोही से पुष्प जैन, बाड़मेर से पीपी चौधरी, बालोतरा से घनश्याम डागा, जैसलमेर से सेला राम सारण, उदयपुर उत्तर और देहात से हेमराज मीणा, राजसमंद से कालू लाल गुर्जर, बांसवाड़ा से सूर्या अहारी, डूंगरपुर से चुन्नीलाल गरासिया, चित्तौड़गढ़ से युधिष्ठिर कुमावत, प्रतापगढ़ से धर्मेंद्र राठौड़, कोटा शहर कोटा देहात से सीपी जोशी, बारां से अजीत मेहता, बंदी से सत्यनारायण चौधरी और झालावाड़ से चंद्रकांता मेघवाल को जिले की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की ओर से कांग्रेस और राहुल गांधी को पिछले चार सालों से एक ही मुद्दे पर घेरा जा रहा है। किसान कर्ज माफी के मुद्दे पर भाजपा की ओर से दलील दी जाती रही है कि यदि राहुल गांधी एक से 10 तक की गिनती गिन कर कर्ज माफ करने का वादा नहीं करते तो फिर भाजपा सत्ता में होती।

हलका के पूर्व अध्यक्ष गुलाम कादिर फिर से पीडीपी में हुए शामिल

जम्मू/श्रीनगर। बांदीपोरा जिले में हाजिन (ए) से डीडीसी चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार नाजा बेगम शनिवार को श्रीनगर में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी में शामिल हुईं। पीडीपी के हजान च्यू से हलका के पूर्व अध्यक्ष गुलाम कादिर शेख ने भी उसी कार्यक्रम में अपनी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इस मौके पर अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने दोनों नए लोगों को पार्टी में शामिल होने की बधाई दी। पार्टी के महासचिव रफी अहमद मीर, बांदीपोरा इम्तियाज पर्रे के वरिष्ठ नेता और नूर मोहम्मद भट्ट भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।पार्टी अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने पार्टी में उनका स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी डीडीसी चुनावों के लिए उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेगी। उन्होंने हाजिन में पार्टी कैडर से आग्रह किया कि वह चुनाव जीतने के लिए

हर संभव प्रयास करें। सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने दोनों नए प्रवेशकों का स्वागत करते हुए कहा मैं अपनी पार्टी में आपका स्वागत करता हूं और आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब आप लोगों की सेवा करने के लिए बाहर होंगे तो आपको अपने क्षेत्र में पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं से पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों से नए सदस्यों के नियमति रूप से अपनी पार्टी में शामिल होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा जिस तरह से लगभग हर दिन नए लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं। वह दर्शाता है कि प्रत्येक बीतते दिन के साथ अपनी पार्टी का एजेंडा जनता के बीच अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है। नए सदस्यों के शामिल होने से हमें जम्मू और कश्मीर के बेहतर भविष्य के लिए अपने लक्ष्यों के लिए और अधिक मजबूती से लड़ने का कायाकल्प मिलता है।

लोगों की उम्मीदें नेशनल कांफ्रेंस पर टिकी : बाबू रामपॉल

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के शिक्षति युवा निराश हैं। अधिकांश युवाओं की उम्र अधिक होने वाली है ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा जम्मू–कश्मीर के बेरोजगार युवाओं को विशेष रोजगार पैकेज दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, व्यापार समुदाय को जम्मू–कश्मीर में प्रतिकूल रूप से नुकसान उठाना पड़ा है और इस समुदाय ने अपने कष्टों को कम करने के लिए जम्मू–कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस पर अपनी उच्च उम्मीदें लगाई हैं। उक्त बात पूर्व मंत्री और जोनल अध्यक्ष नैकां बाबू रामपॉल ने कही जो एक युवा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन डॉ. विकास शर्मा जोनल सचिव और समन्वयक जम्मू जिला (शहरी), जेकेएनसी द्वारा किया गया था। बाबू रामपॉल ने कहा कि जब से भाजपा ने सत्ता अपने हाथ में ली है, तब से अधिकांश युवा और आम जनता पूरी तरह से असंतुष्ट महसूस कर रही है और वर्तमान सरकार की युवा विरोधी नीतियों के कारण हताशा की स्थिति में आ गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी एक ज्वलंत मुद्दा है क्योंकि वर्तमान शासन युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में बुरी तरह विफल रहा है। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा ने जम्मू–कश्मीर के लोगों के साथ विश्वासघात किया है, जिसने लोगों से सुशासन सहित कई झूठे वादे किए थे, लेकिन यह लोगों को जमीन पर अच्छा देने में विफल रही है। इसके साथ ही बाबू रामपॉल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहने पर जोर दिया, जो अगले साल किसी भी समय हो सकते हैं। डॉ. विकास शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हम धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल कांफ्रेंस की समाज के गरीब और कमजोर वर्गों की सेवा करने की विरासत है जिसे शेर–ए–कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने शुरू किया था।

चार पूर्व मंत्रियों को मिली एक्स श्रेणी की सुरक्षा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने सीआईडी इनपुट के बाद शनिवार को राज्य के चार पूर्व मंत्रियों को एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। चारों नेता कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे हैं। वर्तमान में यह चारों नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पंजाब पुलिस पिछले कई दिनों से वीआईपी तथा वीवीआईपी श्रेणी के लोगों की सुरक्षा का रिव्यू कर रही है। पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे बलबीर सिंह सिद्धू, गुरप्रीत सिंह कांगड़, जगदीप सिंह नकई तथा पूर्व विधायक अमरजीत सिंह टिक्का की सिक्योरिटी का रिव्यू किया गया है। आईबी ने पंजाब के इन नेताओं पर हमला होने की आशंका जताई है। इसे देखते हुए गृह मंत्रालय ने पंजाब पुलिस को उक्त नेताओं की सिक्योरिटी का रिव्यू करने के निर्देश जारी किए। जिसके बाद शनिवार सुबह सभी नेताओं को सिक्योरिटी कवर प्रदान किया गया।

जानरा व वरणा गांव में बहा रेगिस्तानी संगीत का दरिया

जैसलमेर (हिंस)। यूनेस्को एवं राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को जिले के खुहड़ी के पास स्थित जानरा व वरणा गांव में पर्यटन विभाग एवं यूनेस्को की साझी मेजबानी में रेगिस्तानी संगीत समारोह का भव्य आयोजन हुआ। रेगिस्तानी संगीत के इस दरिया में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकारों ने शानदार सांस्कृतिक लहरियों की प्रस्तुतियां पेश की, वहीं वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी का भी अनूठा प्रदर्शन किया। जनरा में सुविख्यात बाई मालण देवी माता मंदिन प्रांगण में तथा बरणा के रेतीले टीलों पर सांस्कृतिक सांझ शानदार जमी। एक से बढ़कर एक ख्यातनाम लोक कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कर सभी को मोहित किया। जानरा में आयोजित डुए इस *रेगिस्तान संगीत समारोह* के दौरान पंचायत समिति सम के प्रधान तने सिंह सोढ़ा, यूनेस्को के मुख्य निदेशक अमित्वा भट्टाचार्य, अर्पण, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी पर्यटक स्वागत केन्द्र श्रीवल्लभ सेवक के साथ यूनेस्कों के वरिष्ठ पदाधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय ख्यातनाम लोक कलाकार गाजी खां बरणा तथा मालण देवी मंदिर ट्रस्ट के मौजिज गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस दौरान यूनेस्को के डायरेक्टर अमित भट्टाचार्य ने कार्यक्रम के अवसर

पर उपस्थित लोक कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इस मरू लोक संगीत समारोह के आयोजन का मूल उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की परंपरागत लोक संस्कृति और पर्यटन विकास का बढ़ावा देना है। इसके साथ ही जिले के गांव–गांव में लोक कला–लोक संगीत–लोक नृत्य को प्लेटफॉर्म प्रदान कर पर्यटकों को आकृष्ट कर उन्हें रोजगार मुहैया करवाना है। साथ ही कलाकारों का मनोबल बढ़ाना है। इस अवसर पर प्रधान तने सिंह सोढ़ा ने बाई मानण देवी मंदिर परिसर में सांस्कृतिक लोक संगीत समारोह आयोजन के लिए यूनेस्को, राजस्थान पर्यटन विभाग को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नि:सन्देह इस प्रकार के कार्यक्रम से यहां के लोक कलाकारों एवं परंपरागत लोक संस्कृति का अक्षुण बनाए रखने में बहुत बड़ा सुनहरा अवसर मिलेगा। मरू लोक संगीत समारोह का आगाज जानरा के सुप्रसिद्ध लोक कलाकार धानू खां एंड पार्टी तथा अन्य सभी कलाकारों द्वारा बाई मालण देवी की आरती के साथ परंपरागत ढंग से किया गया। इस दौरान अजीज खां एंड पार्टी द्वारा समारोह में पधारे अतिथिगणों के स्वागम में *केसरिया बालम आओ नी पधारों म्हारे देश* स्वागतगान शानदार प्रस्तुति दी। संगीत कार्यक्रम के अवसर पर मूलसागर के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार तगाराम भील, मिश्री खां, गुलू खां पान्धी खां ने अलगोन्जा वादन की सुमधुर स्वर लहरियां बिखेर कर वाहवाही लूटी। जानरा में आयोजित हुए इस लोक संगीत/लोक नृत्य समारोह का मुख्य आकर्षण जैसलमेर की बिली के नाम से विख्यात अन्नू सोलंकी ने घूटना चक्करी नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर जलाल खां एंड लोक कलाकार पार्टी द्वारा भगवान श्री कृष्ण का भजन *सांवरियां थारा नाम हजार कियां लिखूं किंकू पतरी* पेश कर समारोह को भक्ति रस में डूबो दिया। इसके पश्चात अंत में जनरा के नन्हे–मुन्ने बाल कलाकारों द्वारा बड़े ही सुरीली मिठास से लोक संगीत की स्वर लहरियां बिखेर कर पूरे रेगिस्तान को संगीत मय बना दिया।

AUCTION NOTICE

Compliance to M/No. BNS.39/Seizure/2022/26-A, Dated Bongaigaon the 3rd of September, 2022 of the DC, Bongaigaon: it is hereby notified for general information of all concerned that 728 bags of PDS Rice lying at Bongaigaon PS will be auctioned through closed tender on 22.1.2022 in the premises of Bongaigaon Police Station, Bongaigaon. Intending bidders are requested to submit bid application in the sealed cover in the tender box at Bongaigaon PS accordingly. Intending bidders who will participate in the auction process have to deposit earnest money as stated below in favour of Officer-in-Charge. Bongaigaon Police Station (A/C No. 40802853620), on the day of auction after observing all formalities. The syccessful bidder will have to pay the full bid amount on the same day on the spot.

If the successful bidder fails to pay the full bid amount on the spot, then the Committee reserves all right to dispose off the seized rice to the next higher bidder and the security deposit money of the first highest bidder will be forfeited and deposited into the Govt. Treasury.

The successful bidder shall lift the auctioned rice on the same day at his/ her own cost and risk after making full payment of the bid money, failing which the Committee will not be held responsible for any damage or loss to the goods.

1. **Date of submitting application 18.11.2022 at 10 AM to 22.11.2022 at 05 PM.**
2. **Tender open date 23.11.2022 at 10 AM.)**
3. **Earnest money 5% in Demand Draft (per quintal). ,**
4. **Venue : Bongaigaon P.S.**
5. **Bidders should submit essential documents with bid application : (i) GST registration, (ii) PAN Card, (iii) Voter ID and (iv) Demand Draft.**

Description of PDS Rice.

SL. NO.	Case Ref.	Details of Seized Rice	Quantity	Base value
1.	Bongaigaon P.S. Case No. 289/2022, U/S 420/379/511 IPC R/W Sec. 7 of EC Act.	PDS Rice	728 Bags	Rs. 1000 (per quintal)

Sd/-
Asstt. Commissioner, Bongaigaon
-Cum-
Chariman of the Auction Committee.

-- Janasanyog /C/ 14500/22

क्रिप्टो कंपनी एफटीएक्स ने शीर्ष अधिकारियों को निकाला : को-फाउंडर पहले ही दे चुके हैं इस्तीफा, कंपनी हो चुकी है दिवालिया

नई दिल्ली।
बैंक करप्ट क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज एफटीएक्स ने कुछ शीर्ष अधिकारियों को निकाल दिया है। इनमें को-फाउंडर गैरी वांग, इंजीनियरिंग डायरेक्टर निषाद सिंह और कैरोलीन एलिसन शामिल हैं। निषाद और कैरोलीन एफटीएक्स की ट्रेडिंग आर्म अल्मेडा रिसर्च चलाते थे। वॉलस्ट्रीट जर्नल ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। 9 नवंबर को अल्मेडा के कर्मचारियों के साथ वीडियो कॉल पर एलिसन ने कहा कि वह, बैंकमैन-फ्राइड, वांग और सिंह के साथ इस बात को जानती थी कि एफटीएक्स के ग्राहकों के फंड को ट्रेडिंग के लिए अल्मेडा रिसर्च में ट्रांसफर किया गया था।

पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं को-फाउंडर बैंकमैन - एफटीएक्स को लॉन्च करने वाले बैंकमैन-फ्राइड ने 11 नवंबर को इस्तीफा दे दिया था, जब एफटीएक्स ने दिवालियापन के लिए याचिका दायर की थी। इसके बाद उनकी जगह जॉन जे रे को सीईओ बनाया गया।

बैंकमैन-फ्राइड की नेटवर्थ हुई जीरो - इससे पहले एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड के को-फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्राइड की 16 बिलियन डॉलर की वेल्थ महज कुछ दिनों में जीरो हो गई थी। एक समय सैम बैंकमैन की नेटवर्थ 26 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। नेटवर्थ में गिरावट का कारण लिक्विडिटी क्रंच के बाद एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड का दिवालिया होना है।

क्या है पूरा मामला - एफटीएक्स दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एफिलिएटेड क्रिप्टो ट्रेडिंग कंपनी थी। फाइनेंशियल गड़बड़ियों के कारण लिक्विडिटी क्रंच (वित्तीय संकट) में आई एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड दिवालिया हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सैम बैंकमैन-फ्राइड ने गुप्त रूप से एफटीएक्स से अल्मेडा में 10 बिलियन डॉलर के कस्टमर फंड ट्रांसफर किए थे। अल्मेडा इस फंड का इस्तेमाल ट्रेडिंग के लिए करती थी।

जब ट्रेडिंग में इस फर्म को बड़ा लॉस हुआ तो क्रिप्टो पब्लिकेशन कॉइनडेस्क ने एक लीक बैलेंस शीट पर रिपोर्ट पब्लिश की थी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद एफटीएक्स में उथल-पुथल शुरू हो गई। एफटीएक्स के पास तीन दिनों में अनुमानित 6 बिलियन डॉलर की विड्रॉल रिक्वेस्ट आ गई। एफटीएक्स अचानक आई इतनी विड्रॉल रिक्वेस्ट से लिक्विडिटी क्रंच में आ गया यानी वो विड्रॉल रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने की स्थिति में नहीं था। इसके बाद उसने बैंकरप्ट होने की रिक्वेस्ट डाली।

न्यूज़ ब्रीफ

लौह अयस्क व स्टील के निर्यात पर अब ड्यूटी नहीं

नई दिल्ली । सरकार ने शुक्रवार को लौह अयस्क और कई स्टील उत्पादों पर निर्यात शुल्क हटाने का फैसला किया। लौह अयस्क और स्टील वे सेक्टर हैं जहां निर्यात में कमी दर्ज की गई है। अक्तूबर महीने में कुल निर्यात में 16प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। यह लगभग 20 महीनों में आई पहली गिरावट है। सरकार ने शुक्रवार को आयरन ओर लंप्स और फाइन एंड पेलेट्स पर एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म करने का फैसला किया। कुछ शीर्षकों के तहत वर्गीकृत पिग आयरन और स्टील उत्पादों के निर्यात पर भी शून्य निर्यात शुल्क लगाने का फैसला लिया गया है। वहीं, एन्थ्रेसाइट/पीसीआई, कोकिंग कोल और फेरोनिकेल पर अब 2.5प्रतिशत का आयात शुल्क लगेगा, जबकि कोक और सेमी कोक पर 5प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। बढ़ती महंगाई के बीच सरकार ने गर्मियों में गेहूं और स्टील के निर्यात पर अंकुश लगाया था। फिर कुछ प्रकार के चावलों के निर्यात पर रोक लगाई थी। इस महीने की शुरुआत में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि स्टील और चावल पर लागू निर्यात प्रतिबंधों की सरकार समीक्षा कर सकती है।

हल्दीराम के अलग-अलग कारोबार का होगा विलय

नई दिल्ली । शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बीकाजी को शेयर बाजार में अच्छी शुरुआत मिलने के बाद एक और स्नैक्स ब्रांड इक्विटी मार्केट में दस्तक देने की तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दिल्ली और नागपुर में हल्दीराम ब्रांड नेम का इस्तेमाल कर अलग-अलग कारोबार चलाने वाले तीन भाइयों ने अपने स्नैक्स बिजनेस के कारोबार संचालन को मर्ज करने का फैसला लिया है। इस विलय का लक्ष्य एकीकृत और मजबूत हल्दीराम ब्रांड नेम बनाना है। इस कवायद की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, यह विलय अगले 18 महीनों में शेयर बााजर में प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की योजना का हिस्सा है। हल्दीराम की शुरुआत 1930 के दशक में शुरू हुई जब गंगाबिशन अग्रवाल ने अपनी स्नैक्स कंपनी की स्थापना की थी। छह दशक बाद उनके पोते शिव रतन अग्रवाल 1993 में बीकाजी नामक अपना ब्रांड शुरू करने के लिए अलग हुए। बीकाजी राजस्थान, असम और बिहार के अपने प्रमुख बाजारों में अलग पहचान बनाते हुए मार्केट लीडर के रूप में उभरा है।

एयर इंडिया में मर्ज हो सकता है विस्तारा ब्रांडः टाटा ग्रुप ने चार एयरलाइंस एक साथ मिलने के संकेत दिए

मुंबई। टाटा ग्रुप एअर इंडिया के तहत अपने चार एयरलाइन ब्रांड को मर्ज करने और विस्तारा ब्रांड को खत्म करने पर विचार कर रहा है। ग्रुप यह कवायद लड़खड़ाते एविएशन एम्पायर को फिर से खड़ा करने के प्रयासों के तहत कर रहा है। घटनाक्रम से करीबी तौर पर जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। विस्तारा एयरलाइंस, टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का जॉइंट वेंचर है। कंपनी जॉइंट यूनिट में हिस्सेदारी के आकार का मूल्यांकन कर रही है। सिंगापुर एयरलाइंस ने एक बयान में कहा है कि टाटा ग्रुप के बीच बातचीत चल रही है। टाटा मौजूदा साझेदारी को गहरा करना चाहते हैं। इसके लिए विस्तारा और एयर इंडिया का एकीकरण भी किया जा सकता है। एअर इंडिया का नया मालिक टाटा ग्रुप इस कंपनी को दोबारा खड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इस कड़ी में फुल सर्विस कैरियर 300 से अधिक नैरो-बॉडी जेट के लिए ऑर्डर देने पर विचार कर रही है। यह लेनदेन कमर्शियल एविएशन हिस्ट्री के अब तक के सबसे बड़े ऑर्डर में से एक होगा। बोइंग और एयरबस पहले से इस ऑर्डर का बड़ा हिस्सा लेने के प्रयास में हैं।

एयरलाइन दोबारा कब शुरू होगी यह अब भी साफ नहीं, 10प्रतिशत कर्मी बिना वेतन के छुट्टी पर भेजे गए

नई दिल्ली ।
विमानन कंपनी जेट एयरवेज के भविष्य को लेकर बने अनिश्चितता के माहौल के बीच जालान कालरॉक कंर्सोटियम ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिवाला समाधान योजना की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया है और नकदी के प्रवाह को व्यवस्थित करने के लिए निकट भविष्य में उसे कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं।

कंर्सोटियम की समाधान योजना को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने पिछले वर्ष जून में मंजूरी दी थी। एयरलाइन को भी नागर विमानन महानिदेशालय से इस साल मई में हवाई परिचालन का प्रमाणपत्र मिल गया, उसके बावजूद जेट एयरवेज का परिचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। यह कब तक दोबारा शुरू हो पाएगा इस पर स्थिति अब भी साफ नहीं है।

जालान कालरॉक कंर्सोटियम (जेकेसी) ने एक बयान में कहा, 'हम एनसीएलटी की प्रक्रिया के मुताबिक कंपनी की कमान अपने हाथों में आने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन इसमें अतिरिक्त समय लग रहा है इसके कारण हमें निकट भविष्य में कठिन लेकिन जरूरी निर्णय लेने होंगे जिससे कि नकदी के प्रवाह को व्यवस्थित और भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। एयरलाइन अब तक हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आई है।

जेकेसी ने कहा कि एयरलाइन को पुन: शुरू करने की दिशा में अहम प्रगति हो रही है। उसने आगे कहा, ''हमने समाधान योजना की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया है और जेट एयरवेज को नए सिरे से शुरू करने की हमारी प्रतिबद्धता है।

इसमें आगे कहा गया, ''एनसीएलटी की मंजूरी के बाद, समाधान योजना में बताई गई सभी शर्तों को 20 मई 2022 तक पूरा कर लिया गया था और इस बाबत आवश्यक फाइलिंग भी 21 मई 2022 को एनसीएलटी के समक्ष कर दी गई।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने पिछले महीने कंर्सोटियम को निर्देश दिया था कि वह एयरलाइन के कर्मचारियों को बकाया भविष्य निधि और ग्रेच्युटी का भुगतान करे। पहले ऐसी योजना थी कि एयरलाइन को अक्तूबर 2022 तक शुरू कर दिया जाएगा।

दस प्रतिशत कर्मियों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेजा गया

उधर, जेट एयरवेज के सीईओ संजीव कपूर के अनुसार, एयरलाइन ने अपने 10प्रतिशत कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया है और 30प्रतिशत के वेतन में कटौती की है। यह कार्रवाई प्रवर्तकों जालान-कलरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) और उसके उधारदाताओं के बीच गतिरोध के बाद की गई है। बता दें कि इस गतिरोध के कारण एयरलाइन की सेवाएं दोबारा शुरू करने में देरी हो रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में जेकेसी ने एनसीएलएटी से गुहार लगाई थी कि जेट कर्मचारियों की ग्रेच्युटी बकाया राशि का भुगतान एयरलाइन के मौजूदा कैश बैलेंस और उधारदाताओं के फंड से किया जाना चाहिए। अक्टूबर में एनसीएलएटी ने कंसोर्टियम को जून 2019 में दिवाला प्रक्रिया शुरू होने की तारीख तक एयरलाइन के कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और भविष्य निधि का भुगतान करने का निर्देश दिया था। कुल दावा करीब 275 करोड़ का है।

1200 कर्मियों के इस्तीफे के एक दिन बाद मस्क ने उठाया बड़ा कदम, इंजीनियरों को भेजा एसओएस संदेश

नई दिल्ली।
ट्विटर के सैकड़ों कर्मचारियों के इस्तीफा देने के एक दिन बाद कंपनी के नए मालिक एलन मस्क ने कर्मचारियों को एक एसओएस संदेश भेजा है। संदेश में मस्क ने लिखा, कोई भी जो सॉफ्टवेयर लिखता है, मस्क ने एक ईमेल में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को सैन फ्रांसिस्को जाने और व्यक्तिगत रूप से ट्विटर कार्यालय में आने के लिए कहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मस्क ने कहा कि केवल वे लोग जो शारीरिक रूप से नहीं पहुंच सकते हैं।

पारिवारिक आपात स्थिति में हैं, उन्हें मौजूद रहने से छूट दी जाएगी। ट्विटर के इंजीनियरों से कहा गया था कि पिछले छह महीनों में उनके कोडिंग कार्य ने जो हासिल किया है, उसका एक बुलेट-पॉइंट सारांश मस्क को भेजें इसके साथ ही कोड की सबसे प्रमुख लाइनों के 10 स्क्रीनशॉट भी भेजें।

मस्क की ओर से भेजे गए एक ईमेल में कहा गया कि बैठकें छोटी होंगी और इसका आयोजन मस्क को ट्विटर टेक स्टैक को समझने में मदद करने के लिए किया जा रहा है।

कर्मचारियों के छोड़ने के बाद ट्विटर को अपने कार्यालय को बंद करने के लिए मजबूर होने के घंटों बाद कर्मियों को यह मेल भेजा गया। बता दें कि पूर्व में मस्क ने कर्मचारियों से लंबे समय तक काम करने या अपनी नौकरी खोने के बीच चयन करने के लिए कहा था। कम से कम 1,200 कर्मचारियों ने कल इस्तीफा दे दिया, जिससे कर्मियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई कि किन-किन लोगों के पास कंपनी की संपत्तियों तक अब भी पहुंच है।

निवेशकों से धोखाधड़ी के लिए एलिजाबेथ होम्स को अदालत ने सुनाई 11 साल की सजा

वाशिंगटन ।
रक्त परीक्षण स्टार्टअप थेरानोस की संस्थापक एलिजाबेथ होम्स को अदालत ने निवेशकों को धोखा देने के लिए 11 साल, तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। एलिजाबेथ ने मात्र 19 साल की उम्र में थेरानोस की शुरुआत की थी और वह दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला अरबपति बन गईं। वहीं 2018 में थेरानोस स्टार्टअप को पूरी तरह से बंद कर दिया था। एलिजाबेथ होम्स ने अमेरिका में ब्लड टेस्ट में क्रांति लाने का वादा किया था। आरोप है कि इसके नाम पर उन्होंने निवेशकों को धोखा दिया। कैलिफोर्निया में अमेरिकी जिला जज एडवर्ड डेविला ने होम्स को निवेशक धोखाधड़ी के तीन और साजिश के एक मामले में सजा सुनाई।

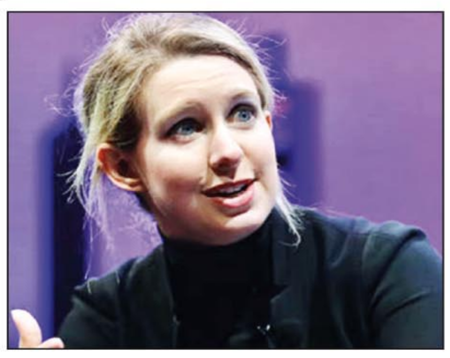

ज्यूरी ने 38 वर्षीय होम्स को तीन महीने तक चले मुकदमे के बाद इस साल की शुरुआत में दोषी ठहराया था। सुनवाई के दौरान होम्स ने रोते हुए कहा कि वह अपनी असफलताओं से निराश हैं। अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह कई चीजें अलग तरीके से करतीं।

दरअसल, होम्स एक स्टार्टअप शुरू किया था। उन्होंने कहा था कि वह एक ऐसी ब्लड एनालाइजर विकसित की है, जिसे कहीं भी ले जाया जा सकेगा। इस मशीन से आसानी से ब्लड टेस्ट हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड व क्रिप्टो में निवेश करने में महिलाएं आगे, बढ़ती महंगाई को लेकर ज्यादा गंभीर

नई दिल्ली।
भविष्य की जरूरतों को देखते हुए महिलाएं बचत के साधनों में निवेश करने में पुरुषों से आगे हैं। वे न सिर्फ निवेश के पारंपरिक साधन फिक्स्ड डिपॉजिट में पैसा लगा रही हैं बल्कि म्यूचुअल फंड और क्रिप्टो में भी निवेश करने में पीछे नहीं हैं। बैंकबाजार की रिपोर्ट के मुताबिक, 59.92 फीसदी महिलाएं म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर रही हैं।

पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 55.57प्रतिशत है। 54.25प्रतिशत महिलाओं के पास एफडी है, जबकि 53.64प्रतिशत पुरुष ही एफडी में पैसा जमा कर रहे हैं। क्रिप्टो में 34.28प्रतिशत महिलाओं ने पैसा लगाया है, जबकि पुरुषों के

मामले में आंकड़ा 30.19प्रतिशत है। सर्वे 1,675 लोगों से बातचीत पर आधारित है। 59.92प्रतिशत महिलाओं का म्यूचुअल फंड में निवेश पुरुषों की संख्या 55.57 फीसदी 54.25प्रतिशत आधी आबादी के पास एफडी पुरुषों में आंकड़ा 53.64प्रतिशत रिटायरमेंट प्लानिंग में भी आगे आधी आबादी रिटायरमेंट प्लानिंग में भी महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं आगे हैं। सर्वे में शामिल 60 फीसदी उत्तरदाता रिटायरमेंट फंड के लिए निवेश कर रहे हैं। इनमें महिलाओं की हिस्सेदारी 68 फीसदी है, जबकि पुरुषों की 54 फीसदी। आमतौर पर लोग 20-30 साल की उम्र के बीच रिटायरमेंट फंड बनाने की शुरुआत करते हैं। 22-27 साल (अर्ली जॉबर) की उम्र की 55 फीसदी महिलाएं एक करोड़ रुपये या इससे ज्यादा रकम का रिटायरमेंट फंड बनाना चाहती हैं। कुल मिलाकर 48 फीसदी महिलाओं का लक्ष्य एक करोड़ रुपये या इससे ज्यादा का फंड बनाने का है, जबकि 40 फीसदी पुरुषों की ही ऐसी योजना है। दो करोड़ रुपये या ज्यादा के फंड के लिए 15प्रतिशत महिलाएं ही निवेश कर रही हैं। 18प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पुरुष आगे हैं। सर्वे के मुताबिक, कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुए 69 फीसदी लोग हॉस्पिटलाइजेशन जैसे आपात खर्च से बचने के लिए ज्यादा बचत कर रहे हैं।

तुर्की के शेफ ने साझा किया 1.36 करोड़ रुपये का रेस्तरां बिल; लोग भड़के, बोले- 'ये तो पागलपन है

नई दिल्ली ।
तर्की के मशहूर नुस्र एट गोक्सी उर्फ सॉल्ट बाए ने सोशल मीडिया पर अबु धाबी के एक रेस्तरां का बिल साझा किया है। बिल की राशि देखकर लोग भैचक्के रह गए हैं। सॉल्ट बाए ने जिस भोजन के बिल को साझा किया है उसकी देय राशि भारतीय रुपयों में करीब 1.36 करोड़ रुपये है। सॉल्ट बाए इससे पहले वर्ष 2017 में सोशल मीडिया पर एक मीम के वायरल होने के बाद चर्चा में आए थे। अपने व्यंजनों में एक खास तरीके से नमक की सीजनिंग करने की विशेषज्ञता के चलते वे रातोंरात सोशल मीडिया पर मशहूर हो गए थे। वर्तमान में वे दुनिया के सभी प्रमुख शहरों में रेस्तरां की एक चेन के मालिक हैं।

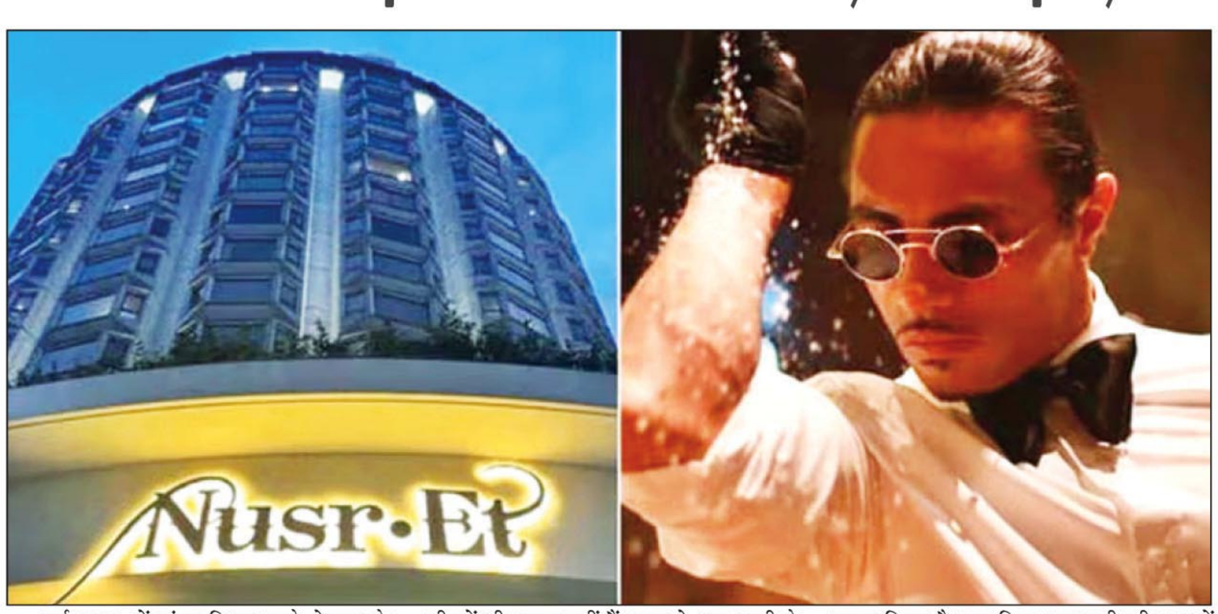

वर्ष 2021 में लंदन स्थित उनके रेस्तरा के महंगे मेनू प्राइस के बारे में जानकर लोग चकित रह गए थे। उनके अबु धाबी स्थित रेस्तरां की कीमतें भी अलग नहीं हैं। बाए ने अबु धाबी के अल मरयाह आईलैंड के द गैलेरिया स्थित अपने रेस्तरां के बिल को सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह बिल अबुधाबी की मुद्रा में 6,15,065 एईडी का है, भारतीय मुद्रा में यह राशि करीब 1.36 करोड़ यानी एक करोड़ 36 लाख रुपये होती है। यह बिल 17 नवंबर 2017 का है। भोजन के इस बिल में जिन महंगी चीजों का जिक्र है उनमें महंगी शराब बोरदेयॉक्स, बकलावा और सिग्नेचर गोल्ड प्लेटेड इस्तांबुल स्टिक शामिल है। सॉल्ट बाए ने बिल की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा (गुणवत्तापूर्ण चीजें कभी महंगी नहीं होती)। सॉल्ट बाए के रेस्तरा के इस महंगे बिल को देखकर सोशल मीडिया पर लोग चौंक गए। एक यूजर ने इसे देखकर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'मुर्खतापूर्ण है, इतनी राशि से एक पूरे गांव के लोगों को भूख से मरने से बचाया जा सकता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'उम्मीद है आप अपने कर्मचारियों को भी उसी अनुपात में सैलरी देते होंगे'। एक यूजर ने इस महंगी बिल पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'इससे कोई मतलब नहीं है कि मैं कितना अमीर हूं, पर मैं इस तरह के पागलपन का समर्थन नहीं कर सकता।' एक अन्य यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'यह साफ तौर पर मुर्खतापूर्ण और दिन के उजाले में की गई लूट है। आपकी 1.36 करोड़ रुपये के खाने के बिल पर क्या राय है सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए जरूर लिखें।

अर्यमन सेठ को 2 दिन तक बगैर भोजन के रखा गया

-आतंकवाद ग्रस्त कश्मीरी युवा की भूमिका निभा रहे आर्यमन

मुंबई (ईएमएस)। आतंकवाद ग्रस्त कश्मीरी युवा की भूमिका निभा रहे अभिनेता आर्यमन सेठ ने साझा किया कि उन्होंने दो दिनों तक कुछ भी नहीं खाया। शो में एक विशेष द्रश्य को प्रामाणिकता दें जहां उनके चरित्र को बिना भोजन के रखा गया था। हाल ही में रिलीज हुए स्ट्रीमिंग शो 'तनाव' में अपने आसपास के सामाजिक-राजनीतिक बदलावों से प्रभावित कश्मीरी युवाओं को दिखाया गया है। 'तनाव', हिट इजराइली शो 'फौदा' का रीमेक है, और कश्मीर में इसकी भौतिक सेटिंग को आधार बनाता है। एक किस्सा सझा करते हुए, अभिनेता, जो "बंदूक चलाना भी नहीं जानता था", कहते हैं, "प्रदर्शन के भौतिक पहलुओं को सीखा जा सकता था, लेकिन जो महत्वपूर्ण था वह चरित्र के मानस को आकर्षित कर रहा था। एक कुंजी थी मेरा ध्श्य जहां मुझे पकड़ लिया गया और मुझे क्रूरता से प्रताड़ित किया गया। यह एक प्रमुख ध्श्य था जिसमें उन्होंने मेरे पेट में बम लगाया और उस क्रम के लिए एक विशेष मूड की आवश्यकता थी। इस आदमी को बिना भोजन और नींद के रखा गया था, इसलिए तैयारी के लिए मैंने खाना नहीं खाया दो दिन तक।"एक अन्य घटना का वर्णन करते हुए जो चरित्र के प्रति उनके भावनात्मक लगाव को दर्शाता है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह इसे सही करने के लिए कितना समर्पित था, वह साझा करता है, "एक ध्श्य था जिसमें मुझ पर गर्म चाय गिराई गई थी। अब, सेट पर, वे स्पष्ट रूप से गुनगुने पानी का उपयोग करते हैं।" चाय इसलिए उस तरह की प्रतिक्रिया नहीं थी जैसी मैं इस पल के लिए देना चाहता था।

पूर्व पीएम वाजपेयी पर बनेगी फिल्म, पंकज त्रिपाठी निभाएंगे अटल जी का किरदार

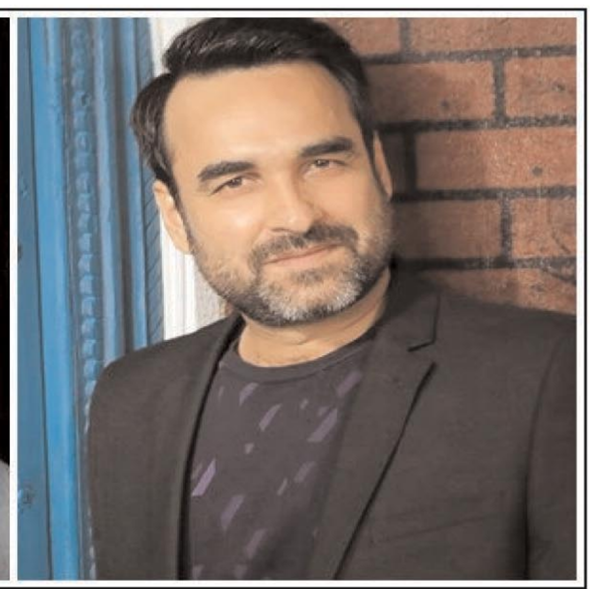

मुंबई (ईएमएस)। हिंदी सिनेमा में इनदिनों ऐसी फिल्मों का दौर चल रहा है, जिनकी कहानियां और किरदार राजनीति और राजनेताओं से प्रेरित या प्रभावित हैं। ऐसी ही एक नई फिल्म की घोषणा शुक्रवार को हुई। फिल्म का शीर्षक है- मैं रहूं या ना रहूं, यह देश रहना चाहिए अटल'। जैसा कि शीर्षक से जाहिर है, यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक है, उनका किरदार अभिनेता पंकज त्रिपाठी निभाएंगे। फिल्म उत्कर्ष नैथानी ने लिखी है, जबकि इसका निर्देशन रवि जाधव कर रहे हैं, जो तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके हैं। यह फिल्म वाजपेयी के निजी और राजनीतिक सफर को दिखाएगी। अटल जी भारतीय राजनीति के उन नायकों में शामिल हैं, जिन्होंने बड़े स्तर पर देश की सियासत को प्रभावित किया था। उनकी हाजिरजबावी और बोलने के अंदाज के दोस्त ही नहीं, बल्कि सियासी प्रतिद्वंद्वी भी कायल थे। कवि के रूप में भी उन्हें काफी शोहरत मिली। जनसंघ की स्थापना से लेकर भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और प्रधानमंत्री बनने तक, अटल जी की यात्रा प्रेरक रही है। भारतीय राजनीति की इतनी बड़ी शख्सियत का किरदार निभाने का मौका मिलने पर पंकज त्रिपाठी खुद को खुशनसीब मानते हैं। पंकज ने कहा- "पर्दे पर उस राजनेता का किरदार निभाना सम्मान की बात है। वहां सिर्फ राजनेता नहीं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा था। जबरदस्त लेखक और विख्यात कवि। उन्हें पर्दे पर पेश करना मेरी खुशनसीबी है।" जाधव, मराठी सिनेमा के जाने-माने निर्देशक हैं। उन्होंने नटरंग और बालगंधर्व जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। जाधव ने कहा, अटल जी जैसा व्यक्तित्व और पंकज जैसा अदाकार, इस फिल्म को निर्देशित करना किसी सुनहरे मौके से कम नहीं है। एक निर्देशक के तौर पर अटल जी से बेहतर कहानी की कल्पना नहीं कर सकता था। इससे भी बढ़कर, पंकज जैसा कलाकार मिलना, निमार्ताओं के लिए भी अच्छा रहेगा।'फिल्म का निर्माण विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान और कमलेश भानुशाली कर रहे हैं। जीशान अहमद और शिव शर्मा सह निमार्ता हैं।

जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने वाले हैं इब्राहिम

-धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म से करने वाले है डेब्यू

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के बच्चे भी अब बॉलीवुड में अपने अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं। जहां एक ओर सैफ अली खान की लाडली सारा अली खान सक्सेसफुल डेब्यू कर चुकी हैं तो अब सबकी नजरे बेटे इब्राहिम पर है। खबरें हैं कि इब्राहिम जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने वाले हैं।

फिलहाल, करण जौहर की अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में वह असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं। ये वही फिल्म है जिसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट एक बार फिर नजर आएंगे। खबर आ रही है कि जल्द ही धर्मा प्रोडक्शन एक फिल्म बनाने वाला है, जिस्का निर्देशन बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी करने वाले हैं। इब्राहिम इस फिल्म से बॉलीवुड में एक्टिंग डेब्यू करेंगे। फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन, फिल्म को लेकर साल 2023 में काम शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि बाकी स्टार किड्स की तरह ही इब्राहिम भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहते हैं। अपने गुड लुक्स की वजह से उन्हें लोग काफी पसंद करते हैं। वह अक्सर अपनी बहन सारा अली खान के साथ नजर आते हैं। मालूम हो कि सैफ अली इन दिनों आदिपुरुष फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। उनकी पूरी फैमिली इस इंडस्ट्री का हिस्सा रही है। सभी जाने माने स्टार हैं। बात मां शर्मिला टेगौर की हो तो वह भी हिंदी सिनेमा की काफी लोकप्रिय एक्ट्रेस रही हैं तो सैफ की वाइफ करीना कपूर भी इंडस्ट्री में काफी साल बिता चुकी हैं।

अनन्या पांडे कर रही न्यूयॉर्क में ले रही वेकेशन का आंनद, तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे फिल्म इंडस्ट्री की उन कम उम्र की अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने बेहद ही कम उम्र में अपनी एक खास जगह बनी हैं। अनन्या अपने काम के साथ अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी चर्चा में रहती हैं। अभिनय के साथ ही अनन्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी खूब सक्रिय रहती हैं। इसी बीच अपने काम से ब्रेक लेकर अनन्या इन दिनों न्यूयॉर्क में फुरसत के समय बिता रही हैं। अपने वेकेशन की तस्वीरें ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं।अनन्या ने न्यूयॉर्क वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में उनके हाथ में एक कॉफी मग है और वहां इस एंजॉय करती दिख रही हैं। वहीं दूसरी में वहां अपने हाथ में एक और ड्रिंक का ग्लास लिए न्यूयॉर्क की गलियों में सैर सपाटा करती दिख रही हैं। इसके अलावा एक तस्वीर में उनके साथ कई अन्य लोग भी दिख रहे हैं, जिसमें एक उन्हें अपने हाथों से कुछ खिलाती दिख रही हैं।

तमन्ना ने शादी की अफवाहों पर लगाया विराम

- पपाराजियों से परेशान होकर दिखाई मंगेतर की फोटो

मुंबई (ईएमएस)। अफवाहें थी कि साउथ एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया जल्द ही शादी करने वाली हैं। वो भी जाने-माने बिजनेसमैन से। लेकिन अब तक एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर हामी नहीं भरी थी। अब उन्होंने इसका जवाब भी दिया है और सबकुछ क्लियर भी कर दिया है। तमन्ना भाटिया ने अपनी शादी की अफवाहों पर पपाराजी के पोस्ट पर रिएक्शन दिया। इंस्टाग्राम पर पपाराजी ने हरे रंग की साड़ी में तमन्ना का एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह एक कमरे में एंट्री कर रही थीं और दरवाजा बंद कर रही थीं। कैप्शन में लिखा है, 'तमन्ना भाटिया की शादी की अफवाहें। क्या वह एक बिजनेसमैन से शादी कर रही हैं, जिन्हें उन्होंने लुभाने की कोशिश की ???' इंस्टाग्राम स्टोरीज पर क्लिप शेयर करते हुए तमन्ना ने मोनोकल इमोजीस के साथ कई चेहरे जोड़े और लिखा, 'सच में???' इसके बाद तमन्ना ने अपना एक वीडियो पोस्ट किया। क्लिप में उन्होंने छोटे बालों और मूंछों वाले एक आदमी की तरह कपड़े पहने थे। तमन्ना ने व्हाइट टी-शर्ट, ग्रीन जैकेट, डार्क पैंट और व्हाइट स्नीकर्स पहने थे। वीडियो में वह उसी जगह पर थीं जैसे पिछली क्लिप में थीं। उन्होंने दरवाजा खोला, तरह-तरह के पोज दिए और फिर झट से दरवाजा बंद कर दिया। एक्ट्रेस ने लिखा, 'पेश हैं मेरे बिजनेसमैन पति। (हंसते हुए इमोजी) ।' जबकि वो खुद लड़के के वेश में थीं। तमन्ना ने हैशटैग 'शादी की अफवाहें' और 'हर कोई मेरी जिंदगी की कहानी' जोड़ा। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तमन्ना मुंबई के एक बिजनेसमैन के साथ शादी करेंगी। एक की रिपोर्ट के अनुसार, बिजनेसमैन कुछ समय से उनका दिल जीतने की कोशिश कर रहे हैं। इस साल की शुरूआत में भी तमन्ना की शादी की खबरें सामने आई थीं। जानकारी के मुताबिक, तमन्ना ने तब कहा था, 'मैं अभी शादी करने के मूड में नहीं हूं। मेरा करियर अभी बहुत अच्छा चल रहा है और मैं अपने करियर पर ध्यान देना चाहती हूं।' फैंस ने हाल ही में तमन्ना को मधुर भंडारकर की निर्देशित कॉमेडी फिल्म 'बबली बाउंसर' में देखा था। इसमें साहिल वैद, सौरभ शुक्ला और अभिषेक बजाज ने भी लीड रोल्स में थे। फिल्म का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ था। उन्हें शशांक घोष की निर्देशित 'प्लान ए प्लान बी' में भी देखा गया था। इसमें रितेश देशमुख, पूनम ढिल्लों और कुशा कपिला भी थीं। मालूम हो कि तमन्ना इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा हैं। उनकी सोशल मीडिया पर बेहतरीन फैन फॉलोइंग है। तमन्ना अक्सर पपाराजी के साथ मस्ती करती रहती हैं और वो भी उनसे बातें करने का एक भी मौका नहीं गंवाते हैं।

सज्जाद वास्तव में अच्छा कलाकार है: सलमान

-सलमान ने की तुलना शोले के गब्बर सिंह से

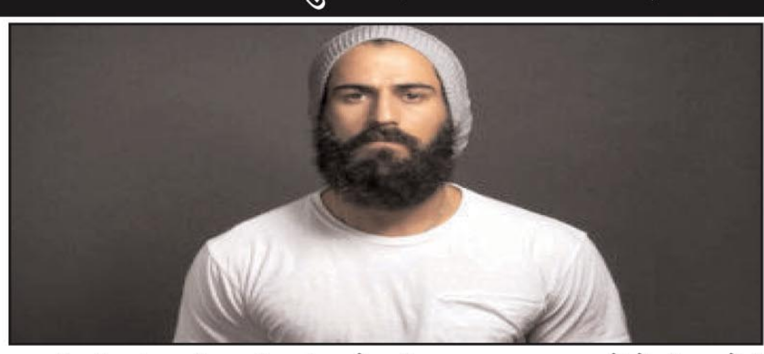

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड का नया खलनायक सज्जाद डेलाफ्रूज कुछ बड़ा करने के मिशन पर हैं। सलमान खान की टाइगर ज़िंदा है में खतरनाक खलनायक, अबू उस्मान के उनके किरदार ने अंततः उन्हें बॉलीवुड के सबसे असाधारण कलाकारों में से एक के रूप में पुख्ता कर दिया। उनके प्रदर्शन के कारण, अभिनय के दिग्गज सलमान खान भी सज्जाद की कड़ी मेहनत और अभिनय के लिए उनकी प्रशंसा करना बंद नहीं कर पा रहे है। सलमान खान ने एक साक्षात्कार में, सज्जाद के उत्कृष्ट काम के बारे में बात की और कहा, "सज्जाद वास्तव में अच्छा कलाकार है, मुझे लगता है कि सज्जाद गब्बर सिंह में खलनायक के स्तर पर किया हुआ किरदार है।" उन्होंने एक अविश्वसनीय काम किया था। हम सब बहुत ज्यादा बेचैन थे की एक नया लड़का विल्लिअन का किरदार कैसे निभा पायेगा, कर पायेगा की नहीं, लेकिन उसने ऐसा किया" लाजवाबे जिस पर निर्देशक ने भी कहा कि, "यहां तक कि सलीम अंकल ने भी यही बात कही, जब उन्होंने फिल्म देखी तो उन्होंने कहा कि यह खलनायक के किरदार में बहुत शक्तिशाली है और एकदम गब्बर के कैसा किया है, और मुझे लगता है कि सज्जाद के लिए यह एक बहुत बड़ी तारीफ है।" सलमान ने आगे उनकी सराहना करते हुए कहा, "जो सेट उन्हें दिया गया था वह उनके लिए था, लेकिन उन्होंने इसे इतनी अच्छी तरह से निभाया है, वह बहुत ही सरल व्यक्ति हैं, लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया, वह बहुत दबाव में थे, फिल्म में।" खूबसूरती यह है कि उन्होंने अधिक से अधिक संवाद अंग्रेजी में किए और फिर भी उनकी सराहना की गई और उन्होंने फिल्म में वह आतंक फैलाया और वह बहुत प्यारे आदमी हैं।"

"मैं उस तरह का अभिनेता हूं जो उम्मीदों के बिना काम करता हु, इसलिए मुझे सब कुछ अच्छा लगता है, और टाइगर ज़िंदा है में अबू उस्मान की भूमिका निभाना एक जीवन बदलने वाला अनुभव रहा है, और मैं पूरी कास्ट और टीम के लिए इससे अधिक आभारी नहीं हो सकता, जिन्होंने इसे संभव बनाया। सलमान भाई ने मेरे काम के लिए मेरी प्रशंसा की है, जिससे मुझे और भी अधिक मेहनत करने की शक्ति मिली है, और अब मैं अपनी आगामी फिल्म फ्रेडी में कार्तिक आर्यन के साथ दर्शकों को मुझे एक अलग अवतार में देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।" अभिनेता सज्जाद डेलाफ्रूज कहते हैं- हम निश्चित रूप से उद्योग पर सज्जाद के शासन को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। काम के मोर्चे पर, टाइगर ज़िंदा है के अलावा, सज्जाद को स्पेशल ओपीएस नामक एक वेब सीरीज में भी देखा गया था, और अब अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ फ्रेडी में दिखाई देंगे। बता दें कि सज्जाद डेलाफ्रूज ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी दर्शकों को चकित कर दिया है और 'टाइगर ज़िंदा है' और 'स्पेशल ओपीएस ' जैसी परियोजनाओं में अपनी विरोधी भूमिकाओं के लिए जाने जाते है।

'सेल्फी विद पीएम' नाम की मूर्ति बनाई मयूर ने

छोटे परदे के एक्टर मयूर वकानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मूर्ति पर काम करते हुए एक तस्वीर साझा की। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम मयूर द्वारा बनाई गई 'सेल्फी विद पीएम' नाम की यह मूर्ति प्रधानमंत्री की विशिष्ट दाढ़ी और हेयर स्टाइल के साथ उनका सटीक प्रतिनिधित्व करती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी को अपना पसंदीदा कुर्ता, पायजामा और नेहरू जैकेट पहने भी देखा जा सकता है। कैप्शन में वकानी ने लिखा, "सेल्फी विद पीएम, मयूर वकानी और टीम द्वारा बनाई गई मूर्तिकला का फाइनल टच-अप। अभिनेता लंबे समय से चल रहे लोकप्रिय टीवी शो में सुंदर की भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं। सुंदर दयाबेन के भाई हैं और मयूर भी दयाबेन की भूमिका निभाने वाली दिशा वकानी के भाई हैं। जैसा कि अभिनेता ने प्रधानमंत्री के लिए अपना सम्मान और प्रशंसा दिखाई, उनके कई प्रशंसकों ने उनकी कला के काम के लिए उनकी प्रशंसा की।

सूडोकु नवताल- 6257

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6256 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7004

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	र्निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ताजमहल,लालकिला,कुतुबमीनार,जंतर मंतर,इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया,डलझील,विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

शब्दजाल - 7003 का हल

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढा	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5957

7		1	6		5	4
2	34		30	4	28	
	5		3		7	1
3	30		32	6	39	
1		2		5		
	28		33	7	38	3
4		3	6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5956 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	32	7	32	1	30	3
3	1	4	6	2	5	7
2	22	3	37	7	39	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

एमबापे, बेंजेमा को रोकना टीमों के लिए मुश्किल होगा : जिनेदिन जिदान

मुंबई।
फ्रांस के पूर्व कप्तान जिनेदिन जिदान के नाम दो विश्व कप फाइनल में गोल करने की उपलब्धि है और वह फुटबाल के इतिहास के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं। रीयल मैड्रिड के कोच के तौर पर उन्होंने शानदार काम किया और उनके नेतृत्व में टीम ने लगातार तीन बार यूएफा चैंपियंस लीग की ट्राफी जीती। फीफा विश्व कप को लेकर जिनेदिन जिदान का विशेष साक्षात्कार।

विश्व कप से पहले ही फ्रांस ट्राफी के प्रबल दावेदार के रूप में उभरा है। इस पर क्या कहेंगे – हां, फ्रांस को दावेदार होना भी चाहिए क्योंकि वो गत विजेता भी है और हमने क्वालीफायर्स में बेहतरीन प्रदर्शन भी किया है। मुझे पता है कि लगातार विश्व कप जीतना कठिन है और सिर्फ दो ही टीम अबतक ऐसा कर चुकी हैं, इटली ने 1938 और ब्राजील ने 1962 में यह कारनामा किया था। कुछ टीमें ऐसी भी रहीं जो इसके करीब थी, लेकिन ऐसा कर नहीं सकीं। इसलिए यह कठिन काम है, लेकिन फ्रांस एक बार फिर ट्राफी अपने नाम करने के लिए हर संभव कोशिश करेगा।

फ्रांस के लिए उसके दो स्टार मिडफील्डर पाल पोग्बा और एन गोलो कांटे की अनुपस्थिति में खेलना कितना कठिन है यह काफी मुश्किल भरा होगा, लेकिन अगर खिलाड़ी चोटिल हो जाएं तो आप कुछ नहीं कर सकते हैं। फुटबाल जैसे खेल में खिलाड़ियों को चोट लगना आम बात है और सभी को इसके लिए तैयार रहना होता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि खिलाड़ी क्लब सत्र से सीधे विश्व कप में आ रहे हैं, ऐसे में यह सब होना ही है। पाल और एन गोलो जैसे दो फुटबालरों की अनुपस्थिति चिंता की बात है, लेकिन कोच को यह पहले से ही पता था तो वह इसके लिए तैयार होंगे। एडुआर्डो कामाविंगा एक अच्छी प्रतिभा के तौर पर सामने आए हैं, लेकिन यह उनका पहला विश्व कप होगा। क्या उनकी अनुभवहीनता चिंता का विषय है हां, लेकिन यह उनके लिए बेहतर मौका है। कामाविंगा और एउरेलिएन चोउआमेनी दोनों के पास अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का मौका रहेगा। यह टूर्नामेंट काफी कठिन होने वाला है और इन्हें अपनी क्षमता को यहां दिखाना होगा। चुनौती सभी को सर्वश्रेष्ठ बनाने में मददगार होती है और मुझे यकीन है कि ये खिलाड़ी सभी को गौरवान्वित करेंगे। कायलियन एमबापे और करीम बेंजेमा के होने से फ्रांस के पास बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हैं। क्या हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि इनमें से कोई सर्वाधिक स्कोरर रहेगा हमें एंटोनी ग्रिएजमैन को भी नहीं भूलना चाहिए। अपने दिन यह तीनों किसी भी टीम के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। डिफेंडरों के लिए इन्हें गोल करने से रोकना मुश्किल भरा होगा। एमबापे अच्छी फार्म में हैं और बेंजेमा मौजूदा बैलन डिओर विजेता हैं। दोनों ही खिलाड़ियों को गोल करना और स्कोर करने में सहायता करना पसंद है। हम इन दोनों और इनके साथियों को कई गोल करते देखेंगे।

हुगो लोरिस की फार्म चिंता का विषय है – हुगो रूस में हमारी विजेता टीम के कप्तान थे और टीम में सभी को यह विश्वास है कि उनसे पार पाना अभी भी किसी टीम के लिए आसान नहीं रहने वाला है। उन्हें पछाड़ने के लिए किसी को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हुगो के होने से टीम मजबूत रहेगी। मुझे यकीन है कि वह अभी भी उतना ही बेहतर है जितना हमेशा से था।

डेनमार्क की टीम बड़ा खतरा है। आस्ट्रेलिया और ट्यूनिशिया भी गत विजेता टीम के सामने चुनौती पेश कर सकती है। सभी मुकाबले देखने लायक होंगे और सभी मौकों को भुनाना होगा। विश्व कप में कोई भी मैच आसान नहीं होने वाला है। मौजूदा समय में सभी टीमें विश्लेषण को देखते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को बेहतर तरीके से जानती हैं। एशिया, अफ्रीका और यूरोप की टीमों के साथ यह फ्रांस के लिए आकर्षक ग्रुप है।

न्यूज ब्रीफ

मनिका बत्रा ने एशिया कप में रचा इतिहास, कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

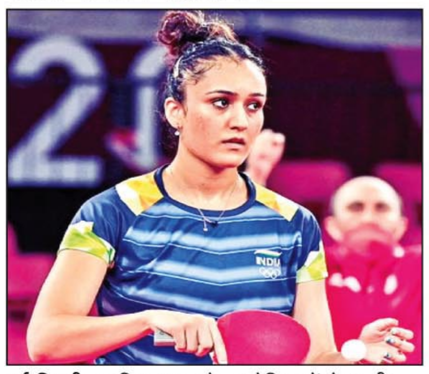

नई दिल्ली । एशिया कप टेबल टेनिस में देश की नंबर एक महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने इतिहास रचते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। उन्होंने कांस्य पदक मैच में हिना हयाता को 4-2 से हराया। हिना हयाता की रैंकिंग छह है। वह तीन बार इस इस टूर्नामेंट को जीत चुकी हैं। इस दिग्गज को खिलाड़ी को हराकर मनिका ने देश का नाम रोशन किया। मनिका एक करोड़ 63 लाख रुपये की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला थीं। उन्हें सेमीफाइनल मैच में चौथी वरीय जापान की मीमा इतो ने हराया था। गैर वरीयता प्राप्त मनिका इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी से हारी थीं। मीमा इतो ने उन्हें 8-11 11-7 7-11 6-11 11-8 7-11 (2-4) से हराया था। 39 साल के टूर्नामेंट के इतिहास में 2015 में शरत कमल ने और 2019 में जी साथियान ने छठा स्थान हासिल किया था। टूर्नामेंट में एशिया के टॉप 16-16 पैडलर विश्व रैंकिंग और क्वालिफिकेशन के आधार पर खेलते हैं।

37वीं इंदिरा मैराथन के पुरुष वर्ग में शेर सिंह व महिलाओं में ओलंपियन सुधा सिंह विजेता

प्रयागराज। 37वीं इंदिरा मैराथन को इस बार पुरुष व महिला वर्ग में नए चैंपियन मिले। शेर सिंह राणा इंदिरा मैराथन के पुरुष वर्ग के विजेता बने। उन्होंने 2 घंटा 20 मिनट और 11 सेकेंड में मैराथन पूरी की। वह जयपुर सेना के धावक हैं। महिला वर्ग की विजेता ओलंपियन सुधा सिंह के सिर ताज सजा। रायबरेली की सुधा सिंह ने पहली बार इंदिरा मैराथन में भाग लिया। सुधा सिंह ने 2 घंटा 51 मिनट और 44 सेकेंड में दौड़ पूरी की। महिला व पुरुष वर्ग के उप विजेता : पुरुष वर्ग के उप विजेता महाराष्ट्र के विक्रम बंगारिया बने। प्रयागराज के अनिल कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। चौथा स्थान पर पीएम गोपी टी आए हैं। महिला वर्ग में अश्विनी यादव जाधव दूसरे नंबर पर व तीसरे नंबर पर ज्योति शंकर राव आई। दोनों महाराष्ट्र की धावक हैं। कुछ देर पहले कौन आगे था : महिला व पुरुष धावकों के लिए 37वीं इंदिरा मैराथन की कुल दूरी 42.195 किमी है। पुरुष धावकों में सबसे आगे जयपुर के शेर सिंह सबसे आगे हैं। अभी उन्होंने प्रयागराज के अनिल कुमार सिंह को पीछे किया। 4 किमी की दौड़ शेष बची है। तीसरे स्थान पर विक्रम बंगरिया दौड़ रहे हैं। सुधा सिंह ने पहले से बनाई थी बढ़त : महिला धावकों में सबसे आगे ओलंपियन सुधा सिंह 28 किमी की दूरी तक सबसे आगे चल रही हैं। प्रयागराज की नीता पटेल और कविता पटेल दूसरे व तीसरे नंबर पर हैं। इसके पूर्व मेडिकल चौराहे तक भी ओलंपियन सुधा सिंह अन्य धावकों से आगे थीं।

ओलंपियन मोहिंदर सिंह मुंशी हाकी: राउंड ग्लास और सुरजीत अकादमी के बीच रोचक फाइनल, अमृतसर की टीम रही थर्ड

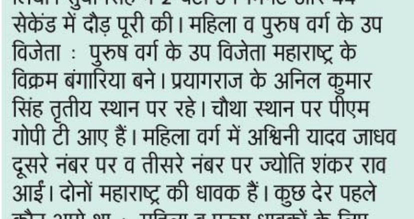

जालंधर। महानगर स्थित पीएपी के हाकी मैदान में चल रहे ओलंपियन मोहिंदर सिंह मुंशी हाकी प्रतियोगिता के टाइटल के लिए राउंड ग्लास और सुरजीत अकादमी के बीच रोचक फाइनल खेला जा रहा है। खबर लिखे जाने तक खेल का पहला क्वार्टर चल रहा था। इससे पहले तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच मैच करवाया गया। मैच सोनीपत और एसजीपीसी, अमृतसर के बीच खेला गया, जिसमें अमृतसर की टीम 1-0 से विजेता रही। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। हाफ टाइम तक दोनों टीमें गोल रहित रहीं। बाद में अमृतसर की टीम ने एक गोल करके टूर्नामेंट में तीसरा स्थान पर कब्जा किया। इस अवसर पर ओलंपियन मोहिंदर सिंह मुंशी सोसाइटी के प्रधान दविंदर सिंह, ओलंपियन संजीव कुमार, ओलंपियन राजेंद्र सिंह, गुरिंदर सिंह संघा उपस्थित थे।

फीफा वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में फिक्सिंग

दावा– कतर ने इक्काडोर के 8 खिलाड़ियों को मैच हारने के लिए 60 करोड़ दिए

कतर।
कतर फीफा वर्ल्ड कप शुरू होने में महज एक दिन बाकी है और मैदान पर खेल शुरू होने से पहले अलग तरह का खेल शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मेजबान देश कतर पर मैच फिक्सिंग का आरोप लग रहा है। कतर पर अपने पहले मैच के विरोधी इक्काडोर को घूस देने का आरोप लगा है।

ब्रिटिश मिडिल ईस्ट सेंटर फॉर स्टडीज और रिसर्च के रीजनल डायरेक्टर अमजद ताहा के अनुसार, कतर ने विरोधी खिलाड़ियों को रिश्वत दी है।

ताहा और अन्य अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, कतर ने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच को हारने के लिए इक्काडोर के आठ खिलाड़ियों को 7.4 मिलियन डॉलर (करीब 60 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी। ताहा का यह भी दावा है– कतर 1-0 से यह मैच जीतेगा और मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ में आएगा।

फीफा ने फिक्सिंग रोकने एफबीआई की मदद ली

फीफा ने वर्ल्ड कप में मैच फिक्सिंग रोकने के लिए एफबीआई की मदद ली है। क्योंकि उसका अनुमान है कि वर्ल्ड कप में वैश्विक स्तर पर 100 बिलियन डॉलर (करीब 8.17 लाख करोड़ रुपए) से अधिक का दांव लगेगा।

मैच फिक्सिंग रोकने के लिए फीफा ने पहली बार टास्क फोर्स बनाई है। इसमें बैटिंग मार्केट को मॉनिटर करने वाली इंटरनेशनल फर्म स्पोर्टरडार, इंटरपोल, इंटरनेशनल बैटिंग इंटीग्रिटी एसोसिएशन और एफबीआई शामिल है। ये हर मैच की निगरानी करेंगे। ये टास्क फोर्स गोल से लेकर यलो कार्ड की अनियमितताओं पर नजर रखेगी। स्पोर्टरडार का कहना है कि इस साल करीब 600 ऐसे मैच रहे, जिसमें हेरफेर की संभावना नजर आ रही है। अधिकांश संदिग्ध मैच छोटी लीग के हैं।

फैंस के आवागमन के लिए मेट्रो सर्विस शुरू हो चुकी है। मेट्रो सभी स्टेडियम से इंटर-कनेक्टेड है। एक मेट्रो के जरिए सभी स्टेडियम जाया जा सकता है। इसके अलावा पब्लिक बस, टैक्सी आदि की सुविधाएं भी हैं। प्रतिदिन 1300 मेट्रो ट्रिप चलाई जाएंगी। इसके अलावा 700 से ज्यादा टैक्सी और जोड़ी गई हैं। 60 पब्लिक बसें भी चलाई जाएंगी।

वॉटर ट्रांसपोर्ट के लिए तीन मोड होंगे। दो फेरी और एक वॉटर टैक्सी चलाई जाएगी। सरकार ने उबर सर्विस के लिए भी नियमों में ढील दी है। कतर में रहने वाले लोग सरकार से अनुमति लेकर उबर टैक्सी चला सकते हैं। पहले टैक्सी के लिए अलग लाइसेंस लेना होता था, लेकिन अब लोग अपने लाइसेंस पर टैक्सी चला सकेंगे।

आगरकर नए चीफ सिलेक्टर के लिए बीसीसीआई की पहली पसंद

दिल्ली फ्रेंचाइजी के असिस्टेंट कोच से करना होगा रिजाइन; पिछली बार भी थे प्रमुख दावेदार

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नए चीफ सिलेक्टर की तालाश शुरू कर दी है। बीसीसीआई ने चेतन शर्मा की अगुआई वाली चार सदस्यीय चयन कमेटी को बर्खास्त कर दिया था। बीसीसीआई ने नई चयन कमेटी के लिए एप्लिकेशन मांगी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली बार चीफ सिलेक्टर बनने से रह गए पूर्व तेज गेंदबाज अजीत आगरकर बीसीसीआई की पहली पसंद हैं।

क्यों हैं पहली पसंद

अजीत के पास तीनों फॉर्मेट खेलने का अनुभव है। वह टेस्ट और वनडे के अलावा 4 टी-20 इंटरनेशनल में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। आईपीएल में भी खेल चुके हैं और वर्तमान में दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग स्टाफ से जुड़े हैं। ऐसे में उसका अनुभव और इनपुट टीम चयन में महत्वपूर्ण हो सकता है। युवा खिलाड़ियों के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं और आईपीएल में उनके साथ काम किया है। वह उन्हें समझते हैं। वहीं घरेलू ढांचे की अच्छी समझ है। आगरकर को करना होगा आईपीएल टीम से रिजाइन अजीत अगर फिलहाल आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच हैं। उन्हें चीफ सेलेक्टर बनने के लिए उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच पद से रिजाइन करना होगा। अजीत आगरकर के क्रिकेट करियर पर एक नजर 26 टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए 58 विकेट ले चुके हैं। 191 वनडे में टीम इंडिया को रिप्रजेंट करते हुए 288 विकेट ले चुके हैं। 4 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारतीय टीम के लिए 3 विकेट ले चुके हैं। 110 फर्स्ट क्लास मैंचों में 299 विकेट हैं। 270लिस्ट ए मैचों में 420 विकेट हैं। 62 टी-20 मैचों में 47 विकेट हैं। क्यों बर्खास्त की गई चयन कमेटी बीसीसीआई ने वर्तमान चयन कमेटी को बर्खास्त करने को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है, लेकिन माना जा रहा है कि लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का खराब प्रदर्शन इसकी वजह हो सकती है। चेतन शर्मा सहित चार चयनकर्ताओं को किया गया बर्खास्त चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा सहित 4 खिलाड़ियों को बर्खास्त किया गया है। चेतन उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फीफा -2022 पर एलन मस्क का बड़ा ऐलान: ट्विटर पर दिखाया जाएगा वर्ल्ड कप का पहला मैच, मस्क बोले- बेस्ट कवरेज और रियल-टाइम कमेंट्री होगी

मुंबई।
कतर में होने जा रहे फीफा वर्ल्ड कप 2022 को लेकर ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने एक बड़ी अनाउंसमेंट की है। एलन मस्क ने हाल ही में ट्वीट कर कहा है कि ट्विटर को वर्ल्ड कप के पहले मैच की लाइव कवरेज और रियल-टाइम कमेंट्री करेगा। ट्विटर पर देखें बेस्ट कवरेज और रियल-टाइम कमेंट्री दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने ट्वीट कर लिखा, वर्ल्ड कप का पहला मैच रविवार को है। ट्विटर पर देखें बेस्ट कवरेज और रियल-टाइम कमेंट्री। हालांकि, एलन मस्क ने अपने इस ट्वीट में फीफा का जिक्र नहीं किया है, लेकिन उन्होंने वर्ल्ड कप लिखा है।

इतना ही नहीं ट्वीट में मस्क ने मैच के कवरेज और कमेंट्री को लेकर भी अन्य कोई डिटेल्स शेयर नहीं की हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2022 के 22वें सीजन की शुरुआत कतर में रविवार से ही हो रही है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मस्क ट्वीट में फीफा वर्ल्ड कप की ही बात कर रहे हैं।

कतर और इक्काडोर के बीच खेला जाएगा पहला मैच

वर्ल्ड कप का पहला मैच मेजबान कतर और इक्काडोर के बीच खेला जाएगा। फीफा-2022 में दुनिया भर की 32 टीमें इंटरनेशनल फुटबॉल में सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। फीफा वर्ल्ड कप में इस बार 8 ग्रुप बने हैं। हर ग्रुप में 4 टीमों को रखा गया है। फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मैच 18 दिसंबर को होगा।

रोहित से छिन सकती है टी-20 कप्तानी : हार्दिक बन सकते हैं कैप्टन, हिटमैन वनडे-टेस्ट में लीड करते रहेंगे

मुंबई।
टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी को बर्खास्त करने के बाद अब बीसीसीआई की नजर टी20 कप्तान रोहित शर्मा पर है। ऐसा कहा जा रहा है कि उन्हें टी-20 की कप्तानी से हटाया जा सकता है। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई ने चेतन शर्मा की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी को बर्खास्त कर दिया था। चेतन शर्मा के अलावा तीन अन्य चयनकर्ताओं को भी पद से हटा दिया है। इनके लिए आवेदन बुलाए गए हैं। सिलेक्शन कमेटी के बाद अब कप्तान रोहित शर्मा पर करवाई की जा सकती है। रोहित वनडे और टेस्ट क्रिकेट के कप्तान बने रहेंगे, जबकि 2024 में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए हार्दिक पंड्या को टीम की कप्तानी सौंपी जा सकती है। फिलहाल, हार्दिक न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम इंडिया के टी-20 के कप्तान हैं। अगर उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है तो जल्द ही उनके नाम पर मुहर लग सकती है।

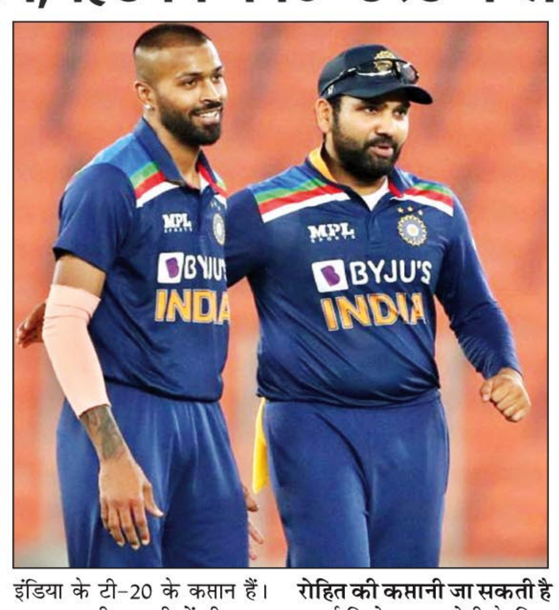

क्यों माना जा रहा है कि रोहित की कप्तानी जा सकती है – नई सिलेक्शन कमेटी के लिए टारगेट निर्धारित किए गए हैं। इसका जिक्र आवेदन में ही किया गया है। सिलेक्शन कमेटी को पहले तीन फॉर्मेट के लिए अलग कप्तान बनाने होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप में रोहित का खुद का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा। उन्होंने 6 मुकाबलों में 19.33 की औसत से 116 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 106.42 का रहा है। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने दो बड़े टूर्नामेंट में भाग लिया। दोनों ही टूर्नामेंट में फाइनल में नहीं पहुंच सकी। सबसे पहले रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने एशिया कप में भाग लिया। टीम इंडिया टॉप फोर में भी नहीं पहुंच पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। हार्दिक की कप्तानी में टीम इंडिया ने 3 टी-20 मैच खेले हैं। तीनों में भारतीय टीम ने जीत का स्वाद चखा है। आईपीएल में डेब्यू करने वाली गुजरात टाइटंस को हार्दिक ने अपनी कप्तानी में पहली बार में ही चैंपियन बनाया। उनका खुद प्रदर्शन भी शानदार रहा है।

मैदान में आखिरी बार दिखेंगे मेसी और रोनाल्डो, इनके अलावा लिस्ट में कई बड़े खिलाड़ियों के नाम

नई दिल्ली।
फुटबाल इतिहास के दो सबसे सफल खिलाड़ी लियोन मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो कतर में अपना पांचवां विश्व कप खेलेंगे, जो उनका अंतिम विश्व कप होगा। मेसी और रोनाल्डो ने 2006 में विश्व कप पदार्पण किया था, लेकिन अपनी टीम को अब तक ट्राफी नहीं दिला सके हैं। इन दोनों के अलावा कई ऐसे बड़े नाम हैं, जो आखिरी बार इस विश्व कप में दिख सकते हैं।

लियोन मेसी (अर्जेंटीना) विश्व कप पदार्पण- 2006 पोजीशन: फारवर्ड मैच 165, गोल 91 कतर विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की घोषणा कर चुके मेसी के पास अर्जेंटीना को खिताब जिताने का आखिरी मौका होगा। इससे पहले उनकी कप्तानी में टीम 2014 के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन जर्मनी की टीम से हार झेलनी पड़ी। 35 वर्षीय मेसी ट्राफी जीतकर अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से शानदार तरीके से विदाई लेना चाहेंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) विश्व कप पदार्पण- 2006 पोजीशन : फारवर्ड मैच 191, गोल 117 क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी कतर में अपना पांचवां विश्व कप खेलने उतरेंगे। रोनाल्डो 37 वर्ष के हो चुके हैं और अगला विश्व कप खेलना असंभव है। पुर्तगाल की टीम काफी मजबूत है और कप्तान रोनाल्डो ट्राफी के साथ विश्व कप से विदा लेना चाहेंगे। पुर्तगाल अब तक सिर्फ दो बार सेमीफाइनल में पहुंचा है।

थामस मुलर (जर्मनी) विश्व कप पदार्पण- 2010 पोजीशन: फारवर्ड मैच 118, गोल 44 2014 में विश्व कप जीतने वाली जर्मन टीम के सदस्य रहे मुलर तकनीकी रूप से बेहद मजबूत हैं। 33 साल की उम्र में भी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। 2014 के सेमीफाइनल में ब्राजील पर 7-1 की जीत में मुलर की अहम भूमिका रही थी। 16 विश्व कप मैचों में अब तक 10 गोल दाग चुके मुलर का यह आखिरी विश्व कप होगा।

राबर्ट लेवानदोवस्की (पोलैंड) विश्व कप पदार्पण- 2018 पोजीशन: फारवर्ड मैच 134, गोल 76पोलैंड के राबर्ट लेवानदोवस्की एक और स्टार स्ट्राइकर होंगे, जिनका यह अंतिम विश्व कप होगा। बार्सिलोना में शामिल होने के बाद 34 वर्षीय लेवानदोवस्की शानदार फार्म में हैं और सभी प्रतियोगिताओं में 14 गोल दाग चुके हैं। पोलिश टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी लेवानदोवस्की इसी फार्म को कतर में भी जारी रख टूर्नामेंट में अपनी चमक बिखेरना चाहेंगे।

एडिनसन कवानी (उरुग्वे) विश्व कप पदार्पण- 2010 पोजीशन: फारवर्ड मैच 133, गोल 58 एडिनसन कवानी कतर में आखिरी बार उरुग्वे की जर्सी में दिखाई देंगे। मैनचेस्टर युनाइटेड छोड़ने के बाद कवानी वेलेंसिया में शामिल हो गए ताकि विश्व कप से पहले उन्हें ज्यादा खेलने का मौका मिल सके। उरुग्वे के लिए 133 मैच खेल चुके 35 वर्षीय कवानी अपना चौथा विश्व कप खेलेंगे और टीम के लिए काफी अहम साबित हो सकते हैं।

लुका मोड्रिक (क्रोएशिया) विश्व कप पदार्पण- 2006 पोजीशन: मिडफील्डर मैच 155, गोल 23पिछले विश्व कप में क्रोएशिया को फाइनल में पहुंचाने में मोड्रिक का अहम योगदान था। फाइनल में भले ही क्रोएशियाई टीम को फ्रांस से हार मिली उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें गोल्डन बाल पुरस्कार दिया गया था। 37 वर्षीय यह मिडफील्डर कतर में अपना अंतिम विश्व कप खेलेगा, लेकिन इस बार भी टीम को उनसे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मैनुअल नुएर (जर्मनी) विश्व कप पदार्पण- 2010 पोजीशन : गोलकीपर मैच 114 मैनुअल नुएर यूरोप के सबसे बेहतरीन गोलकीपरों में से एक हैं और 2014 विश्व कप के फाइनल में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का अवार्ड मिला था। जर्मन गोलकीपर 36 वर्ष के हो चुके हैं और विश्व कप में संभवत: आखिरी बार दिखेंगे। जर्मनी के पास एक मजबूत टीम है, लेकिन यह तय नहीं कि इस बार वह कितना आगे बढ़ेंगे। लेकिन अगर जर्मनी को ट्राफी जीतनी है तो उसमें नुएर काफी अहम होंगे।

लुइस सुआरेज (उरुग्वे) विश्व कप पदार्पण- 2010पोजीशन: फारवर्ड मैच 134, गोल 68 कवानी की तरह ही लुइस सुआरेज उरुग्वे के दूसरे खिलाड़ी हैं, जो 2022 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लेंगे।

टीएमसी सांसद नुसरत जहां की बोल्ड तस्वीरें हो रहीं वायरल

बंगाली अभिनेत्री और पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में रही हैं। नुसरत ने जिस तरह से राजनीति और अभिनय के क्षेत्र में तालमेल बिठाया है वो वाकई में काबिले तारीफ है। नुसरत की गिनती दुनिया की खूबसूरत सांसदों में की जाती हैं। नुसरत अपनी बोल्डनेस की वजह से भी खबरों में रहती हैं। राजनीति और एक्टिंग के साथ नुसरत सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपन हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों और वीडियो को लेकर इंटरनेट पर छाई रहती हैं। इसी बीच नुसरत की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर बवाल मचा रही हैं। इसमें उनकी हॉटनेस देख हर किसी के होश उड़े हुए हैं। नुसरत जहां ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ लेटेस्ट बेडरूम तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो बेड पर बैठकर कातिलाना पोज देती दिख रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि नुसरत बेड पर सिर्फ एक व्हाइट शर्ट पहने बेठी हैं। इस शर्ट के ऊपर के काफी बटन खुले हुए हैं। इसके साथ ही वो अपने शर्ट को एक साइड के कंधे से गिरा कर अपनी ब्रा फ्लॉन्ट करती दिख रहे हैं। फोटोशूट में नुसरत जहां बेड पर बैठकर चॉकलेट केक को भी एंजॉय कर रही हैं। आप देख सकते हैं कि उनके हाथ में एक प्लेट है और उसमें चॉकलेट केक का एक बड़ा सा पीस रखा हुआ है। वहीं एक्ट्रेस उसे खाते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनका फेस एक्सप्रेशन वाकई बेहद खूबसूरत नजर आ रहे हैं। उनकी इन तस्वीरों को कुछ ही देर में काफी बार न सिर्फ देखा गया, बल्कि उसे लाइक और शेयर भी किया जा रहा है। इस पर कमेंट कर जहां कई यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं वहीं कई उन्हें ट्रोल करते दिख रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में नुसरत अपनी अदाओं से कहर ढाती दिखाई दी थीं। वीडियो में आप देख सकते हैं की नुसरत पहले सिंपल से लुक में नजर आती हैं फिर अचानक ही उनका लुक और ड्रेस चेंज हो जाता है। वो कैमरे के सामने एक ग्रे कलर की स्कर्ट और ब्रालेट पहने दिखती हैं। इस दौरान नुसरत के बाल ओपन हैं और उनका लाइट मेकअप एक्ट्रेस के लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है। इस दौरान वो डांस करते हुए अपनी ब्रालेट के स्ट्रैप को खिसकाती नजर आई हैं।

कहीं जॉन तो कहीं डनी

आठ देशों में रोचक हैं टॉयलेट के नाम

टॉयलेट जाने के लिए लैट्रिन, लू और पॉटी जैसे शब्दों का इस्तेमाल भारत में किया जाता है। लेकिन क्या आपको ये पता है कि दूसरे देशों में इन्हीं शब्दों को कुछ अलग और स्टाइलिश तरीके से बोला जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन टॉयलेट को अलग-अलग देशों में अलग-अलग नामों से बोला जाता है। अक्सर टॉइलट, रेस्टरूम, बाथरूम और लैवेट्री जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। असल में तो ये सभी शब्द एक जैसे ही होते है लेकिन लोकेशन और सुविधाओं के हिसाब से इनके नाम अलग-अलग दिए गए हैं। रेस्तरां या पब्लिक प्लेस पर किसी का जायका न खराब हो तो इसके लिए रेस्टरूम का नाम दिया गया है। आज विश्व टॉयलेट डे पर जान लेते हैं कि भारत के अलावा अन्य देशों में लैट्रिन को अन्य शब्दों में क्या कहा जाता है।

वाटर क्लोजेट : फ्रांस में टॉयलेट को वाटर क्लोजेट कहा जाता है। वहां इसे *वे-से* के नाम से जाना जाता है। वहीं जर्मनी में इसे वेत्से कहते है। हालांकि, वहां पर भी लोग वॉशरूम को डब्ल्यूसी के नाम से ही जानते है, न कि इसके फुल फॉर्म वाटर क्लोजेट से।

जैक्स : इंगलैंड के आयरलैंड वाले हिस्से में जैक्स को बाथरूम की जगह पर इस्तेमाल किया जाता है। पहली बार 1530 में जैक्स शब्द का इस्तेमाल किया गया था।

डनी : डनी शब्द का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया में पॉटी करने वाली जगह के नाम पर जाना जाता है। वहीं बाथरूम की सफाई करने वालों को डनीमैन कहा जाता है।

शिटहाउस : अमेरिका और ब्रिटेन में लोग बाथरूम को शिटहाउस के नाम से भी बुलाते हैं।

जॉन : अगर आपको ये लग रहा है कि ये किसी एक्टर का नाम है तो आप बिल्कुल गलत सोच रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन अमेरिका में टॉयलेट को जॉन कहकर बुलाया जाता है।

राज्य का पहला ट्रांसजेंडर टॉयलेट : मुंबई के गोरेगांव में राज्य का पहला ट्रांसजेंडर टॉयलेट तैयार किया गया है। ये टॉयलेट ओंबले गार्डन में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए बनाया गया है। सारथी फाउंडेशन द्वारा तैयार किया गया ये टॉयलेट ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए बनाया गया पहला सार्वजनिक टॉयलेट है।

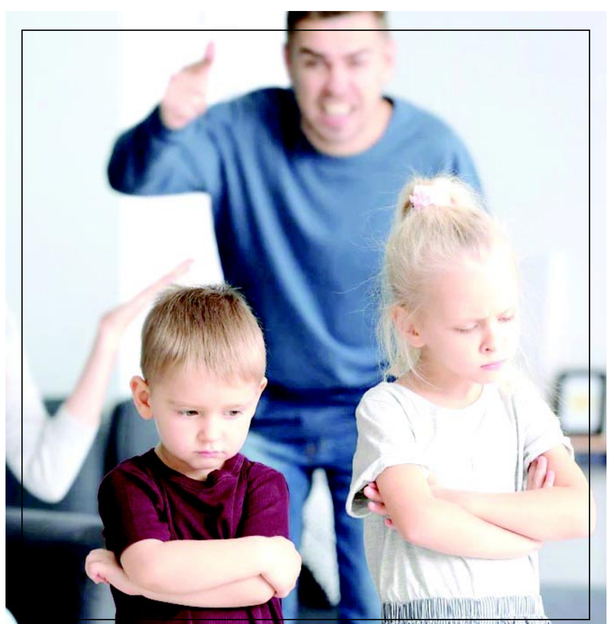

कॉन्फिडेंस की कमी ही नहीं कुछ नुकसान भी झेलते हैं ओवर डिसीप्लिनड बच्चे

हर कामयाब व्यक्ति के पीछे उसके अनुशासित जीवन का बहुत बड़ा महत्व होता है। लेकिन जीवन में ये अनुशासन अगर जरूरत से ज्यादा होने लगे तो इसके फायदे की जगह नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब आप बचपन से ही अपने बच्चे को ओवर डिसीप्लिनड करना शुरू कर देते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं बच्चों को ओवर डिसीप्लिनड करने के नुकसान।

डरपोक बन जाते हैं बच्चे-

जरूरत से ज्यादा बच्चों को अनुशासित करने पर वो आपसे बातें शेयर करना बंद कर देते हैं। इसके अलावा वो हर समय आपसे भी डरे- सहमे रहते हैं। हार के डर की वजह से वो प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बचने लगते हैं।

आत्मविश्वास की कमी-

जब आप अपने बच्चे को ज्यादा अनुशासन में रखते हैं, तो उनका आत्मविश्वास कम होने लगता है। ऐसे बच्चे बैक बेंचर हो जाते हैं। जो कभी भी अपनी बात खुल कर नहीं रखते हैं।

खुद पर करने लगते हैं संदेह-

आप जब अपने बच्चे को ज्यादा अनुशासित करते हैं, तो उनका मोरल डाउन होने लगता है और वो खुद पर ही संदेह करने लगते हैं।

माता-पिता पर भी नहीं करते विश्वास-

बच्चों को जरूरत से ज्यादा अनुशासित करने से वे आपके प्रति विश्ववास खोने लगते हैं। ऐसे बच्चे कितने भी मुश्किलों में रहें, अपने माता-पिता से खुलकर कोई बात नहीं करते।

समाज से रहते हैं दूर-

ऐसे बच्चे इंट्रोवर्ट होने की वजह से लोगों से दूर रहना पसंद करते हैं। उनकी ये आदत धीरे-धीर समाज से उन्हें दूर करने लगती है, जिससे वो निराशा से भर जाते हैं।

खाने की इन चीजों को फ्रिज में रखने की गलती कभी न करें!

आमतौर पर फ्रिज में चीजों को इसलिए रखते हैं, ताकि वे खराब न हों। हालांकि, कई ऐसे फूड आइटम्स हैं, जिन्हें हमें फ्रिज में बिल्कुल भी नहीं रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ खाने की चीजों को फ्रिज में रखने से उनमें मौजूद पोषण कम हो जाते हैं, जिससे स्वाद और रंग में बदलाव आ जाता है। आप मानें या न मानें लेकिन कई ऐसे भी फूड्स हैं जो फ्रिज में रखने से खराब हो जाते हैं।

कच्चे आम : कच्चे आम को कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इससे इनका पकना मुश्किल हो जाता है। इससे आम सख्त भी हो जाते हैं। यहां तक कि सलाह दी जाती है कि पके हुए आम को ही फ्रिज में रखना चाहिए, ताकि वे सख्त, मीठे और ताजा रहें।

तेल : तेल को फ्रिज में रखने से इसका टेक्सचर बदल सकता है और यहां तक कि रंग भी। फ्रिज में रखे तेल का स्वाद भी आपको अजीब लग सकता है।

पका हुआ चिकन : 3-4 दिन से ज़्यादा दिन पके हुए चिकन को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। इससे न सिर्फ इसका स्वाद बदल जाता है, बल्कि इसका रंग भी अजीब हो जाता है। इसके अलावा पका हुआ चिकन काफी दिन तक फ्रिज में रखने से फूड पॉइजनिंग या पेट की दूसरी तकलीफों को जन्म दे सकता है।

शहद : शहद जल्द एक्सपायर होने वाली चीज नहीं है। साथ ही यह आम तापमान में भी खराब नहीं होता। शहद को अगर फ्रिज में रख दिया जाए, तो यह जम जाता है और फिर इस्तेमाल मुश्किल हो जाता है।

हर्ब्स : पुदीना और धनिया जैसी चीजों को फ्रिज में रखने से यह जल्द ही गलने लगती हैं। इन औषधियों में मौजूद नमी फ्रिज में रखे-रखे उड़ जाती है, जिससे ये गलने लगती हैं और खराब हो जाती हैं। इसलिए इनको हमेशा एक एयर टाइट डिब्बे में अच्छी तरह रखना चाहिए।

ब्रेड : ब्रेड को भी कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ब्रेड में मौजूद स्टार्च मॉलीक्यूल्स ठंडे में जल्दी रीक्रिस्टलाइज होते हैं, जिससे ब्रेड जल्दी खराब होती है। इसलिए ब्रेड को फ्रिज में रखना बंद करें और किसी एयर-टाइट कंटेनर में रखना शुरू करें।

सदाबहार अभिनेत्री तबस्सुम का कार्डिएक अरेस्ट से मौत

सदाबहार अभिनेत्री तबस्सुम का निधन हो गया है। वह बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस और सेलिब्रिटी टॉक शो होस्ट के तौर पर काफी फेमस हुई थी। वह 78 वर्ष की थी। उनके बेटे होशान गोविल ने निधन की पुष्टि की है। उनके निधन से पूरे परिवार और उनके फैंस को सदमा लगा है। होशान गोविल ने कहा कि मां का बीती रात 8:40 पर निधन हो गया। उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था। वह अस्पताल में भर्ती थी लेकिन वह नहीं बच पाई। वह बहुत स्वस्थ थी। हमने अपने शो के लिए 10 दिन पहले ही शूट किया है और हम अगले सप्ताह दोबारा शूट करने वाले थे। इस बीच यह घटना घट गई। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। गौरतलब है कि तबस्सुम ने 1947 में बतौर चाइल्ड एक्टर काम करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने दूरदर्शन पर आने वाले सेलिब्रिटी टॉक शो फूल खिले हैं गुलशन-गुलशन को होस्ट किया। इस शो को वह 1972 से लेकर 1993 तक होस्ट करती रही। तबस्सुम ने अपना फिल्मी डेब्यू बतौर चाइल्ड एक्टर नरगिस के साथ किया था। इसके बाद वह मेरा सुहाग, मझदार और बड़ी बहन जैसी फिल्मों में नजर आई। उनकी आखिरी फिल्म अपीयरेंस 1990 में आई फिल्म स्वर्ग में थी।

सैलानी भी सहम गए जब भारी-भरकम बाघ *छोटा भीम* आया सामने

अपनी चाल से किया रोमांचित

उमरिया। मध्यप्रदेश के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के छोटा भीम को देखकर सैलानी रोमांचित हो गए। वीडियो बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में छोटा भीम नामक इस भारी-भरकम बाघ की शाही चाल देखते ही बनती है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में सफारी के दौरान छोटा भीम पर्यटकों को नजर आया। यह शाही चाल के साथ धीरे-धीरे बाहर निकल रहा था। इस बाघ की उम्र लगभग छह वर्ष है। छोटा भीम ने खितौली जोन को ही अपनी टेरिटरी बना रखा है। कुछ दिन पहले भी उसकी इसी इलाके में साइटिंग हुई थी। उस समय भी कुछ देर सामने आकर यह बाघ झाड़ियों में गुम हो गया था।

खास है छोटा भीम की साइटिंग : छोटा भीम इन दिनों बांधवगढ़ की पहचान बना हुआ है। आम तौर पर छोटा भीम के दीदार कम ही होते हैं और जब होते हैं तो पर्यटकों का उत्साह चरम पर होता है। कई पर्यटक तो छोटा भीम को देखते ही रह गए। इसके पिता को भीम मेल टाइगर के नाम से पहचाना जाता था और इसकी माता महामन फीमेल के नाम से पहचानी जाती थी। इसी के कारण इस बाघ का नाम छोटा भीम रखा है।

शिवराज को भी दिए थे दीदार : बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मगधी जोन में सफारी के दौरान सैलानियों को जिप्सी के पास झाड़ियों में आराम के साथ सैर करते बाघ दिख गया। सैलानियों ने अपने-अपने कैमरों में वीडियो को रिकॉर्ड कर लिया। बताया गया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कुछ दिन पहले बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सफारी के लिए गए थे, तब भी उन्होंने इसी बाघ को देखा था।

पिता से आकार विरासत में मिला है : बांधवगढ़ आने वाले पर्यटकों के बीच छोटा भीम काफी लोकप्रिय है। 2017 में छोटी महामन और भीम से पैदा हुआ यह शावक अपने आकार में पिता पर गया है। भीम का बेटा है, इस वजह से इसे छोटा भीम कहकर पुकारते हैं।

स्टार टाइगर का खिताब है छोटा भीम के पास : छोटा भीम को उसका आकार अपने पिता भीम से विरासत में मिला है। इस वजह से मध्यप्रदेश टूरिज्म ने इसे स्टार टाइगर का खिताब दे रखा है। जून में छोटा भीम का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह चार शावकों के साथ नजर आया था। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि छोटा भीम की जोड़ीदार तारा ने मई में दो शावकों को जन्म दिया।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**